



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 17, 1976 (आषाढ 26, 1898)  
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 17, 1976 (ASADHA 26, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मई 1976

सं० ए० 35017/1/73-प्रशासन-II—आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद की अपनी प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने पर महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व के कार्यालय के स्थायी अधीनस्थ लेखा सेवा के लेखाकार श्री ए० के० मुंशी की सेवाएं 12 मार्च, 1976 (अपराह्न) से महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व को पुनः सौंपी जाती हैं।

श्री मुंशी को 11 मार्च, 1976 से 31 मई 1976 (दोनों दिनों सहित) तक 82 दिन का अर्जित अवकाश प्रदान किया गया है। अपने अवकाश की समाप्ति पर श्री मुंशी महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व को रिपोर्ट करेंगे।

पी० एन० मुखर्जी  
अवर सचिव,  
कृते सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

(केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो)

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1976

सं० पी० एक०/ए-63/67-प्रशा०-I—श्री ए० बी० मुखर्जी ने दिनांक 2 मार्च, 1976 के अपराह्न से पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 3 मार्च, 1976 से दिनांक 30 जून, 1976 तक 120 दिन की सेवानिवृत्ति-पूर्व छुट्टी पर चले गए। श्री मुखर्जी दिनांक 30 जून, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होंगे।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय  
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 जून 1976

सं० ओ-II-1036/75-स्थापनाI—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर श्रीमती एस० अरुणादेवी को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 6 जून, 1976 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमती एस० अरुणा देवी को सैकण्ड बैस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 जून 1976

सं० 450/ए—भारत प्रतिभूति मुद्रणालय के उप नियन्त्रण अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियां दिनांक 3 अप्रैल, 1976 और 12 अप्रैल, 1976 से नियमित स्थानापन्न निम्नांकित प्रवरण क्रम में प्रतिपादित होंगी।

नाम	अधिसूचना जिसके अन्तर्गत तदर्थ नियुक्तियों की गई
1. श्री व्ही० श्रीनिवासन सं० 3595/ए० दिनांक 18 मार्च 75	
2. श्री व्ही० जी० साने—सं० 149/ए, दिनांक 23 अप्रैल 76	

सं० 451/ए—निम्नांकित नियंत्रण निरीक्षकों की (वर्ग-III अराजपत्रित) चलार्थ पत्र मुद्रणालय एतद् द्वारा उप नियन्त्रक अधिकारियों के रूप में (वर्ग-II राजपत्रित पद) चलार्थ पत्र मुद्रणालय में रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के सुधारित वेतनमान में 1 जून, 1976 से नियमित रूप में नियुक्तियों की गई है।

(1) श्री बी० एस० बेदे

(2) श्री जी० एन० मूर्ति

(3) श्री व्ही० वाय० देशपांडे—तदर्थ नियुक्ति नियमित रूप में 1 जून, 1976 से की गई।

2. श्री एन० जे० धिवरे को स्थानापन्न उप नियन्त्रक अधिकारी, श्री देशपांडे इनके छुट्टी में उनके स्थान पर नियमित

रूप में और उनके सेवानिवृत्त होने पर 7 जून 1976 से नियुक्त किया है।

ना० राममूर्ति  
उप महाप्रबन्धक  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बंगलूर, दिनांक 16 जून 1976

सं० स्थापना 1/ए4/76-77/235—महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक बंगलूर के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखित दिनांक से स्थायी क्षमता में, लेखा अधिकारियों के पद में इसी कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

(1) श्री डी० कृष्ण देवमनी—1-5-1976

(2) श्री एच० बी० बैंकटसुब्बय्या—1-6-1976

डी० एच० वीरय्या  
महालेखाकार

कार्यालय, महालेखाकार एक, मध्य प्रदेश,

ग्वालियर, दिनांक 17 जून 1976

सं० प्रशासन एक/167—महालेखाकार एक, मध्यप्रदेश, ने श्री टी० एस० वैद्यनाथन, अनुभाग अधिकारी, को दिनांक 3 मई, 1976 पूर्वाह्न अर्थात् वह दिनांक जिससे उनसे अवर (जूनियर) श्री बी० जी० जगन्नाथन, अनुभाग अधिकारी, की पदोन्नति लेखा अधिकारी के पद पर हो जाती है, से वेतनमान 840-40-1000-द० अ०-40-1200 पर लेखा अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नत किया है।

एम० एम० नरसिंहाजी  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 19 जून 1976

सं० 3220/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री टी० आर० एस० मूर्ति (जो वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग में अपर वित्तीय सलाहकार (संयुक्त सचिव) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं) को 30 जून, 1976 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अस्तित्व कर दिया जायेगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

2. श्री टी० आर० एस० मूर्ति को उनकी सेवा निवृत्ति पूर्व 30 मई, 1976 से 30 जून, 1976 तक 32 दिन की छुट्टी तथा 1-7-1976 से 11-8-1976 तक 42 दिन की अस्वीकृत छुट्टी मंजूर की गई है।

सं० 18283/प्रशा०-II--58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री दुर्गा पद साहा, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक (फैक्ट्रीज), को 30/11/76 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

एस० के० सुन्दरम  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशा०)

श्रम मन्त्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय  
घनबाद, दिनांक 9 जून 1976

सं० 2ए(2)/76 प्रशासन-1/9603—श्री विनोद कुमार, सरीन को खान सुरक्षा महानिदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर परीक्षाधीन रूप में 18 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से दो वर्षों के लिये नियुक्त किया गया।

श्याम शिव प्रसाद  
खान सुरक्षा महा निदेशक

वाणिज्य मन्त्रालय

संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 5 मई 1976

आदेश

विषय:—सामान्य मुद्रा क्षेत्र से टिन प्लेट वेस्ट/वेस्ट आयात करने के लिये 15150/- रुपये के लिये आयात लाइसेंस संख्या (1) पी०/एस०/8564545/सी०/एक्स० एक्स०/55/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975 तथा (2) यू० के० साख के अधीन 15,149/- रुपये के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी०/एस०/8564546/आर०/एम० एल०/55/एम०/39-40/19/56, दि० 5-4-1975 मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रतियों को रद्द करने का आदेश। दोनों आयात लाइसेंस अप्रैल, 74/मार्च, 75 अवधि के लिये सर्वश्री साउदर्न इन्डस्ट्रीज नं० 108/3, बाल्कर टाउन, सिकन्दराबाद, आन्ध्र प्रदेश के नाम जारी किए गए थे।

सं० 1 और 5/टी० पी०/56/ए० पी०/74-75—सर्वश्री साउदर्न इन्डस्ट्रीज नं० 108/3, बाल्कर टाउन, सिकन्दराबाद, आ० प्र० को दो आयात लाइसेंस संख्या (1) पी०/एस०/8564545/सी० एक्स० एक्स०/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975, 15,156/- रुपये मूल्य के लिये सामान्य मुद्रा क्षेत्र से टिनप्लेट वेस्ट/वेस्ट आयात करने के लिये तथा (2) पी०/एस०/8564546/आर०/एम०

एल०/55/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975, 15145/- रुपये के लिये यू० के० साख के अधीन टिन प्लेट वेस्ट/वेस्ट आयात करने के लिये प्रदान किये गए थे। दोनों आयात लाइसेंस अप्रैल, 74/मार्च, 75 अवधि के लिये जारी किये गये थे। उन्होंने उक्त आयात लाइसेंसों की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रतियों की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि वे किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना तथा बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना ही खो गई हैं अथवा अस्थानस्थ हो गई हैं। अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है।

मैं सन्तुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या (1) पी०/एस०/8564545/सी० एक्स० एक्स०/55/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975 तथा (2) पी०/एस०/8564546/आर०/एम० एल०/55/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975 की मूल मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रतियां खो गई हैं तथा निदेश देता हूँ कि उक्त आयात लाइसेंसों की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रतियों की अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिये। आयात लाइसेंस संख्या (1) पी०/एस०/8564545/सी० एक्स० एक्स०/55/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975 तथा (2) पी०/एस०/8564546/आर०/एम० एल०/55/एम०/39-40/19/56, दिनांक 5-4-1975 की मूल मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रतियां एतद् द्वारा रद्द की जाती हैं।

सी० जी० फरमानडीज  
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1976

सं० ए०-17011/100/76-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने श्री विमल प्रसाद जैन, सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II), मुख्यालय को दिनांक 14-4-1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थापनापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री जैन ने 14-4-1976 के पूर्वाह्न को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 14-4-1976 के पूर्वाह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पदभार संभाल लिया।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1976

सं० ए-6/76(4)/58/XV—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी II के ग्रेड III की इंजीनियरी शाखा में सहायक निरीक्षण निदेशक/ निरीक्षण अधिकारी के स्थायी पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	पद जिसमें स्थायी है	तारीख जिससे स्थाई है	कैफियत
1	2	3	4	5	6
1.	श्री पी० सी० राय	उप निदेशक निरीक्षण	सहायक निरीक्षण निदेशक/निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी)	11-12-62	31-7-71 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
2.	श्री के० के० दास	निरीक्षण निदेशक	—वही—	11-12-62	30-4-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
3.	श्री आर० एन० गुप्ता	उप निरीक्षण निदेशक	—वही—	11-12-62	14-1-69 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
4.	श्री बी० बनर्जी	—वही—	—वही—	11-12-62	31-1-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
5.	श्री घनश्याम एन० गिडवानी	निरीक्षण निदेशक	—वही—	11-12-62	
6.	श्री सी० एस० राव	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	11-12-62	23-10-70 (पूर्वाह्न) को सेवा-निवृत्त ।
7.	श्री बी० टी० गुलरजानी	—वही—	—वही—	11-12-62	30-3-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
8.	श्री बी० बी० रंगनेकर	उप निरीक्षण निदेशक	—वही—	11-12-62	30-4-74 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
9.	श्री एस० सी० हजरा	—वही—	—वही—	11-12-62	22-1-74 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
10.	श्री बी० बी० अलेकर	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	11-12-62	6-4-70 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
11.	श्री ए० एन० कम्पानी	उप निरी० निदे०	—वही—	11-12-62	31-9-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
12.	श्री एम० संकरालिंगम्	—वही—	—वही—	24-2-68	
13.	श्री एस० डी० दोसाज	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	1-3-68	30-4-69 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
14.	श्री एस० एन० बासू	उप निरीक्षण निदे०	—वही—	15-1-69	
15.	श्री एस० जी० परांजे	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	1-3-69	14-12-71 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
16.	श्री एस० एस० ठाकुर	—वही—	—वही—	15-7-69	16-1-71 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।
17.	श्री जी० सिवारामन	निरीक्षण निदेशक	—वही—	12-9-69	
18.	श्री पी० एल० कपूर	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	23-12-69	21-12-72 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।



1	2	3	4	5	6
19. श्री एस० सी० कपूर	निरीक्षण निदेशक	सहायक निरीक्षण निदेशक/निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी)	23-12-69		
20. श्री जी० सी० सरकार	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	23-12-69	19-9-72 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।	
21. श्री बी० एस० बक्शी	—वही—	—वही—	23-12-69	9-12-70 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।	
22. श्री जी० बालाकृष्णन	उप निरीक्षण निदे०	—वही—	23-12-69		
23. श्री एस० बी० दत्ता	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	23-12-69	31-5-70 को सेवा निवृत्त ।	
24. श्री आर० एस० अरोड़ा	उप निरीक्षण अधिकारी	—वही—	23-12-69		
25. श्री आर० एन० दिगरा	निरीक्षण अधिकारी	—वही—	23-12-69	2-1-72 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।	
26. श्री एच० एल० घोष	—वही—	—वही—	23-12-69	30-6-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।	
27. श्री एम० बी० प्रभू	उप निरी० निदे०	—वही—	23-12-69	31-10-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।	
28. श्री डी० वी० जैन	—वही—	—वही—	6-4-70		
29. श्री ए० एन० चटर्जी	—वही—	—वही—	1-6-70		
30. श्री के० एल० गर्ग	—वही—	—वही—	23-10-70		
31. श्री एस० रघुनाथन	उप निरी० निदे०	—वही—	10-12-70		
32. श्री एस० सुब्बीहा	—वही—	—वही—	17-1-71		
33. श्री आर० सी० गुप्ता	उप निरीक्षण निदेशक	—वही—	10-7-71		
34. श्री आर० वी० नारायणन	—वही—	—वही—	12-11-71		
35. श्री जी० आर० भाटिया	—वही—	—वही—	12-11-71	31-1-75 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त ।	
36. श्री जी० रामदास	—वही—	—वही—	12-11-71		
37. श्री बी० बी० राय	—वही—	—वही—	12-11-71		
38. श्री धी० एस० कृपलानी	—वही—	—वही—	12-11-71		

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 15 जून 1976

सं० 264(25/9)/19ए(खण्ड-III)/76—भारतीय भू-  
वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायक  
(भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में,  
वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० री०-35-

880-40-1000-द० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में,  
अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने  
दर्शायी तिथि से नियुक्त किया जाता है।

क्रम० सं०	अधिकारियों के नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री भगवान सिंह	1-4-1976 (पूर्वाह्न)
2.	श्री चेरिंग बांगस	2-4-1976 (पूर्वाह्न)

दिनांक 15 जून, 1976

सं० 2586(ए० वी०)/19ए—स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, मानसिक रोगों के चिकित्सालय, रांची से परावर्तन पर श्री ए० वेदाचलम ने प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उसी क्षमता में, 19-4-1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया है।

सं० 2222 (बी० एल०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री बंसीलाल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10-5-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (सी० सी०)/19ए—श्री चंडीदास चक्रवर्ती को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने पर 12 मई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 50/66(ए० जी० आर०)/19 बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री ए० गोविन्दा राव ने शिफ्टबास के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, स्थानापन्न क्षमता में, 1 मई, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

सं० 2222 (के० वें० सी०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) डा० के० वेंकटराया चोरी को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 29-3-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (ए० के० एस०)/19ए—श्री अणोक कुमार श्रीवास्तव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 6 अप्रैल, 1976 के अपराह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एस० एम० एस०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री शिसेन्द्र मोहन सक्सेना को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 7-5-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 14/72/19सी०—एफ० आर० 14 ए के अन्तर्गत भारत सरकार के अनुदेश-3 के अनुसार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त कर्मचारियों की सेवाएं खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन लि०) को लोक सेवा के हित में 31-12-1975 अपराह्न से स्थायी रूप से अन्तरित की जाती है :—

क्रमांक	नाम	पदनाम
1. श्री एम० एस० मन्ता	सहायक	भूवैज्ञानिक
2. श्री विनय घोष	"	
3. श्री ए० जे० राव	"	
4. श्री ए० अब्दुल रहीम	"	
5. श्री आई० एम० नोटियाल	"	
6. श्री टी० कुरियन	ड्रिलर	
7. श्री पी० आर० दत्त राय	"	
8. श्री एन० जे० नाथ	"	
9. श्री बी० के० सेन	"	
10. श्री एम० कामेश्वरन	"	
11. श्री सी० जकारिया	"	
12. श्री डी० पी० देशमुख	"	
13. श्री जे० ए० के० तरीन	"	
14. श्री एन० रामकृष्णन	"	
15. श्री के० एम० जार्ज	"	
16. श्री बी० के० साहु	शिफ्ट बास	
17. श्री ए० श्रीनिवासन	"	
18. श्री जी० एस० पोद्दार	"	
19. श्री पी० आर० चौधुरी	"	
20. श्री एम० सी० ओझा	"	
21. श्री टी० डी० के० गोपाल	"	
22. श्री सी० एस० जेसवाल	"	
23. श्री एम० जी० शर्मा	सहायक	रसायनज्ञ
24. श्री एस० बी० अकोलकर	"	
25. श्री बी० पी० एन० सिन्हा	"	
26. श्री एस० पी० सिंह	"	
27. श्री जे० वी० अफले	"	
28. श्री डी० वैद्यनाथन	"	
29. श्री एस० डी० वेद	"	
30. श्री एस० के० सास्त्री	"	
31. श्री एन० एस० नेगी	अधिकारी	सर्वेक्षक
32. श्री ए० एस० गहीर	आर्टिस्ट	
33. श्री वी० के० मुले	प्रशासनिक अधिकारी	
34. श्री के० जी० रामचन्द्रन	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	

दिनांक 21 जून, 1976

सं० 2222 (जे० एम० पी०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री ज्योतिन्द्र मोहन प्रसाद को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता

में, आगामी आदेश होने तक 11-5-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 50/66/19 बी—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री डी० के० जै ने शिफ्ट बोस के पद का कार्यभार, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में, स्थापनापन्न क्षमता में, 17 मई, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० 2222 (आर० एस०)/19 ए—श्री रूपगोसाई सिन्हा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 15 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (ए० एस० के०)/19 ए—श्री अब्दुल सत्तार खां को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 6 मई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,  
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 19 जून, 1976

संख्या ए-31014(7)/73-सि० ए०—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय खान ब्यूरो में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से खनिज अधिकारी (आसूचना) के पद पर स्थायी किया जाता है :—

नाम	स्थायी होने की तारीख
1. श्री जी० एस० नागराज	2-8-73
2. श्री यू० बी० कृष्णमूर्ती	2-8-73
3. श्री बी० एन० नटराज	15-11-75

सं० ए-31016(2)/70-सि० ए०—श्री बी० पी० मलिक, को भारतीय खान ब्यूरो, में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 1 फरवरी, 1975 से स्थायी किया जाता है।

सं० ए-31013/21/73-सि० ए०—निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 15 नवम्बर, 1975 से सहायक खनन इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

- (1) श्री आर० राधाकृष्णा
- (2) श्री बी० के० अनन्त नारायण
- (3) श्री सी० अस्वस्था नारायण
- (4) श्री के० एस० कृष्णमूर्ती
- (5) श्री डी० के० रामचन्द्र राव
- (6) श्री के० पी० राव

सं० ए-31014/1/75-सि० ए०—श्री ए० आर० कश्यप, को भारतीय खान ब्यूरो में प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 15 नवम्बर, 1975 से स्थायी किया जाता है।

डी० एन० भार्गव  
नियन्त्रक,  
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 24/28 मई, 1976

सं० 4-125/76-स्था०—निदेशक, भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण एतद्द्वारा श्री रंजन डेका को इस सर्वेक्षण में सहायक मानव-विज्ञानी (भौतिकी) के पद पर 15 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

एन० आर० एच०,  
जूनियर प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षण का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 19 जून 1976

सं० गो० सी०-5097/707—श्री बी० एस० धियागराज, सर्वेक्षण सलैक्शन ग्रेड को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षण (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 22-5-76 (पूर्वाह्न) से स्थापनापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है तथा इनकी नियुक्ति सं० 46 पार्टी (मध्य सर्किल), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जवलपुर में की जाती है।

के० एल० खोसला  
कर्नल  
भारत के महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली, दिनांक 17 जून 1976

सं० आई० ए०/73-74/14013—दिल्ली विश्वविद्यालय के 1973-74 के वार्षिक लेखे उन पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट सहित दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम 1922 (1922 का अधिनियम VIII) के खण्ड 39 (ii) के अन्तर्गत अपेक्षित जानकारी के लिये प्रकाशित किये जाते हैं।

के० एन० धुसु  
कुल सचिव

विवरण सं० 1

दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1974 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

31-3-1973 (1)	आस्तियां (2)	31-3-1974 (3)
रूपए		रूपए
3,13,23,883	1. भवन	3,44,56,531
—	2. भूमि	83,152
60,60,611	3. फर्नीचर और उपस्कर	78,39,066
59,81,034	4. विज्ञान उपकरण	61,31,334
1,09,62,227	5. पुस्तकें और पत्र-पत्रिकाएं	1,32,38,376
53,388	6. खेल-कूद सामग्री और विजयोपहार	53,388
	7. दान/चंदे	
	(क) फोर्ड फाउंडेशन	
1,87,72,060	{ (i) फर्नीचर और उपस्कर	1,83,36,056
	{ (ii) पुस्तकें	17,95,409
	(ख) 1. 2 करोड़ डालर की भारतीय उच्च शिक्षा ऋण-योजना के अधीन	
7,62,031	आयातित विज्ञान-उपस्कर	7,62,031
	(ग) अन्य अभिकरण	
27,98,874	{ (i) फर्नीचर और उपस्कर	21,26,851
	{ (ii) पुस्तकें	3,87,634
	8. उपचित प्राप्तियां	
2,48,208	(क) विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क	2,65,507
8,359	(ख) कम्प्यूटर केंद्र—1620/II	34,006
1,64,831	(ग) अनुज्ञप्ति शुल्क लाभोश इत्यादि	1,85,334
10,00,000	9. (क) अनुरक्षण अनुदान विनिधान खाता	—
11,938	(ख) विनिधान पर उपचित ब्याज	—
1,94,40,850	10. (क) भविष्य निधि विनिधान खाता	2,22,00,299
3,19,289	(ख) विनिधान पर उपचित ब्याज	3,59,411
8,88,000	11. मूल्यह्रास के लिए आरक्षित निधि का विनिधान खाता	9,13,000
25,000	12. प्रकाशन निधि विनिधान खाता	51,000
30,000	13. कुलपति की छात्र-निधि का विनिधान खाता	34,500
21,500	14. गुजरात के डा० गोकलचंद से संबंधित ऋण-छात्रवृत्ति निधि का विनिधान खाता	21,500
5,15,000	15. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि विनिधान खाता	5,15,000
4,95,000	16. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि विनिधान खाता	5,31,768
6,77,100	17. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि विनिधान खाता	6,97,100
1,03,000	18. पंडित मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि विनिधान खाता	1,03,000
9,48,290	19. अन्य धर्मस्व निधियों का विनिधान खाता	10,10,337
60,000	20. विज्ञान से संबंधित अवधान द्रव्य का विनिधान खाता	85,000
30,000	21. पुस्तकालय जमा राशि विनिधान खाता	3,00,000
—	22. विविध खाता-कम्प्यूटर केंद्र 360/44 विनिधान खाता	15,00,000
9,33,579	23. उपचित प्राप्तियां-कम्प्यूटर केंद्र 360/44	4,95,992
	24. अग्रिम राशियां	
16,750	(क) स्थायी अग्रिम राशि	27,750

1	2	3
रुपए		रुपए
8,11,828	(ख) अन्य अग्रिम राशियां	3,94,778
2,34,864	(ग) वाहन-ऋण	2,51,922
25. नकदी		
64,13,084	(क) बैंक में नकदी	24,68,820
1,99,222	(ख) फोर्ड फाउंडेशन अनुदान (62,464.39 डालर) में से फ्रस्ट नेशनल सिटी बैंक, न्यूयार्क में नकदी	4,68,483
26. विविध देनदार		
7,68,613	(क) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से अनुरक्षण अनुदान खाते में	7,68,613
99,150	(ख) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से विविध खाते में	99,150
	(ग) पेंशन और ग्रेजुइटी के भुगतान के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्तव्य अनुदान	6,37,005
	(घ) प्रकाशक से प्राप्तव्य रायल्टी	23,165
11,11,97,563		11,96,52,268

प्रमाणित किया जाता है कि विश्वविद्यालय को जो अनुदान प्राप्त हुए उनका उपयोग उन्हीं कार्यों में और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और दिए गए थे।

ह०  
उपविक्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय

ह०  
आंतरिक लेखापरीक्षा  
अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय

ह०  
वित्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय

ह०  
कोषाध्यक्ष,  
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1974 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

31-3-73 (1)	विवरण (2)	31-3-74 (3)
रुपये		रुपये
5,31,61,201	1. अनुदान	5,99,95,153
	2. दान/चंदे	
1,89,71,282	(क) फोर्ड फाउंडेशन	2,05,99,948
7,62,031	(ख) 1.2 करोड़ डालर की भारतीय उच्च शिक्षा ऋण-योजना के अधीन आयातित विज्ञान उपस्कर	7,62,031
27,98,874	(ग) अन्य अभिकरण	25,14,485
57,50,838	3. व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय	15,09,304
1,98,50,919	4. (क) भविष्य निधि खाता (ख) अंशदायी भविष्य निधि खाता (ग) सामान्य भविष्य निधि खाता	2,26,12,794
3,26,202	(घ) अंशदायी भविष्य निधि खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस किया जाना है	5,37,758
2,23,341	(ङ) ब्याज खाता	3,40,162
11,95,396	5. मूल्यहास के लिए आरक्षित निधि खाता	9,18,128
57	6. प्रोफेसरी निधि खाता	651
46,749	7. प्रकाशन निधि खाता	55,083
30,541	8. कुलपति की छात्र-निधि का खाता	34,633
24,659	9. गुजरात के डा० गोकल चंद से संबंधित ऋण छात्रवृत्ति निधि खाता	23,073
5,55,460	10. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता	5,24,926

1	2	3
5,26,547	11. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता	5,37,273
7,01,719	12. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता	7,14,024
1,14,513	13. पंडित मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता	1,07,991
10,68,768	14. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता	11,49,395
5,28,378	15. विज्ञान से संबंधित अवधान द्रव्य जमा खाता और पुस्तकालय जमा खाता	6,20,600
2,03,768	16. ठेकेदारों की जमानत का जमा खाता	1,68,006
12,08,779	17. छात्रवृत्तियों का जमा खाता	12,76,014
3,95,405	18. अनुसंधान योजनाओं का जमा खाता	5,90,671
37,577	19. पारितोषिक एवं धर्मस्व जमा खाता	—
1,92,154	20. अन्य जमा खाते	5,28,493
16,40,940	21. कम्प्यूटर केन्द्र 360/44	26,45,150
2,74,800	22. बाहन ऋण-निधि खाता	2,75,925
4,06,000	23. उचित खाता	4,06,598
2,00,665	24. उपचित भुगतान	2,03,999
11,11,97,563		11,96,52,268

प्रमाणित किया जाता है कि प्राप्त अनुदानों का उपयोग उन्हीं कार्यों में और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और दिए गए थे।

नोट:—31-3-1974 को दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस का तुलन-पत्र संलग्न है।

ह०	ह०	ह०	ह०
उप-वित्त अधिकारी, दिल्ली विश्व-विद्यालय	आंतरिक लेखा-परीक्षा अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय	वित्त-अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय	कोषाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

हिसाब किताब से संबंधित टिप्पणियां

1. आस्तियों के अन्तर्गत क्रम सं० 7 (क)

31-3-1973 का इतिशेष इस तरह विभाजित किया गया है :

(i) फर्नीचर और उपस्कर	1,69,76,651
(ii) पुस्तकें	17,95,409

31-3-1973 का इतिशेष

1,87,72,060

2. आस्तियों के अन्तर्गत क्रम सं० 7(ग) और दायित्वों के अन्तर्गत क्रम सं० 2(ग)

1-4-1973 का आरंभशेष इस तरह संबंधित किया गया है :—

अन्य अभिकरणों के अन्तर्गत इतिशेष

27,98,874

ऋण : पुस्तकें जो अलग दिखाई गई हैं

3,53,949

31-3-1973 को 'फर्नीचर और उपस्कर' का इतिशेष

24,44,925

ऋण : (i) फोर्ड फाउंडेशन से प्राप्त दान जो 31-3-1973 के शेष में फोर्ड फाउंडेशन के अन्तर्गत भी दिखाया गया था और अन्य अभिकरणों के अन्तर्गत भी		3,68,693
		20,76,232
(ii) 1.2 करोड़ डालर की उच्च शिक्षा ऋण योजना से प्राप्त दान जो 31-3-1973 के तुलन-पत्र में 1.2 करोड़ डालर की उच्च शिक्षा ऋण योजना के अन्तर्गत भी दिखाया था और अन्य अभिकरणों के अन्तर्गत भी		23,854
1-4-1973 का संशोधित आरंभ शेष		20,52,378
3. आस्तियों के अधीन क्रम सं० 8 (क) और दायित्वों के अधीन क्रम सं० 3		
1-4-1973 का आरंभ शेष इस तरह संशोधित कर लिया गया है :—		
(क) विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क के अन्तर्गत इतिशेष		2,48,208
ऋण : 1972-73 वर्ष के पी० एच० डी० बकाया जो 31-3-1973 के तुलन पत्र में फ़ालतू दिखाए गए थे		9,648
1-4-1973 को संशोधित आरंभ शेष		2,38,560
4. 31-3-1974 के तुलन-पत्र में दायित्वों के अन्तर्गत क्रम सं० 20 और आस्तियों के अन्तर्गत क्रम सं० 26(ग)		
पेंशन और ग्रेच्युइटी के भुगतान में विश्वविद्यालय ने जो व्यय किया और जिसे अब तक दायित्वों के अन्तर्गत क्रम सं० 20 अन्य जमा राशियों के खाते में दिखाया गया है, उसे अब संशोधित करके आस्तियों के अन्तर्गत क्रम सं० 26 (ग) पेंशन और ग्रेच्युइटी के भुगतान के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्तव्य अनुदान में दिखाया गया है। फलतः इस शेष के अधीन 1-4-1973 का आरंभ शेष इस तरह संशोधित कर लिया गया है :—		
31-3-1973 का इतिशेष		1,92,154
धन : पेंशन और ग्रेच्युइटी के भुगतान का व्यय जो अब तुलन-पत्र के क्रम सं० 26(ग) के अन्तर्गत आस्तियों में दिखाया गया है		3,49,407
1-4-1973 का संशोधित आरंभ शेष		5,41,561

दिल्ली

1973-74 वर्ष के आय

आय	रु० पै०	रु० पै०
1	2	3
I. अनुसूचित अनुदान खाता		
1. अनुदान . . . . .	1,39,28,886.00	
ऋण : पूँजीकृत व्यय . . . . .	23,31,763.24	1,15,97,122.76
2. छात्रों से प्राप्त शुल्क . . . . .	63,60,976.49	
ऋण : पिछले वर्षों की वसूली . . . . .	43,561.00	63,17,415.49
3. अनुसूचित शुल्क लाभांश इत्यादि . . . . .	2,90,573.86	
ऋण : पिछले वर्षों की वसूली . . . . .	41,358.75	2,49,215.11
4. पुस्तकालय से प्राप्तियां . . . . .		67,319.36
5. विशेष प्राप्तियां . . . . .		6,000.00
6. विविध प्राप्तियां . . . . .	4,10,902.00	
ऋण : (i) उपचित व्याज की वसूली . . . . .	11,938.33	
(ii) कम्प्यूटर केन्द्र 1620/II		
माडल की उपचित प्राप्तियों की वसूली . . . . .	7,841.86	3,91,121.81
7. 1973-74 वर्ष की उपचित प्राप्तियां		
(i) छात्रों से प्राप्त शुल्क . . . . .	70,508.00	
(ii) कम्प्यूटर केन्द्र 1620/ . . . . .	33,488.94	
(iii) अनुसूचित शुल्क लाभांश इत्यादि . . . . .	61,861.81	1,65,858.75
योग . . . . .		1,87,94,053.28



विश्वविद्यालय

विवरण सं० 2

व्यय का हिसाब

व्यय	रु० पै०	रु० पै०
1	2	3
<b>I. अनुरक्षण अनुदान खाता</b>		
1. सामान्य प्रशासन		
(i) वेतन और भत्ते		30,78,840.23
(ii) अन्य प्रभार	51,75,258.01	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई	39,405.59	
धन : 1973-74 में उपचित राशि	21,639.49	51,57,491.91
2. कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		36,59,366.65
(ii) अन्य प्रभार	3,39,321.60	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई	14,437.03	
धन : 1973-74 में उपचित राशि	14,859.82	3,39,744.39
3. विज्ञान संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		28,85,735.49
(ii) अन्य प्रभार	4,88,269.08	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई	90,676.98	
धन : 1973-74 में उपचित राशि	78,602.08	4,76,194.18
4. विधि संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		5,41,646.25
(ii) अन्य प्रभार	24,133.22	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई	4,511.69	19,621.53
5. संगीत एवं ललित कला संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		3,01,362.82
6. गणित संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		2,42,043.01
(ii) अन्य प्रभार	11,310.75	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई	585.00	10,725.75
7. आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		61,066.17
(ii) अन्य प्रभार	62,024.47	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई	346.38	61,678.09
8. प्रबंध विज्ञान संकाय		
(i) वेतन और भत्ते		2,12,960.06
(ii) अन्य प्रभार	50,522.04	
धन : 1973-74 में उपचित राशि	49,233.00	99,755.04
9. दक्षिणी दिल्ली परिसर		
(i) वेतन और भत्ते		2,41,429.45
(ii) अन्य प्रभार		3,24,588.47

1

2

3

1	2	3
10. विश्वविद्यालय पुस्तकालय		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		5,53,430.62
(ii) अन्य प्रभार . . . . .	1,14,441.54	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई . . . . .	1,473.68	
धन : 1973-74 में उपचित राशि . . . . .	330.00	1,13,297.86
11. सार्वभौम विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केन्द्र		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		2,18,957.66
(ii) अन्य प्रभार . . . . .	2,89,453.11	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई . . . . .	487.20	
धन : 1973-74 में उपचित राशि . . . . .	1,553.38	2,90,519.29
12. गांधी भवन		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		10,425.22
(ii) अन्य प्रभार . . . . .	841.76	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई . . . . .	21.48	
धन : 1973-74 में उपचित राशि . . . . .	25.63	845.91
13. कुलानुशासक का कार्यालय		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		8,999.84
(ii) अन्य प्रभार . . . . .		447.39
14. हिंदी माध्यम मंडल		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		2,600.80
(ii) अन्य प्रभार . . . . .		159.03
15. खेल-कूद संघ		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		68,845.49
16. छात्र संघ		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		12,638.81
(ii) अन्य प्रभार . . . . .		8,032.17
17. छात्रवृत्तियां और प्रदर्शनी . . . . .		2,50,995.25
18. अनुदान		
(i) विश्वविद्यालय के लिए . . . . .	2,03,630.31	
(ii) शैक्षिक उद्देश्यों के लिए . . . . .	59,432.40	2,63,062.71
19. निर्माण, अनुरक्षण और मरम्मत		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		5,07,044.87
(ii) अन्य प्रभार . . . . .	13,81,031.98	
ऋण : पिछले वर्ष की उपचित राशि जो 1973-74 में चुकता कर दी गई . . . . .	48,720.00	
धन : 1973-74 में उपचित राशि . . . . .	37,755.35	13,70,067.33
20. विश्वविद्यालय प्रेस से कराई गई छपाई और जिल्दबंदी . . . . .		4,85,360.11
21. विविध . . . . .		8,16,072.20
22. स्वर्ण जयंती समारोह . . . . .		
(i) अन्य प्रभार . . . . .		39,463.81
23. संचित बचत (कला और सामाजिक विज्ञान संकाय) में से विशेष आबंटन . . . . .		18,200.00
24. बकाया की लेखागत अदायगी		
(i) वेतन और भत्ते . . . . .		1,53,684.00
योग I . . . . .		2,29,07,399.86

## II. योजना विकास खाता

(1) अनुदान	रु० पै०	रु० प०
(क) चतुर्थ योजना के कार्य	24,55,888.88	
(ख) चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य	26,24,606.98	
(ग) उच्च स्तरीय अध्ययन और अनुसंधान-केन्द्र	13,07,182.63	
(क) से (ग) तक का योग	63,87,678.49	
(घ) ऋण : पूँजीकृत मुद्द	19,04,105.51	44,83,572.98
(2) विभागीय प्राप्तियाँ		
(क) छात्रों से प्राप्त शुल्क		5,88,534.82
(3) विविध		90,328.04
योग II		51,62,435.84
योग I और II		2,39,56,489.12
III. व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय		42,31,885.67
		2,81,88,374.79

## योजना विकास खाता

		रु०	पै०
1. चतुर्थ योजना के कार्य			
(i) वेतन और भत्ते	. . . . .	17,88,546.	40
(ii) अन्य प्रभार	. . . . .	36,413.	14
2. चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य			
(i) वेतन और भत्ते	. . . . .	14,08,982.	3
(ii) अन्य प्रभार	. . . . .	5,24,249.	00
3. उच्च स्तरीय अध्ययन और अनुसंधान-केन्द्र			
(i) वेतन और भत्ते	. . . . .	12,16,181.	98
(ii) अन्य प्रभार	. . . . .	2,97,913.	15
4. विविध योजनाएँ			
(i) अन्य प्रभार	. . . . .	8,688.	95
योग II	. . . . .	52,80,974.	93
योग I और II	. . . . .	2,81,88,374.	79

## दिल्ली विश्वविद्यालय

प्राप्तियों और भुगतान का सार—1973-74

क्रम सं०	खाते का नाम	प्राप्तियां	भुगतान
		रु० पै०	रु० पै०
I. मुख्य खाता			
1.	अनुरक्षण अनुदान खाता	2,40,67,665. 42	2,72,46,829. 38
2.	योजना विकास खाता	97,22,253. 37	1,03,17,229. 77
3.	विविध खाता	1,51,29,717. 32	1,54,12,314. 20
	योग I	4,89,19,636. 11	5,29,76,373. 35
II. अन्य खाते			
1.	(i) भविष्य निधि खाता	48,83,809. 57	48,35,521. 75
	(ii) अंशदायी भविष्य निधि खाता	33,95,032. 31	35,01,324. 29
	(iii) सामान्य भविष्य निधि खाता	3,87,368. 53	2,50,240. 44
	(iv) अंशदायी भविष्य निधि का खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस की जानी है	2,11,556. 50	—
2.	मूल्यह्रास के लिए आरक्षित निधि का खाता	7,14,362. 02	10,16,630. 62
3.	प्रोफेसरी निधि खाता	594. 37	—
4.	प्रकाशन निधि खाता	22,870. 85	40,537. 30
5.	कुलपति की छात्र निधि का खाता	31,967. 04	32,375. 00
6.	गुजरात के डा० गोकल चंद से संबंधित ऋण छात्रवृत्ति निधि खाता	239. 32	1,825. 00
7.	सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता	4,605. 88	35,140. 00
8.	सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता	12,687. 99	38,730. 30
9.	सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता	54,511. 68	62,206. 75
10.	पं० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता	28,571. 27	35,093. 78
11.	अन्य धर्मस्व निधियों का खाता	99,091. 10	80,510. 17
12.	विज्ञान के अवधान-द्रव्य का खाता	23,836. 51	46,243. 95
13.	वाहन ऋण-निधि खाता	1,38,843. 30	1,54,775. 58
14.	पुस्तकालय जमा खाता	3,76,155. 68	3,49,455. 00
15.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् छात्रवृत्ति खाता	11,36,758. 22	11,42,682. 69
16.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग छात्रवृत्ति खाता	4,61,236. 11	2,48,331. 88
	योग II	1,19,84,098. 25	1,18,71,624. 50
	योग I और II	6,09,03,734. 36	6,48,47,997. 85

## दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1974 को रोकड़ बाकी

(रोकड़ बही के अनुसार)

क्रम सं०	खाते का नाम	रु०	पै०
<b>I. मुख्य खाता</b>			
1. (i) अनुरक्षण अनुदान खाता		4,65,651.	04
(ii) दक्षिणी दिल्ली परिसर		74,834.	84
2. योजना विकास खाता		10,466.	05
3. विविध खाता		2,88,335.	34
<b>योग I</b>		<b>8,39,287.</b>	<b>27</b>
<b>II. अन्य खाते</b>			
1. (i) भविष्य निधि खाता		1,73,889.	76
(ii) अंशदायी भविष्य निधि खाता		1,09,308.	50
(iii) सामान्य भविष्य निधि खाता		1,10,047.	31
(iv) अंशदायी भविष्य निधि का खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस की जाती है		5,37,758.	22
2. मूल्यह्रास के लिए आरक्षित निधि का खाता		5,127.	88
3. प्रोफ़ेसरी निधि खाता		651.	37
4. प्रकाशन निधि खाता		4,082.	78
5. कुलपति की छात्र-निधि का खाता		133.	12
6. गुजरात के डा० गोकल चंद से संबंधित ऋण छात्रवृत्ति निधि खाता		1,573.	00
7. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता		9,925.	70
8. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता		5,504.	69
9. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता		16,923.	77
10. पं० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता		4,991.	06
11. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता		1,39,058.	79
12. विज्ञान के अवधान द्रव्य का खाता		15,946.	29
13. बाहन ऋण निधि खाता		24,003.	61
14. पुस्तकालय जमा खाते		26,700.	68
15. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् छात्रवृत्ति खाता		1,78,977.	26
16. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग छात्रवृत्ति खाता		2,64,929.	21
<b>योग II</b>		<b>16,29,533.</b>	<b>00</b>
<b>योग I और II</b>		<b>24,68,820.</b>	<b>27</b>

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस  
31-3-1974 का तुलन-पत्र

31-3-1973 को	आस्तियां	31-3-1974 को
₹०		₹०
1,96,343	मशीनें, फर्नीचर और उपस्कर	96,838
2,00,434	अक्षर-योजन (कम्पोज करने की) सामग्री	82,829
8,56,301	उपचित प्राप्तियां	5,25,246
80,992	रहलिया माल	84,677
5,700	जो काम चल रहा है पर जिसका बिल नहीं भेजा गया	26,417
500	स्थायी अग्रिम	500
39,090	बैंक में नकदी	44,885
3,25,940	हानि	5,95,038
980	त्योहार अग्रिम	1,460
<u>17,06,280</u>		<u>14,57,890</u>
दायित्व		
	(i) प्रेस को खरीदने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान	
1,62,442	आयोग का विशेष अनुदान	1,62,442
2,25,979	(ii) एकमुश्त अनुदान में से दिया गया अनुदान	2,25,979
	विविध लेनदार	
99,150	(i) विविध खाता	99,150
7,68,613	(ii) सामान्य निधि खाता	7,68,613
	(iii) जो कार्य होना है उसके लिए प्राप्त अग्रिम	050
	(iv) अन्य विभागों से संबंधित प्राप्तियां	1,529
4,50,000	(v) विविध खाते से लिया गया ऋण	2,00,000
96	(vi) वेतन बिलों से कटौती (जमा खाता)	127
<u>17,06,280</u>		<u>14,57,890</u>

₹०  
प्रबंधक  
दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस,  
दिल्ली-7

77

₹०  
आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली-7

₹०  
वित्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली-7

₹०  
कोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय



## दिल्ली विश्वविद्यालय

## हिसाब-किताब से संबंधित टिप्पणियाँ

1. चूंकि कार्यकारी परिषद् ने यह निर्णय किया है कि 1973-74 से प्रेस की स्थायी आस्तियों का जो मूल्यह्रास हो उसे प्रेस के लाभ और हानि खाते में लगा लिया जाए, इसलिए 31-3-1973 के तुलन-पत्र में मशीनों, फर्नीचर और उपस्कर तथा अक्षर-योजन समग्री के अधीन जो हतिशेष दिखाए गए थे वे संशोधित कर लिए गए हैं ताकि वे 1-4-1973 को स्थायी आस्तियों का ह्रासित मूल्य व्यक्त कर सकें :—

(क) मशीनें, फर्नीचर और उपस्कर	रु० 98,543
(ख) अक्षर-योजन सामग्री	रु० 90,272

2. 31-3-1973 के तुलन-पत्र के अन्तर्गत स्थायी आस्तियों के शेष में जो अंतर दिखाया गया था और जिसे पिछले नोट 1 के अनुसार संशोधित करके 1-4-1973 को 2,07,962 रु० दिखाया गया है, उसे 31-3-1973 के तुलन-पत्र में दिखाई गई संचित हानि में जोड़ दिया गया है।

3. पिछले वर्षों के जो बिल 1973-74 में रद्द कर दिए गए या जिनका मूल्य घटा दिया गया है, उनके नाम पर 74,909 रुपए की राशि 31-3-1973 के तुलन-पत्र में दिखाई गई संचित हानि में जोड़ दी गई है, और साथ ही 31-3-1973 के तुलन-पत्र में दिखाई गई संचित प्राप्तियों के मूल्यों में से यह राशि घटा दी गई है।

4. 31-3-1973 के तुलन-पत्र में दिखाई गई 8,56,301 रुपए की संचित प्राप्तियों में 4,55,393 रु० की राशि 1973-74 वर्ष में वसूल गई थी। पिछले नोट के अनुसार उसमें से 74,909 रुपए की राशि घटा दी गई है। ऐसा बताया गया है कि शेष 3,25,999 रुपए की राशि में से 2,19,910 रुपए का हिसाब-किताब उपलब्ध नहीं है और प्रेस सलाहकार समिति इस पर विचार कर रही है। शेष 1,06,089 रु० की राशि वसूल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

		1973-74 वर्ष के लिए विश्वविद्यालय प्रेस का	
		रु० पै०	रु० पै०
1-4-1973 को आरंभिक साल			
1. कागज		74,679.83	
2. जिल्दबंदी का सामान		6,312.05	
जो काम चल रहा है		5,700.00	86,691.88
व्यय			
वेतन और भत्ते		3,70,699.51	
भविष्य तिथि में अंशदान		23,638.58	
कर्मचारी राज्य बीमे में अंशदान		14,148.90	4,08,486.99
माल			
कागज		84,106.75	
जिल्दबंदी		15,217.31	99,324.06
अन्य प्रभार			
आकस्मिक खर्च		17,285.22	
किराया, कर और उपकर		4,628.65	
डाक खर्च		80.95	21,994.82
मूल्य ह्रास			6,16,497.75
मशीनें, फर्नीचर और उपस्कर		7,168.00	
अक्षर-योजन सामग्री		10,833.00	18,001.00
लाभ			6,34,498.75
			13,773.12
			6,48,271.87

हू०

प्रबंधक,  
दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस

हू०

आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

लाभ हानि का हिसाब-किताब	रु०	पै०	विवरण सं० 6
छपाई और जिल्दबंदी का काम (जिसके बिल भेज दिए गए हैं)	5,24,590.95		रु० पै०
रही कागज की कतरनों की बिक्री	12,587.23		
कुल प्राप्तियां			5,37,178.18
जो काम चल रहा है पर जिस का बिल नहीं भेजा गया			26,417.20
रहतिया माल			
(i) कागज	75,103.70		
(ii) जिल्दबंदी	9,572.79		84,676.49
योग			6,48,271.87

ह०  
वित्त-अधिकारी,  
दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली-7

ह०  
कोषाध्यक्ष,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

विवरण सं० 7

दिल्ली विश्वविद्यालय  
प्राप्तियों और भुगतान का सार 1973-74

प्राप्तियां	रु०	पै०
1. प्रेस से प्राप्तियां . . . . .	7,93,373.	87
2. विविध प्राप्तियां . . . . .	1,528.	77
3. वेतन बिलों से कटौती . . . . .	31.	01
	<hr/>	
	7,94,933.	65
	<hr/>	
भुगतान		
1. खर्च . . . . .	4,08,486.	99
2. सामग्री . . . . .	99,324.	06
3. अन्य प्रभार . . . . .	21,994.	82
4. स्थायी आस्तियां . . . . .	8,852.	82
5. ऋणों की अदायगी . . . . .	2,50,000.	00
6. त्योहार अग्रिम . . . . .	480.	00
	<hr/>	
	7,89,138.	69
	<hr/>	

ह०  
उप-वित्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

ह०  
आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

ह०  
वित्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय,  
दिल्ली-7

ह०  
कोषाध्यक्ष,  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली-7

विवरण सं० 8

दिल्ली विश्वविद्यालय  
31-3-1974 का रोकड़ बाकी (रोकड़ नहीं के अनुसार)

विश्वविद्यालय प्रेस खाता

रु० पै०  
44,884.91

ह०  
उप-वित्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय,  
दिल्ली-7

ह०  
आंतरिक लेखापरीक्षा,  
अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

ह०  
वित्त अधिकारी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली-7

ह०  
कोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय,  
दिल्ली-7

दिल्ली विश्वविद्यालय की लेखापरीक्षा रिपोर्ट वर्ष 1973-74

#### 1. अविक्रीत प्रकाशन

विश्वविद्यालय ने शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी से हिन्दी में करने को सुविधाजनक बनाने हेतु मानक पुस्तकों के हिन्दी में अनुवाद और प्रकाशन के लिए 1963-64 में विश्वविद्यालय पुस्तक रचना निदेशालय की स्थापना की। 1963-64 से 1973-74 तक की अवधि के दौरान निदेशालय ने 15.50 लाख रु० व्यय किए। निदेशालय ने मार्च 1974 तक 58 पुस्तकों का अनुवाद किया, जिनमें से 17 पुस्तकें 2.41 लाख रु० की लागत पर प्रकाशित की गईं। मार्च 1974 तक 6.10 लाख रु० विक्रय मूल्य की प्रकाशित की गई 47,000 प्रतियों में से 4.20 लाख रु० विक्रय मूल्य की 31,550 प्रतियों की बिक्री नहीं हुई (अप्रैल, 1975)।

#### 2. मूल्य ह्रास आरक्षित निधि

विश्वविद्यालय ने 1958 में मूल्य ह्रास आरक्षित निधि की स्थापना की थी और इसका विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदानों से विनियोगों द्वारा वित्तपोषण किया जाता था। निधि में 31 मार्च, 1974 को संचित शेष 9.18 लाख रु० था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निधि के अनुमोदित नियमों में यह व्यवस्था की गई थी कि निधि को विशेष मरम्मतों, नवीकरणों, परिसम्पत्तियों के प्रतिस्थापन और कार्यकारी परिषद् द्वारा निर्धारित किसी भी अन्य विशेष प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। 1972-73 और 1973-74 के दौरान नवीकरण प्रतिस्थापन से भिन्न प्रकार के व्यय के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किए बिना विश्वविद्यालय ने इस निधि में से एक बंगले के स्थान पर एक नए प्रशासन-भवन के निर्माण पर 5.12 लाख रु० व्यय किए।

#### 3. पेशगियां

आकस्मिक और यात्रा व्यय के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विभागों को पेशगी के रूप में दिए गए 1.15 लाख रु० का 121 मामलों में समायोजन नहीं किया गया (अगस्त 1975) जैसा कि नीचे दिए गए वर्षवार ब्यौरों से प्रकट होता है :—

वर्ष	मामलों की संख्या	राशि
	(लाख रु० में)	
1965-71	50	0.23
1971-72	12	0.07
1972-73	17	0.16
1973-74	42	0.69
	121	1.15

#### 4. बैंक-समाधान

(I) सामान्य निधि, योजना विकास और विविध लेखाओं के संबंध में बैंक में जमा की गई 6.87 लाख रु० की राशि बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं की गई थी। इनमें मार्च 1970 तक जमा किए गए 0.21 लाख रु० सम्मिलित थे। शेष 6.66 लाख रु० 1970-71 से 1973-74 की अवधि से संबंधित थे।

(II) सामान्य निधि, योजना विकास और विविध लेखाओं में बैंक द्वारा क्रमशः 2.17 लाख रु० और 9.98 लाख रु० के गलत डेबिट और क्रेडिट लिए गए थे। 9.98 लाख रु० के गलत क्रेडिटों में से 0.11 लाख रु० मार्च 1970 तक की अवधि से संबंधित थे और शेष 9.87 लाख रु० 1970-71 से 1973-74 की अवधि से संबंधित थे।

2.17 लाख रु० के गलत डेबिट 1970-71 से 1973-74 तक की अवधि से संबंधित थे।

विश्वविद्यालय ने बताया (अप्रैल 1975) कि “इसको बैंक समाधान-कार्य तुरन्त और नियमित रूप से करने में बहुत कठिनाई होती थी क्योंकि स्टेट बैंक आफ इंडिया बैंक विवरण तुरन्त नहीं भेज रहा था।” विश्वविद्यालय ने यह भी बताया कि “बैंक विवरणों के संबंध में विलम्ब होने के विषय में स्टेट बैंक आफ इंडिया के स्थानीय मुख्य कार्यालय के सचिव और खजांची को दिसम्बर 1974 में सूचित भी कर दिया गया था।”

#### लेखापरीक्षा प्रमाण-पत्र

मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वोक्त लेखाओं और तुलन-पत्र की जांच कर ली है। मैंने सम्पूर्ण अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं और संलग्न लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित टिप्पणियों के अध्यधीन, अपनी लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप, मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और मेरी अधिकतम जानकारी के अनुसार मुझे दिए गए स्पष्टीकरण और दिल्ली विश्वविद्यालय का बहियों में किए गए उल्लेख के अनुसार ये लेख और तुलन-पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं और विश्वविद्यालय के कार्य-कलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

हरबंस लाल,  
अपर महालेखाकार

#### फिल्म प्रभाग

##### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-26, दिनांक 15 जून 1976

सं० ए-12026/3/75-सिबबन्दी-1-श्री के० राज-गोपालन, लेखाधिकारी फिल्म प्रभाग बम्बई, दिनांक 7-6-1976 के अपराह्न से रिपेट्रीयशन के कारण श्री ह्वी० आर० पेसवानी, स्थानापन्न अधीक्षक को उसी दिनांक से फिल्म प्रभाग बम्बई में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

एम० के० जैन,  
प्रशासकीय अधिकारी  
हुते प्रमुख निर्माता

#### विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जून 1976

सं० ए० 31014/3/75-स्थापना-विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को 1 जून, 1976 से इस निदेशालय में वरिष्ठकलाकार के ग्रेड में स्थायी नियुक्त करते हैं:-

1. श्री पुखराज बहादुर
2. श्री जे० के० पाठक

3. श्री डी० टी० जगताप
4. श्री सी० के० परमेश्वरन
5. श्री बी० के० पाल चौधरी
6. गोपाल कृष्ण गुगलानी
7. श्री एन० के० पी० मधु कोया

अमरनाथ छिन्वर,  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1976

सं० ए०-22012/22/76-सी० एच० एस०-1—अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों ने अपने नाम के आगे अंकित तारीख से विलिंगडन/सफदरजंग अस्पताल में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया/ग्रहण कर लिया :—

नाम तथा पद का वर्ग	पद का कार्यभार छोड़ दिया	पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया
1. डा० (कुमारी) प्रभा मोहन, (जी० डी०ओ० ग्रेड 2) (तदर्थ)	21 अप्रैल, 1976 के अपराह्न को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी।	22 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न को विलिंगडन अस्पताल तथा नर्सिंग होम, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी।
2. डा० एम० के० डे० (के०स्वा०से० जी०डी०ओ० ग्रेड 2) का	22 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न को विलिंगडन अस्पताल तथा नर्सिंग होम, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी।	22 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी।

रवीन्द्रनाथ सिन्हा,  
प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1976

सं० ए०-12022/3/76-(एच०यू०)-एडमिन०-I—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक महानिदेशक (भंडार) श्री पी०सी० कपूर को 22 मई, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक उसी निदेशालय में उप महानिदेशक (भंडार) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. उप महानिदेशक (भंडार) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री पी० सी० कपूर ने 22 मई 1976 के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक महानिदेशक (भंडार) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-12024-2/76(एस० जे० एच०)-एडमिन०-I—राष्ट्रपति डा० इन्द्रजीत सिंह को 31-3-76 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार

पर तथा आगामी आदेशों तक मेक्सीलोफे-शियल डेंटिस्ट (प्रास्थो-डेंटिस्ट) के पद पर सफदरजंग अस्पताल, नयी दिल्ली में नियुक्त करते हैं।

सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में मेक्सीलोफे-शियल डेंटिस्ट (प्रास्थोडेंटिस्ट), के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप डा० इन्द्रजीत सिंह ने उसी अस्पताल में 31-3-1976 पूर्वाह्न से डेंटल सर्जन के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 19 जून 1976

सं० 6-4(एम०के०बी०)सीव/एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा ने महानिदेशक श्री मती कृष्णा बसरा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से 3 जुलाई, 1976 तक श्री एम० के० भट्ट के स्थान पर जो कि छुट्टी पर हैं, पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड 1 के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 13-3/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० इन्द्रजीत सिंह को 14 मितम्बर, 1973 से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दंत चिकित्सक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जून 1976

सं० 6-32/75-डी०सी०—अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर डा० डी० घोष ने 3 जनवरी, 1976 के अपराह्न को केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला कलकत्ता के निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरज प्रकाश जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 18 जून 1976

सं० 5/1/76/स्थापना 11/1339—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक सहायक श्री अनंत काशीनाथ कात्रे को 4-3-1976 (पूर्वाह्न) से 30-4-1976 (अपराह्न) तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णमूर्ति,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 10 जून 1976

संदर्भ भापापए/स्था०/1/एस०-25/3576—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य-अधिकारी, भारी पानी परियोजना (कोटा) के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री शिवपुत्र रेवणा शिदल्याली को उसी परियोजना में जनवरी 16, 1976 से आगे आदेश होने तक के लिए सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह इस कार्यालय की अधिसूचना सं० भापापए/स्था०/1/एस०-25/1014, दिनांक फरवरी, 17, 1976 का अधिक्रमण करती है।

दिनांक 14 जून 1976

संदर्भ भाषापत्र/स्था/टी-1/3655—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी, उच्च श्रेणी लिपिक, श्री विजय गजानन तम्हाणे जो भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखाकार हैं को, श्री सी० आर० बालिया, सहायक लेखा अधिकारी जो तारापुर परमाणु बिजली घर को वापिस चले गये हैं, के स्थान पर अप्रैल, 23, 1976 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1976

संदर्भ 0552/76/355/3804—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री बलदेव हीरभाई पटेल, अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में फरवरी 1, 1976 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी वैज्ञानिक-अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड-एस०बी०) स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न रूप से कार्यरत अवधि में श्री पटेल को रु० 650-30-740-35-810 व०रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 680/- रु० (छः सौ अस्सी रुपये मात्र) प्रति महा मूल वेतन तथा वे सभी भत्ते जो उसी स्तर के केन्द्रीय कर्मचारियों को बड़ौदा में स्वीकार्य हैं दिये जायेंगे।

टी० सी० सत्यकीर्ति,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलकत्ता-603102, दिनांक 9 जून 1976

सं० 18(63)/76-भर्ती—विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, अस्थायी पर्यवेक्षक श्री सदानन्द भंडारी को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक उसी परियोजना में अस्थायी रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन,  
प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 जून 1976

सं० डी० पी० एस०/ए०/11013/65/75/स्थापना/7650—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक इस निदेशालय की दिनांक 17 मार्च, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, स्थायी एस० आर० ए० एस० तथा भारतीय लेखा परीक्षा विभाग की वरिष्ठ लेखा परीक्षक श्रीमती वी० शकुन्तला को, जो इस निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय यूनिट में अस्थायी रूप सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, उसी निदेशालय में 20 जुलाई, 1976

के अपराह्न तक अथवा किसी व्यक्ति की नियुक्ति नियमित रूप होने तक, दोनों में जो भी पहले घटित हो, अस्थायी रूप में लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 जून 1976

सं० ई० (I) 04227—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० दत्ता, को 21-5-1976 के पूर्वाह्न 17-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० दत्ता, स्थानापन्न, सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05132—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० बनर्जी को 21-5-76 से 17-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बनर्जी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन;  
मौसम विज्ञ  
कूले वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1976

सं० ए०-32013/16/75-ई० (एच)—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री एच० बी० सिंह, उपनिदेशक विमान सुरक्षा को 17 मई, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक निदेशक विमान निरीक्षण, कानपुर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1976

सं० ए०-32013/5/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० एच० खान, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, गया, को 21 मई, 1976 तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें कार्यालय क्षेत्रीय निदेशक कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता-52 में तैनात किया है।

सं० ए-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नामों के सामने दिखाई तारीखों से, तथा अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम संख्या	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री बी० एस० राजगोपालन	1-5-76 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
2.	श्री बी० कृष्णमूर्ति	1-5-76 (अपराह्न)	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद
3.	श्री पी० सी० कपूर	22-5-76 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली एयरपोर्ट, नई दिल्ली
4.	श्री आर० श्रीनिवासन	27-5-76 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता

विश्व विनोद जौहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना  
पटना, दिनांक 8 जून 1976

मि० सं० 11(7)5-स्था०/75/5455-दिनांक 16-6-76, निम्नलिखित अधीक्षक श्रेणी (ब) केन्द्रीय उत्पाद-एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना में राजपत्रित पद पर पदस्थापित थे, उनके नाम के सामने दिए गए दिनांक तथा समय के अनुसार अपने निवर्तन की आयु पूरी करके सेवा निवृत्त हुए।

क्रम सं०	नाम	निवर्तन की तिथि
1.	श्री बी० ठाकुर	30-4-76 (अपराह्न)
2.	श्री ब्रज नन्दन प्रसाद	30-4-76 (अपराह्न)

हरिनारायण साहू,  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

विविध त्याग और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 बैंकटेश्वरा टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1976

सं० 1254 टी (560)(2)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख तीन माह के अवसान पर बैंकटेश्वरा टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओ० पी० जैन,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रत्ती फानेन्स प्राइवेट लिमिटेड, के विषय में

दिल्ली, दिनांक 17-6-1976

सं० 3669—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रत्ती फानेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अनमोल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 19-6-76

सं० 2419 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अनमोल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० एम० एस० जैन,  
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज  
दिल्ली व हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और असम सपलाई प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 18-6-1976

अधिसूचना सं० 683/560/1437—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर असम सपलाई प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० पी० वशिष्ठ,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा नागालैण्ड  
अरुणाचल प्रदेश, व मिजोरम शिलांग



मद्रास, दिनांक 18 जून 1976

सं० 3139/Liqn/S 247(4)/76—यतः दी युटिलिटीज (इंडिया) लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) 114/F 6 नाडार बिल्डिंग त्रिची रोड, कोयम्बतूर (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय झुमरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह क्रमवक्ता मास के लिए नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1913 (1913 का) की धारा 247 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दी युटिलिटीज (इंडिया) लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सं० 5141 / Liqn/S 560 (4) / 76—यतः टवर लैनस प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) नं० 299 एन० एस० सी० बोस रोड मद्रास-1 (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय झुमरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है।

और अतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं रहा है

और यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह छः क्रमवक्ता मास के लिए नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर टवर लैनस प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० अन्नपूर्ण,  
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार, मद्रास

संगठन व प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 27-3-1976

फ़ा० सं 9/302/76-डी० ओ०एम०एच०/1770—श्री आर० डी० सक्सेना, अनुसंधान निदेशक एकाधिकार व प्रतिबन्धक व्यापार पद्धति आयोग ने नई दिल्ली, प्रतिनियुक्ति से स्थानान्तरण होने पर संगठन एवं प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली में, 27 मार्च, 1976 को उपनिदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल,  
निदेशक, संगठन एवं प्रबन्धक सेवा  
निदेशालय (आयकर)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बडिसोभनायलम पि: सीताम्बरम, विजयवाडा ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 30 जून 1976

2. (1) श्री केत्ते रामचंद्रय्या  
(2) केत्ते वेंकटरय्या  
(3) केत्ते कृष्णय्या  
(4) केत्ते सीतारामय्या  
(5) केत्ते मोथवराव दिगवल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ ।

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 341—यतः, मुझे  
बि० बि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए० नं० 32/1 से 32/5 है, जो  
दिगवल्लीग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नूजवीड  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15 अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

नूजिवीड रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15 अक्टूबर,  
1975 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2049/75 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति ।

बि० बि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज एम० बि० काकिनाडा

तारीख : 30 जून 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1399-7/अक्तूबर 75---अतः मुझे  
व्ही० आर० अमीनसहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं०----- है, जो प्लॉट नं० 81 आग्रीपाडा  
एस्टेट के पश्चिम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 13 अक्तूबर 1975को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री असगर अली बी० बेकर
2. गुलाम के नून
3. अब्दुला ए० बेकर
4. मोहम्मद हुसैन (अन्तरक)
2. श्री नन बेकर की आ० हा० सो० लि० (अन्तरिती)

3. 1. श्री सावक कुपर

2. श्री सुन्दरम शेटी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में संपत्ति है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला में मोतलीबाई  
स्ट्रीट में स्थित एवं अवस्थित खाली लीज-होल्ड की जमीन अथवा  
मैदान का वह तमाम भाग और उस पर बनी गृहवाटिकाएं (मेसुएज),  
टेनामेंट्स, और निवास घर सहित जो कि वेस्ट आग्रीपाडा  
एस्टेट की प्लॉट सं० 81 है और जो कि पहले बम्बई नगर के विकास  
के लिए ट्रस्टीयों का था और अब बृहत्तर बम्बई की म्युनिसिपल  
कारपोरेशन की है और जो पेमाइश में 1046 वर्गगज अर्थात् 874.56  
वर्ग मीटर के बराबर या उसके लगभग है और जो कि भूराजस्व  
के कलक्टर की पुस्तकों में नयी सर्वेक्षण संख्या 3527 (पाठ) के  
अधीन पंजीकृत है, भांगखट्टा डिवीजन की कंडास्ट्रल सर्वेक्षण  
संख्या 4/1634 है, तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर और  
कर के अस्सेसर और कलक्टर में ई० बार्ड सं० 4146(2),  
ग्रोल्ल स्ट्रीट सं० 81 और प्रेसंट स्ट्रीट सं० 28 के अंतर्गत किया है,  
उक्त प्रिमिसेस "धुरा झिला" के नाम से जाना जाता था, और  
जो इस प्रकार से घिरी हुई है कि उत्तर-पूर्व में अथवा उत्तर-पूर्व  
की ओर उक्त एस्टेट का प्लॉट सं० 83 है, उत्तर-पूर्व में अथवा  
उत्तर-पूर्व की ओर मोतलीबाई स्ट्रीट है, दक्षिण-पश्चिम में अथवा  
दक्षिण-पश्चिम की ओर उक्त एस्टेट की प्लॉट सं० 79 है, उत्तर-  
पश्चिम में अथवा उत्तर-पश्चिम की ओर बोर्ड की वह जमीन  
जिसे सविहस पंसेज के रूप में दिखाया गया है/और उस जमीन  
का भाग है, जिसका न्यु सर्वेक्षण सं० 3527 है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 14 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई०-1/1387-6/अक्तूबर 75—अतः

मुझे व्ही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1228 मांडवी डिक्लीजन है, जो तवालेन में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) तुलसीदरस कोलाचंद,  
(2) रामदास कीलाचंद  
(3) अम्बालाल कीलाचंद  
(4) चीनुभाई कीलाचंद (अन्तरक)

2. श्री छोटालाल जमनादास शहा

गुणवंतराम जमनादास शहा

(अन्तरिती)

3.

अनुबन्ध

- (1) हिन्दुस्तान सप्लाय अंड कम्पनी
- (2) मनुभाई गोकलदास
- (3) दिवाचंद निकीमल
- (4) तायेब अली इब्राहीमजी
- (5) जव्हेरी ब्रदर्स
- (6) निकुंज एन्टरप्राइज
- (7) अब्बाभाई मोहम्मद हुसैन
- (8) सप्स ट्रेडिंग कम्पनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई द्वीप में, बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में कोपर स्मीथ रो या लेन में स्थित एवं अवस्थित प्रेच्युअल फंजनदारी टेनोर जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड और उस पर बनी मैसयुजेस, टेनामेंट या व्हेलिंग हाऊस सहित जो माप में 300 वर्ग गज या उसके बराबर है अर्थात् 256.35 वर्ग मीटर या उसके करीब है और जो कि भुराजस्व के कलेक्टर की किताबों में नई संख्या 2700 न्यू० सर्वे० संख्या 11342 के अधीन रजिस्टर्ड है और जिसका मांडवी डिक्लीजन का कॅडेंस्टर सर्वे संख्या 1228 है और जो म्युनिसीपल दर और कर के असेसर और कलेक्टर की किताबों में नई संख्या बी० वाड संख्या 931, 932 और स्ट्रीट संख्या ए० 4-8 और 8ए के अधीन रजिस्टर्ड और जिस की सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर हाजी हुसन डाडा की प्रापटी है, पश्चिम की ओर अंशतः किन्हीं जावेरी की प्रापटी है, और अंशतः सोनी जेठालाल की प्रापटी है और अंशतः उमरी गढ़ की प्रापटी है। उत्तर में अथवा उत्तर की ओर एक गल्ली है, और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर तवा लेन है।

व्ही० आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 1 जुलाई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 11400-3/अक्तूबर, 1975—अतः  
मुझे व्ही० आर० अमीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० सी०एस० नं० 304 है, जो बालकेश्वर रोड के उत्तर  
बाजू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
13 अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्णा पी० दिवेकर, श्रीमती शैलजा के० दिवेकर।

(अन्तरक)

2. श्री रमनिकलाल सी० कोठारी, कान्तिनलाल सी० कोठारी,  
चंपकलाल एच० कोठारी।

(अन्तरिती)

5-156 GI/76

3. (1) श्री जमनाधर देवीदास
- (2) श्री कान्तिनलाल लक्ष्मी ठक्कर
- (3) श्री केशव नारायण गांधी
- (4) श्री सखाराम रामजी
- (5) श्री बचराज एण्ड कम्पनी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

बम्बई नगर और द्वीप में रजिस्ट्रेशन उपजिले में बालकेश्वर  
रोड की उत्तरी दिशा में चौपाटी पर स्थित एवं अवस्थित लीज  
होल्ड अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाइश  
में 1228 मीटर (1469 वर्ग गज) या उसके बराबर है। उपरोक्त  
भूभाग पर बनी मैसयूजेज, टेनामेंटस या व्हेलींग हाऊस सहित है।  
भूराजस्व के पुस्तकों में पुरानी संख्या 12 नई सर्वे संख्या 7297  
के अधीन रजिस्टर्ड है और म्युनिसिपल दर और कर के असेसर  
और कलेक्टर के कंटेस्टुल सर्वे संख्या 304 की डी० वार्ड संख्या  
2479 पहेली स्ट्रीट संख्या 407 और नई स्ट्रीट संख्या 34 के  
अधीन रजिस्टर्ड है, और इस प्रकार से घिरी हुई है कि उत्तर  
पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में डेडी सेठ चॅरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टियों की  
प्रापर्टी है और उत्तर-पूर्व में अथवा उत्तर-पूर्व की ओर प्लाट संख्या  
2 है। जिसे बोमनजी सस्तमजी कांट्रक्टर और रतनजी सस्तमजी  
कांट्रक्टर को लीस्ट पर देने के लिए सहमती हो गयी है और दक्षिण-  
पश्चिम में अथवा दक्षिण-पश्चिम की ओर बालकेश्वर रोड है  
जमीन प्लाट, प्लाट डेडी सेठ चॅरिटी इस्टेट लैंड की प्लाट संख्या 1 के  
नाम जाता है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 30 जून, 1976

मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जयंत द्वारकादास संघवी (अन्तरक)  
2. श्रीमती सरस्वती नारायण मेनन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० अ० ई० 2/2055/3976/76-75—अतः मुझे  
एम० जे० माथन  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5/2 सब प्लॉट सं० बी०-1 (अंश) —  
—है, जो विलेपाले (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 4 अक्टूबर, 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर बांद्रा के रजिस्ट्रेशन जिला  
और उपजिला में अंधेरी तालुका विलेपाले ग्राम में स्थित एवं  
अवस्थित खाली जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा  
खंड जोकि पेमाइश में 1127.5 वर्गगज अर्थात् 937 वर्गमीटर  
या उसके समकक्ष है, जिसका प्लॉट सं० बी०-1 पार्ट या प्लॉट सं०  
5/2 जुहू विलेपाले डेव्हलपमेंट स्कीम है और जो इस प्रकार से  
धिरा हुआ है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लॉट सं० बी०-2 है और  
पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर 60 फुट चौड़ी सड़क है उत्तर  
में अथवा उत्तर की ओर प्लॉट सं० एस०-1 है और दक्षिण में  
अथवा दक्षिण की ओर 100 फुट चौड़ी सड़क है और जुहू ग्राम  
और/या जुहू ग्राम का सर्वेक्षण सं० 70 का भाग है और/या विलेपाले  
287 है, सी० टी० एस० सं० नहीं, प्राप्त नहीं हुई।

एम० जे० माथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15 मई 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई०-2/2065/4051/75-76—अतः मुझे एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० टी० एस० एफ०/748, प्लॉट नं० 267 टी० पी० एस० 111 है, जो बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) एडवर्ड पीटर डि'ब्रेन्त्रो  
(2) रूफस स्टेनिस्लास डि'ब्रेन्त्रो  
(3) राफ़ इग्नाशियस डि'ब्रेन्त्रो (अन्तरक)  
2. मोहम्मद उस्मान मन्सूरी (अन्तरिती)  
3. (1) मैसर्स उस्मान कासम एण्ड कं., (2) मि० पी० मथु नादर, (3) मि० जी० मुन्शीलाल, (4) मैसर्स के० एण० मल्होत्रा अदर्स, (5) डा० एन० के० मालपानी, (6) मि० सी० जे० शाह, (7) मि० आर० एल० डाक्टर, (8) मिसेस सुलताना एम० अे० मर्चेंट, (9) मिसेस नफीसा बी० मेहबूब अली, (10) मि० जे० ए० नगाचर, (11) मि० पी० एम० लालानी, (12) मिसेस डोली एस० इराणी, (13) मैसर्स उस्मान कासम एण्ड कं., (14) मिसेस अमीनाबाई उस्मान ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लिकिंग रोड, बान्द्रा में स्थित जमीन का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में 700 वर्गगज है, उस पर बनी इमारत और अन्य स्ट्रक्चर सहित, जो कि टाउन प्लानिंग स्कीम-3, बान्द्रा, विल्हेज दांडा जो कि पहले बम्बई उपनगर जिला में था किन्तु अब बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन उपजिले में है उसकी सी० टी० एस० सं० एफ०/748 है तथा प्लॉट सं० 267 है और इसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं :—पश्चिम : लिकिंग रोड, बान्द्रा, पूर्व : प्लॉट सं० 258, उत्तर : प्लॉट सं० 268 और दक्षिण : 266, टाउन प्लानिंग स्कीम-3 है और उसका निर्धारण बम्बई म्युनिसिपल कापोरेशन के द्वारा टाउन प्लानिंग स्कीम-3, बांद्रा को एच० बार्ड सं० 5359 के अन्तर्गत किया गया है ।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अ० ई० 2/2063/4054/75-76—अतः

मुझे एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० न० 218, हि० न० 6 सी० टी० एस० 663 शीट न० 16 है, जो विलेपाले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 अक्तूबर, 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ताराबाई तुलसीदास (अन्तरक)
2. श्रीमती अंधेरी नव बहार को आ० हा० सो० लि०, (अन्तरिती)
3. अनधिकृत अधिभोगी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री विजय एम० उदेशी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जोकि विले-पाले, अंधेरी तालुका में स्थित एवं अवस्थित है तथा जो पहले रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा जिला बम्बई उपनगर में था और अब बम्बई नगर उपनगर में है जिसका सर्वेक्षण सं० 218, हिस्सा सं० 6 तथा जो पेमाइस में 484 वर्गमीटर या वर्गगज 404-685 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है और जिसका निर्धारण 0.57 किया गया है और जिसका सी० टी० एस० सं० 663, शीट सं० 16 है।

एम० जे० माथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15 मई 1976  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 3/878/अक्टूबर, 75—अतः मुझे, आर० जी० नेहरूकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० 350 हिस्सा नं० 4 है, जो मालाड (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुनीलाल मेहरा (2) श्री कृष्ण प्रसाद मेहरा, (3) श्री दयाकृष्ण मेहरा, (4) श्री मनोहर लाल, (5) श्री नरोत्तम दास, (6) श्री गोतम बुध, 336 ए, कालबादेवी रोड, बम्बई-2 (अन्तरक)

2. श्री जयमंगला बी० जोशी अ०-6, उत्कर्ष सिक्कानगर बम्बई-4 (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स रबर हाउस, (2) एस० एन० पै०, (3) बी० यु० भोरकर, (4) लालसिंग, (5) जेधालाल गिरजा-शंकर और कुछ टिन शेड और बैक स्ट्रेक्चर के अनवाथराइज्ड आक्युपण्ट्स। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बांद्रा में विवेकानन्द मार्ग, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64, में स्थित एवं अवस्थित कृषि अधोग्य जमीन या मैदान और उस पर बने टेनन्टेड हाउसेस सहित वह तमाम भाग अथवा खंड जिसका मालाड का सर्वेक्षण सं० 350, हिस्सा सं० 4 है, वह मूलतः हाउस सं० 46 के सहित है और बादका बंगला सं० 81 है, संख्याएं 180-181 है, और इस समय उसका म्युनिसिपल निर्धारण पी० वार्ड सं० 5469 है और हाउस सं० 66 है और म्युनिसिपल पी० वार्ड सं० 5664 है और हाउस सं० 66/1 है, म्युनिसिपल पी० वार्ड सं० 5465 और 61 एस० सं० 66/2 है और पेमा-इश में लगभग 900 वर्ग मीटर है, तथा उसका सी० टी० एस० सं० 639 और 639/1 से 7 मालाड है।

आर० जी० नेहरूकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14 मई 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 3/879/अक्टूबर, 1975—अतः मुझे, श्री आर० जी० नेहरुकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० सं० 180 और 254 है, जो एक्सरबोरीवली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 अक्टूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जयवंत पांडुरंग बेलकर, नं० 1, बंड गार्डन रोड, पूना-1.
2. श्री अनंत पी० बेलकर, 46, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26.
3. श्रीमती सरला श्रीपाद झाववा, 2, राममंदिर रोड, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई-57.
4. श्रीमती सुशीला एम० बेलकर, 46, एफ० भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26.
5. श्री श्रीपाद एम० बेलकर, 46, एफ० भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26.
6. श्रीमती प्रमिला शरद धरंधर, लिकिंग रोड, खार, बम्बई.
7. श्रीमती शैला कानु धुरंधर, "शांश्रीला" कारभायकल रोड आफ पेडर रोड, बम्बई-26.

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनोरमा जे० जानी 'नील कमल' दौलत नगर बोरीवली बम्बई-92 (अन्तरिती)

3. 1. एच० आर० शाह
2. डी० उदयराम
3. एन० आर० शाह
4. ए० एल० सालोट
5. पी० एल० बोरा
6. एच० एन० धामी
7. आर० ए० बोशी
8. वि० किशी
9. एस० एल० कोटक
10. एस० देवजी भाई
11. एन० एस० मानेक
12. एस० जी० शाह
13. एस० के० शाह
14. एस० एस० शाह
15. ए० सी० मेहता
16. बी० ज़ही० शाह
17. टी० आर० कुलकर्णी
18. बी० एस० देशपांडे
19. पी० पी० शाह

20. वाई० सी० बोश
21. सी० जी० शाह
22. बी० एम० जाधव
23. आर० एच० डुली
24. एस० रतनलाल
25. बी० टी० आहीरवाल
26. एस० एम० पिटले
27. एस० एस० पाठक
28. एम० एस० गणपति
29. एस० जी० शाह
30. एम० आर० शाह
31. जे० बी० बांदेकर
32. त्रिकमदास एस० सामानी
33. आर० के० बोशी
34. एस० बी० चंद
35. एम० एम० बोरकर
36. एच० डी० वखे
37. बी० व्ही गांधी
- 37-ए० एस० वाय० शेटी
- 37-बी० एस० व्ही० हंगल
- 37-सी० दारजी एन० लल्लुभाई
38. त्रिकमदास नारायण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती मनोरमा जे० जानी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई उपनगर के जिला बांद्रा के उपजिला में बोरीवली में एकसर में स्वामी विवेकानन्द मार्ग के पश्चिम की ओर जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाइश में 4325 वर्गगज अर्थात् 3633 वर्ग मीटर या उसके बराबर है (सेट बैक से पूर्व) उसकी बोरीवली एकसर की सर्वेक्षण संख्याएं 180 और 254 है और वह केंद्र के सर्वेक्षण संख्या 254 के विजेता के ओल्ड बंगला के साथ है, उसका म्युनिसिपल 'आर०' वार्ड संख्या 6566 (4), स्वामी विवेकानन्द मार्ग है, (लेकिन कथित स्टंटुटरी टेनंट बोरीवली बिल्डिंग मटेरियल सप्लाय कंपनी से संबंधित सभी कथित रीमेनिंग स्ट्रक्चर को शामिल न करते हुए) उसका संसगी (प्रिव-इ) और उसकी सीमाएं इस प्रकार से आबद्ध है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर कथित स्वामी विवेकानन्द मार्ग है और पश्चिम और उत्तर में और पश्चिम और उत्तर की ओर पश्चिम रेलवे है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्रापटी है जिसे लक्ष्मी नारायण कुटी के नाम से जाने जाते हैं।

आर० जी० नेरूरकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 14 मई 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1976

निर्देश सं० अर्जन इलाका IV/ओ० पी०-223/76-77—

अतः, मुझे, जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे सं० नं० 300 प्लॉट नं० 13 और 14 और ओ-रीजीनल सर्वे सं० 1929, डीस्ट्राईबड अधीन सर्वे सं० 300, एच० सं० 2 और 2 (पार्ट) है, जो गांव कोलेकल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31 अक्तूबर, 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीवनलाल सी० बारोट 47 ज्योति सदन, सीतलादेवी मंदिर मार्ग, माहिम, बम्बई-400016. (अन्तरक)

(2) मैसर्स स्टार बील्डर्स, भागीदारी फर्म जिसमें निम्नलिखित शामिल है:—

(1) श्री रसीकलाल आर० पटेल (2) श्री प्रवीनचंद्र एच० पटेल और (3) वीठलभाई एच० पटेल,

जो भागीदार के रूप में, इसका रजिस्टर्ड रहेमान बिल्डिंग, वीर नारिमान रोड, फोर्ट, बम्बई-400001 में स्थित है। (अन्तरिती)

(3) (1) श्री धीरजचन्द्र ऐल० ब्रह्मभट्ट और

(2) श्रीमती उमादेवी भावानी शंकर बाबुलकर दाण्हा माफत श्री जीवन लाल सी० बारोट 47 ज्योति सदन, सीतलादेवी मंदिर रोड, माहिम, बम्बई-400016.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजि० जिसे और उपजिले में भोजे कोले कल्याण में स्थित एवं अवस्थित जमीन और मैदान का वह तमाम भाग अखंड जो कि पैमाइश में 1420.91 वर्ग गज और अर्थात् 25.59 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, लेकिन जो रजिस्टर के रिकार्ड के मुताबिक 24 1/2 गुंठास है, और बम्बई के कलक्टर में रिकार्ड में ओरीजीनल सर्वे सं० 300, प्लॉट सं० 14 क्षेत्रफल 38 1/2 गुंठास वर्णित किया गया है और सर्वेक्षण सं० 300 प्लॉट सं० 13 क्षेत्रफल 1/2 गुंठा है, और अब रिविजन सर्वे सं० 193 के मुताबिक सर्वे सं० 300 और हिस्सा नं० 2 क्षेत्रफल 35 गुंठास और खेरावल 6 1/2 गुंठास के अधीन वर्णित किया गया है, और जमीन का कथित भाग सर्वे सं० 300 एच० सं० 2 (पार्ट) क्षेत्रफल 24 1/2 गुंठास है के अधीन वर्णित किया गया है और इस प्रकार घिरा हुआ है कि एच० सं० 311 एच सं० 22। पश्चिम में एच० सं० 3/2, एच० सं० 3 और सर्वे सं० 311 और एच० सं० 31 और जमीन के दक्षिण की ओर एच० सं० 300, एच० सं० 2 (पार्ट) है। यह प्रापटी महाराष्ट्र हाऊसिंग बोर्ड की है, तथा उत्तर में एच० सं० 311 एच० सं० 10 और 9 तथा हिस्सा सं० 1 (पार्ट) और एच० सं० 3 है और जिसमें 1021 वर्ग मीटर उस जमीन का भाग है, जिसका सर्वेक्षण सं० 14851 (पार्ट) है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1976

निर्देश सं० अर्जन इलाका IV/ए० पी०/224/76-77—

यतः, मुझे, जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं० 14 (अंश) म० न० 85 सी० एस० टी०-100 है, जो विलेज व्हर्सोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अक्टूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. I. श्री हेनरी एम्ब्रीस्ट व्हिन्सेट फर्नाण्डिस "गोल्ड कारनेट" पहला भाग एन० गमाडिया रोड, बम्बई-400026.

II. (1) श्री रसीक लाल व्होरा, (2) श्री शीवलाल व्होरा एच० यू० एफ० का कर्ता के रूप में।

(3) श्री हरमुखराय व्होरा एच० यू० एफ० का कर्ता के रूप में।

(4) श्री चन्द्रकान्त व्होरा एच० यू० एफ० का कर्ता के रूप में।

(5) श्रीमती कमलिनी देवेन्द्र कुमार व्होरा,

(6) श्री देवेन्द्र कुमार व्होरा एच० यू० एफ० का कर्ता के रूप में

(7) श्रीमती शोभना शिवाल व्होरा।

(8) श्रीमती जनकगौरी हरमुखलाल व्होरा

(9) श्रीमती बासंती चन्द्रकास्त व्होरा

(10) श्री किरन चन्द्र व्होरा।

(11) श्री मधुकर व्होरा।

सभी कलकत्ता और धनबाग और राजकोट के निवासी हैं, और चन्द्रकान्त और बद्रस यूको बैंक के सामने राजकोट 360001 (गुजरात) के नाम और स्टार्च की फर्म में पार्टनरशिप के रूप में बिजनेस कर रहे हैं। (अन्तरक)

2 गुड शेपर्ड कानव्हेस्ट (बाम्बे) सोसाइटी 4 बंगला रोड, व्हर्सोवा, अंधेरी बम्बई-400058 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जिला बम्बई उपनगर और रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा (बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन उपजिले में) अंधेरी तालुका (पहले साउथ संलसेट तालुका के नाम से जाना जाता था) में वर्सोवा पर स्थित एवं अवस्थित जमीन का अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जोकि सर्वेक्षण सं० 85, सी० टी० एस० सं० 100 के प्लॉट सं० 14 का भाग है और जो पैमाइश में 6690 वर्गगज (अर्थात् 5693.71 वर्ग मीटर) या उसके लगभग है, यह उस पर बनी स्ट्रक्चर और बिल्डिंग सहित है, जो कि 'मैहर व्हिला' के नाम से जानी जाती है, और जिसे अब 'सरीगा' के नाम से जानी गई है, वह इस प्रकार से घिरी हुई है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर पब्लिक रास्ता है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर एक सड़क है जो कि कारानी रोड के नाम से जानी जाती है और पूर्व में अथवा पूर्व की ओर सर्वेक्षण सं० 85, वर्सोवा की प्लॉट सं० 14 (पार्ट) है, और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सर्वेक्षण सं० 85 वर्सोवा की प्लॉट सं० 14 (पार्ट) है और जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर और करने के० वाई सं० 7200(1) 7, वर्सोवा फ्रास रोड के अधीन किया है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जून 1976

निर्देश सं० अ० ड० 5/477/75-76—अतः मुझे, व्ही०  
आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 20 टी० पी० एस० 3 है, जो घाटकोपर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
29 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के बिना तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री धनाबाई खामजी पटेल  
(2) श्री कानजी धनाबाई पटेल  
(3) श्री भोगीलाल धनाबाई पटेल (अन्तरक)
2. द० कैलास कारन नं० 2 को० आ० हा० सो० लि०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई उपनगर, उप-  
जिला बांद्रा और अब रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई  
नगर और बम्बई उपनगर में घाटकोपर में वह सभी भूभाग अथवा  
भूखंड स्थित एवं अवस्थित है जो घाटकोपर के टी० पी० एस० 3  
का प्लॉट सं० 20 है, पैमाइश में 1782 वर्गगज (अर्थात् 1475  
वर्गमीटर) है जिसका सी० टी० एस० सं० 5958 और म्युनिसिपल  
एन० वाई सं० 85, स्ट्रीट सं० 185 है उसकी सीमाएं इस प्रकार  
घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर टी० पी० एस०  
रोड से, दक्षिण में या दक्षिण की ओर प्लॉट सं० 17 से, पूर्व या पूर्व  
की ओर प्लॉट सं० 21 से, पश्चिम या पश्चिम की ओर प्लॉट सं०  
19 से ।

व्ही० आर० अमीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 28 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० अ० इ० 5/481/75-76—अतः मुझे, व्ही०

आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 19/2 पाटं 52/18 पाटं 21 पाटं है, जो मोहिली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 अक्टूबर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धरमपाल मेहरा
- (2) श्री वेदप्रकाश मेहरा
- (3) श्री देवप्रकाश मेहरा (अन्तरक)
2. मैसर्स राजेश डाईंग अंड ब्लिचिंग वर्क प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बम्बई उपनगर के बांद्रा जिला के रजिस्ट्रेशन उप-जिला में मोहिली गांव में वह सभी भूखंड अथवा भूभाग, उस पर निर्मित हवेली, मकान, भवन तथा संरचनाएं सहित स्थित एवं अवस्थित हैं पेमाइश में 13260 वर्गगज (अर्थात् 11086 वर्गमीटर के लगभग उसमें 7275 वर्ग गज की भूमि शामिल है और ता० 16 अक्टूबर, 1961 के पहानामा में सन्निविष्ट है) और नाला का एक भाग जो भाप में 245 वर्ग गज (लगभग 204.84 वर्ग मीटर) है और उसका सर्वेक्षण सं० तथा हिस्सा सं० निम्नलिखित हैं :—

सर्वेक्षण सं०	हिस्सा सं०
19	2 अंश
52	18 अंश, 21 अंश
61	3 अंश, 4 अंश

और मोहिली गांव के नगर सर्वेक्षण शीट सं० 20 तथा 27 का नगर सर्वेक्षण सं० 684/2, 685/जी०, 686, 687 तथा 679/1 है और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर श्रीमती केलासवती मेहरा तथा अन्यो की जायदाद से जिसका सर्वेक्षण सं० 52 हिस्सा सं० 21 अंश, सर्वेक्षण सं० 19 हिस्सा सं० 2 अंश, तथा सर्वेक्षण सं० 61 हिस्सा सं० 3 अंश है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर जायदाद से जिसका सर्वेक्षण सं० 52, हिस्सा सं० 18 अंश और 23 है, पूर्व में या पूर्व की ओर नाला और उसके बाद सुभाष सिल्क मिल्स प्रा० लि० की सम्पत्ति से, तथा पश्चिम या पश्चिम की ओर जायदाद सं० 52 हिस्सा सं० 17 से।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 23 जून, 1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 जून 1976

निदेश सं० अ० ई० 482/6/75-76—अतः मुझे, व्ही०

आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० सं० 18/2 पार्ट 52/18, 21 (पार्ट) और 28 (पार्ट) है, जो मोहिली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री सुभाष मेहरा  
(2) श्री प्रदीप मेहरा  
(3) श्री राजेश मेहरा (अन्तरक)
2. मैसर्स राजेश डाइंग और बिलचिंग वर्क्स वर्क्स प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जिला बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन उप-जिला बांद्रा में ग्रंथेरी-कुर्ला रोड, पर मोहिल में बहू सभी भूखंड अथवा भूभाग उस पर पर बनी हवेली मकान, निवासघर समेत स्थित एवं अवस्थित है पैमाइश में 7275 वर्गगज (अर्थात् 6083 वर्ग मीटर) के लगभग है उसका सर्वेक्षण सं० 19, हिस्सा 2 (अंश) और सर्वेक्षण सं० 52 हिस्सा नं० 18, 21 (अंश) और 28 (अंश) है और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर सर्वेक्षण सं० 52, हिस्सा सं० 21 (अंश) सर्वेक्षण सं० 19, हिस्सा सं० 2 (अंश) से, पश्चिम में या पश्चिम की ओर सर्वेक्षण सं० 52, हिस्सा सं० 17 से, उत्तर में उत्तर की ओर एक रास्ता से, तथा दक्षिण में या दक्षिण की ओर सर्वेक्षण सं० 52, हिस्सा सं० 23 (अंश) से।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 24 जून 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश सं० अ० इ० 5/499-15/75-76—अतः मुझे, व्ही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59, 66 है, जो नाटूर व्हिलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6 अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मिनर्वा डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2. मिस रूपा सुरेंद्र कुमार डालमिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर के जिला एवं रजिस्ट्रेशन उपजिला में आनुवंशिक एवं परिसर के भूखंड अथवा भूभाग स्थित है जो बृहत्तर बम्बई में मुलुण्ड के समीप गांव नाटूर में प्लॉट सं० 53, 54, 59 एवं 66 की जमीन के एक हिस्से का खंड अथवा भाग है, उस पर निर्मित संरचना के एक हिस्से सहित जो पैमाइश में 1052.9 वर्ग फीट अर्थात् 97.83 वर्ग मीटर के लगभग है और इसके साथ अनुबद्ध प्लान पर लाल एवं काले रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा हुआ है तथा उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर अनिर्मीत भूमि की पट्टी से जो प्लॉट सं० 53, 54, 59, 66 की भूमि का एक हिस्सा है दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर अनिर्मीत भूमि की उसी प्रकार की एक पट्टी से जो प्लॉट सं० 53, 54, 59 और 66 की भूमि का एक हिस्सा है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उक्त संरचना के एक हिस्सा से जो पैमाइश में 1052.9 वर्गफिट है, पूर्व में या पूर्व की ओर उक्त संरचना के एक हिस्से से जो पैमाइश में 1052.9 वर्ग फीट है ।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई ।

तारीख : 25 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 506/30/75-76 :—अतः मुझे, वही०  
आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि जमीन है, जो मोहिली में स्थित है (और  
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 9-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अटलीन जेरोमे गोम्स  
(2) मरी डेवीड डिसोआ,  
(3) अंजेलीन क्लिमेंट परेरा (अन्तरक)
2. (1) श्री विजयकुमार अनंतराय वालीया  
(2) दुर्गा रमेश पारेख  
(3) श्री हेमंत अनंतराय वालीया  
(4) श्री शैलेश अनंतराय वालीया  
(5) श्री दिपक अनंतराय वालीया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बृहतर बम्बई में, बंबई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले  
और अ जिले में बंबई नगर के मोहिली ग्राम में मुलके अंधेरी रोड पर  
स्थित कृषि भूमि का तमाम मैदान जो माप में 1906 वर्गगज अर्थात्  
1593-6 वर्गमीटर के समकक्ष है । जिसका सर्वेक्षण नं० 9  
हीसा नं० 7 (पार्ट) है ।

वही० आर० अमीन  
[सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई ।

तारीख : 29-6-1976  
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई०/509/33/75-76—अतः मुझे, व्ही०

आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 112 (अंश) है, जो हरियाली व्हॉलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स हरबर्टसन लि० (अन्तरक)।
2. मेसर्स आइट अदर्स प्रा० लि० (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गांव हरियाली में अकृषि भूमि का वह सभी भाग अथवा खंड स्थित है, पैमाइश में 26761 वर्गमीटर (32005 वर्गगज) है, और पहले का सर्वेक्षण सं० 62 प्लॉट सं० 1 (अंश) सर्वेक्षण सं० 8 (अंश) सर्वेक्षण सं० 9, सर्वेक्षण सं० 56ए० (अंश), सर्वेक्षण सं० 66, हिस्सा सं० 1 (अंश) सर्वेक्षण सं० 66, हिस्सा सं० 3 (अंश) है और अब गांव हरियाली का सी० एस० सं० 112 (अंश) है और उसकी सीमाएँ इस प्रकार घिरी हुई हैं:

उत्तर : भारत सरकार जायदाद द्वारा

दक्षिण : अंशतः सूरजी वल्लभदास एंड कं० की जायदाद द्वारा, और अंशतः टयूब एवं मेटल इंजीनियरिंग कं० की जायदाद द्वारा और अंशतः हर्बर्टसन लि० की जायदाद द्वारा,

पूर्व : सेंट्रल रेलवे लाइन द्वारा,

पश्चिम : अंशतः आगरा रोड द्वारा, अंशतः हर्बर्टसन लि० की जायदाद द्वारा, अंशतः बाई वाथी दामोदर फकीरकीनी की जायदाद द्वारा, अंशतः इंडिया टयूब एवं मेटल इंजीनियरिंग कं० लि० की जायदाद द्वारा।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 29 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. सवित्रीबाथ गजानन चेंबूरकर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री हरीराम छवीलदास पंजाबी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अ० ई० 514/38/75-76 :—अतः मुझे, वही०  
आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सर्वे० नं० 64 हिस्सा नं० 1, सी० एस० नं० 316,  
316/1 है, जो वथवली, चेंबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 30-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

बृहत्तर बंबई में बंबई नगर और उप नगर के रजिस्ट्रेशन जिले  
और उपजिले में बंबई उपनगर के बडाबली ग्राम में स्थित जमीन का  
तमाम भाग या खंड जो माप में 5929 वर्गगज अर्थात् 4557-48  
वर्गमीटर है। निर्वेक्षण नं० 64 ही० स० नं० 1 और सीटी सर्वे  
नं० 316/316/1, 316/2, 316/3, 314, 314/1, 314/2 है  
और बंबई महानगर पालिका के वार्ड नं० एम० 2097 (3) में कर  
निर्धारण होता है।

वही० आर० अमीन

सक्षम अधिकारी

तारीख: 1-7-76

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-5, बंबई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 मिनर्वा डीलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2 कुमारी अर्चना सुरेंद्र डालमिया (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 5/518/75-76—अतः मुझे, वही०

आर० अमीन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 53, 54, 59, 66 है, जो नाहुर व्हीलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—156GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर के जिला एवं रजिस्ट्रेशन उप-जिला में आनुवंशिक एवं परिसर के भूखंड अथवा भूभाग स्थित है जो बृहत्तर बम्बई में मुलुण्ड के समीप गांव नाहुर में प्लॉट सं० 53, 54, 59, एवं 66 की जमीन के एक हिस्से का खंड अथवा भाग है, उस पर निर्मित संरचना के एक हिस्से सहित जो पैमाइश में 2105.8 वर्गफीट अर्थात् 195.65 वर्गमीटर के लगभग है और इसके साथ अनुबद्ध प्लान पर लाल एवं काले रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा हुआ है तथा उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में अथवा उत्तर की ओर अनिर्णीत भूमि की पट्टी से जो प्लॉट सं० 64, 54, 59, 66 की भूमि का एक हिस्सा है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर उक्त संरचना के एक हिस्से से जो पैमाइश में 1052.9 वर्गफीट है, पूर्व में पूर्व की ओर उक्त संरचना के एक हिस्से से जो माप में 1052.9 वर्गफीट है।

वही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 25-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई०/5/519/75-76—अतः मुझे, व्ही० आर०  
अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59, 66 है, जो नाहुर विल्हेज  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स मिनवी डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)
2. कुमारी रेखा डालमिया (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई नगर एवं उपनगर के जिला एवं रजिस्ट्रेशन उपजिला में  
आनुवंशिक एवं परिसर के भूखंड अथवा भूभाग स्थित है जो बृहत्तर  
बम्बई में मुलुंड के समीप गांव नाहुर में प्लॉट नं० 53, 54, 59 एवं  
66 की जमीन के एक हिस्से का खंड अथवा भाग है उस पर निर्मित  
संरचना के एक हिस्से सहित जो पैमाइश में 2105.8 वर्गफीट अर्थात्  
195.65 वर्ग मीटर के लगभग है और इसके साथ अनुबद्ध प्लान  
पर लाल एवं काले रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा हुआ है तथा सीमा  
इस प्रकार घिरी हुई है अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर अनिर्मित  
भूमि की पट्टी से जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 एवं 66 की भूमि का  
एक हिस्सा है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर अनिर्मित भूमि की  
उसी प्रकार की एक पट्टी है जो सं० 53, 54, 59, एवं 66 की  
भूमि का एक हिस्सा है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उक्त  
संरचना के एक हिस्सा से जो पैमाइश से क्रमशः 1067.37,  
2162, 2154 वर्गफीट है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उक्त संरचना  
के एक हिस्से से जो पैमाइश में 2105.8 वर्गफीट है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 25 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति सुलोचनादेवी विजयकुमार गरोदीया (अन्तरक)

2. मेसर्स बोनाफाइट बिल्डर्स (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 जून 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला में घाट कोपर पर स्थित एवं अवस्थित गरोदीया नगर स्कीम के प्लॉट सं० 47 का वह तमाम 1/3 भाग जिसकी सीटी सर्वेक्षण सं० 195 (पार्ट) है, तथा जो पैमाइश में 707 वर्गगज अर्थात् 593.88 वर्गमीटर के बराबर है वह सर्वेक्षण सं० 249 हिस्सा नं० 4 और उस पर बनी हटमेंटस का भाग है।

व्ही० आर० अमीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 24-6-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 जून 1976

निदेश सं० अ० ई० 5/552-सी०/75-76 :—अतः मुझे,  
व्ही० आर० अमीन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं० नं० 249-हि० नं० 3 पार्ट 1/3 प्लॉट सं० 47  
है, जो गरोदीया नगर स्कीम में स्थित है (और इससे उबापद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दबी सुलोचना विजय कुमार गरोडीया (अन्तरक)
2. मेसर्स बोनाफाइड बिल्डर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और  
उपजिले में घाटकोपर पर स्थित एवं अवस्थित गरोदीया नगर स्कीम  
के प्लॉट सं० 47 का तमाम 1/3 भाग जिसकी सीटी सर्वेक्षण सं०  
195 (पार्ट) है, तथा जो पैमाइश में 707 वर्गगज अर्थात् 591.14  
वर्गमीटर है, वह सर्वेक्षण सं० 249 हिस्सा नं० 4 और उस पर बनी  
हटमेंटस सहित का भाग है।

व्ही० आर० अमीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख 24-6-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1976

निर्देश सं० एफ० नं० VIII/17/2/नवम्बर/75—यतः,  
मुझे, जि० रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वडिवीस्वरन विल्लेराज, नाजर को विल एससंक  
902 और 903 (आर० एस० 7/7/17/1) है, जो जे० एस०  
आर० ओ० II नाजर को विल० (टाक्कुस्ट संक 4432/75) में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाजरकोविल में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
नवम्बर 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रामास्वामि

2. शन्मुजम

(अन्तरक)

2 श्रीमति जि० अन्तोनि अममाल

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

वडिवीस्वरन विल्लेज, नाजरकोवि में 2 एकर 8 1/2  
सेंट खेती की भूमि ।

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 26-5-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री रामस्वामि

2 शनमुजम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री वि० जियाज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 26 मई 1976

निर्देश सं० एफ० नं० VIII/17/3/नवम्बर/75—यतः,

मुझे, जी० रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० वडिबीस्वरन विल्लेज, नागरकॉल एस संक  
901ए० और 901B है, जो जे० एस० आर० ओ० II नागरकॉल  
टाक्कुम्पट संक 4433/75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नागरकॉल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन नवम्बर 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4:  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना क  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4:  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंस  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वडिबीस्वरन विल्लेज, नागरकॉल में 2 एकर 38 सेंट खेती की  
भूमि।

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 26 मई 76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 77/अक्टूबर/75 :—यतः मुझे, जी० रामानाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० चेरीकृष्णापुरम, आयूर, सेलम, ए सं० सं०  
147/5, 147/10, 147/12, 147/13, 147/4, है, जो एस०  
आर० ओ० 140/3, 132/1, 147/2, 147/11, 132/3,  
147/9 वालप्पाडी, सेलम, डाक्कुमंट सं० 2634/75 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वालप्पाडी सेलम डाक्कुमंट  
2634/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरधनारी मुधलीयार

2. आर० बरीयाल 3. मणीकम 4. अन्बुसेलवि (अन्तरक)

(2) श्रीमति अंगप्पाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पेरीकृष्णापुरम, आयूर सेलम में ½ एकर 95½ सेंट (एस०  
सं० 147/5, 147/10, 147/12, 147/13, 147/4, 140/3,  
132/1) 1 एकर 05-1/6 सेंट (एस० सं० 147/2, 147/11,  
132/3, 147/9) खेती की भूमि।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 19 जून, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) 1. अरधनारी मुधलीयार (अन्तरक)

2. अर० बरीयाल 3. माणीक्कम 4. अण्बुसेलति  
(2) करुप्पु चेटीयार (अन्तरिती)।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 19 जून, 1976

निदेश सं० 77/अक्टूबर/75—यतः, मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पेरीयक्कुणापुरम, आयूर, सेलप, एस० सं० 147/5, 147/10, 147/12, 147/13, 140/4, 140/3, 132/1, 147/2, 147/3, 147/11, 147/9, 132/3 है, जो एस० अर० ओ० बालप्पाडी, सेलप, डाक्कुमंट सं०, 2633/76 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बालप्पाडी, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

पेरीयक्कुणापुरम, आयूर सेलम में 2 एकर 95-1/2 सेंट (एस० सं० 147/5, 147/10, 147/12, 147/13, 147/4, 140/3, 132/1, 1 एकर 18-2/3 सेंट 147/2, 147/3, 147/11, 147/9, 132/3 खेती की भूमि) ।

जी रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 19-6-76  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री तम्मण्ण वेटीयार 2. तिरुमले वेंकटेशन 3. मादवरांज  
(अन्तरक)  
2. श्री ए० सेलवराज । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1976

निर्देश सं० एफ० नं० 281/दिसम्बर/75—अतः मुझे जी०  
रामनातन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० सुरापल्ली जलगन्डपुरम, सेलम, एस० सं०  
23/1 है, जो एस० आर० ओ० जलगन्डपुरम डाकुमेंट सं० 1850/  
75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलगन्डपुरम  
सेलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के  
अधीन दिसम्बर 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

8-156GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त और शब्दों पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सुरापल्ली, जलगन्डपुरम, सेलम में 5 एकड़ 27 सेंट खेती की  
भूमि।

श्री रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 31 मई 1976

निर्देश सं० एफ० नं० 29/दिसम्बर/75-यतः, मुझे जि० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सूरापल्ली, जलगन्डपुरम, सेलम एस० सं० 23/2 है, जो एस० आर० ओ० जलगन्डपुरम, (डाकुमेट सं० 1867/75) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलगन्डपुरम सेलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1906 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टि० वि० कुल्लप चेटीयार 2 तिरुवेंगडम 3. वरव-राजण 4. नवक्कोट्टी नारायनन (अन्तरक)
2. श्री ए० सेलवराज । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सूरापल्ली, जलगन्डपुरम, सेलम में 5 एकड़ 26 सेंट खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31-5-1976  
मोहर :

प्ररूप आई टी० एम० एस०—

1 श्रीमति जीनत बिबि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

2 श्री के० एस० ए० अमीर अलि

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 2785—यतः, मुझे एस० राजरटनम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० टी० एस० 430/1, 431 और 426/1 सीरा साहेब स्ट्रीट दारापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम (डकुमेंट सं० 2591/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दारापुरम, सीरा साहेब स्ट्रीट डोर सं० 2 और 2 ए में भूमि और मकान (आदा भाग) (टी० एस० सं० 430/1, 431 और 426/1)

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 23-6-76

मोहर :

प्रकृष आर्ई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमति जीनत बिबि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 2785—यतः मुझे, एस० रजरतनम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 430/1, 431 और 426/1,  
सीरा साहेब स्ट्रीट दारापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दारापुरम, "ढाकुमेंट सं० 2582/75) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
28-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

[(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री एस० गुलामोहदीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

दारापुरम, सीरा साहेब स्ट्रीट, डोर सं० 2 और 2 ए में भूमि  
और मकान (आधा भाग) (टी० एस० सं० 430/1, 431 और  
426/1) ।

एस० राजरतनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 23-6-76

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली 1 दिनांक 30 जून 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
1006/नवम्बर, 1 (8)/75-76)---अतः मुझे, च० वि० गुप्ते,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० एम 48 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 12-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922, (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति राजरानी कुमार, पत्नी श्री पी० एल० कुमार,  
निवासी 20, पूसा रोड, नई दिल्ली 5। (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश जैन, सुपुत्र श्री अशरफी लाल जैन तथा  
मास्टर अनिल कुमार जैन, पिता द्वारा संरक्षक श्री खेम  
चन्द जैन, द्वारा सं० अशरफी लाल खेम चन्द जैन, निवासी  
सराफ पारेट चौराहा, भीख, (मध्य प्रदेश)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

एक एम० मंजिला व्यापारिक बिल्डिंग जोकि प्लॉट नं० 48  
ब्लॉक नं० एम (दुकान) पर बनी हुई है, जिसका क्षेत्रफल 196  
वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली 48 में निम्न प्रकार से  
स्थित है :—

पूर्व : व्यापारिक बिल्डिंग नं० एम 47

पश्चिम : व्यापारिक बिल्डिंग नं० एम 49

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस रोड।

च० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली; नई दिल्ली-1

तारीख : 30-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली 1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/एस० आर०-III/1970 जनवरी-II (1)/75-76 :-अतः मुझे, चं० वि० गुते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 30 है तथा जो नथू राम फरेंडस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) महाराज कुमार जयदेव सिंह जू, सुपुत्र हीज हार्डनस महाराजाधिराज जयन्द्रा सिंह जू, चरखेरी (यू० पी०) तथा
- 2 महाराज कुमार जयवीर सिंह, सुपुत्र हीज हार्डनस महाराजाधिराज जयन्द्रा सिंह, अपने संरक्षक हीज हार्डनस महाराजाधिराज जयन्द्रा सिंह जू तथा हर हार्डनस महारानी जयन्ती देवी द्वारा, चरखेरी। (अन्तरक)

(2) मैं फैंसी डार्इंग ऐण्ड प्रिंटिंग वर्क्स, इन्का रजिस्टर्ड आफिस जोकि कार्मस हाउस, 2, गनेश चन्द्रा एवैन्यु कलकत्ता-13 में है, इनके हिस्सेदार श्री महादेव नारायण साद, सुपुत्र श्री हरगोबिन्द नारायण साद, श्री राय कुमार साद, सुपुत्र श्री पन्द्राज कुमार, श्री सहादेव नारायण साद, सुपुत्र श्री हरगोबिन्द नारायण साद, श्रीमति रूप कलाबाई, पत्नी श्री हरगोबिन्द नारायण साद, श्रीमति गोमाबाई, पत्नी श्री पन्द्राज साद, के द्वारा 1 इनके कानून अटार्नी श्री महादेव नारायण साद के द्वारा, सुपुत्र श्री हरगोबिन्द नारायण साध, जोकि फर्म के हिस्सेदार भी है, निवासी बी-102, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-110024।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाद जो सभी अधिकारों सहित जिसमें पार्क बिाडिंग भी है, जो कि 30 नथू राम फरेंडस कालोनी से जानी जाती है, जिसका क्षेत्रफल 2140 वर्गगज के लगभग है, मथुरा रोड, दिल्ली कि टैरिटरी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : सविस रोड

पश्चिम : फरेंडस कालोनी की मुख्य सड़क (मथुरा रोड)

उत्तर : मकान नं० 30-ए

दक्षिण : मकान नं० 31 तथा 31/1

चं० वि० गुते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली दिल्ली-1

तारीख : 24-6-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/एस० आर०-III/जनवरी-II(2)/1071/75-76—अतः मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० के-37 है तथा जो कैलाश कालौनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती वेद कुमारी भयाना, पत्नी डा० जे० एन० भयाना, निवासी 411, लांगमिडीओ, बफलो, न्यूयार्क 14226, यू० एस० ए०, इनके जनरल अटारनी श्री एस० के० भयाना के द्वारा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री जे० एन० भयाना, निवासी पी-47, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली-1 लेकिन अब डी०-9, मेफेयर गार्डन नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री सरस्वती चन्द्र डीड तथा चन्द्र प्रकाश, सुपुत्र एल० भगवान दास, निवासी 100, गली बताशन, चावडी बजार दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक तीन मंजिला बिल्डिंग जोकि 311 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जमीन के साथ जिसका नं० के-37 है, कैलाश कालौनी, नई दिल्ली में है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित हैः—

पूर्व : प्लॉट नं० के-38ए

पश्चिम : प्लॉट नं० के-37 ए

उत्तर : रोड

दक्षिण : प्लॉट नं० के-34

चं० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 24-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

4/14, क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III/1018/नवम्बर-II(12)/75-76 :—अतः मुझे च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस 484 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०, 40एफ० कनाट पलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)।

2. श्री जी० पी० पाई, सुपुत्र श्री गुणापाई, निवासी ई-26, कालिन्दी कालोनी नई दिल्ली। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विक्रेता के उन सभी अधिकारों सहित जमीन का टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 484, ब्लॉक नं० 'एस' है, और क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली की युनियन टैरोटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० एस०-482

दक्षिण : सड़क

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 25-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1174/76-77—यतः  
मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या ई-6 का 15/100 भाग है तथा जो राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानद अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अधिनियम, 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन, तारीख मवम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-156 GI/76

1. श्रीमती-सत्यावती, पत्नी श्री भुमी लाल (2) श्री बास  
कृष्ण शूर, सुपुत्र श्री भुमी लाल, निवासी 251, इसलामाबाद,  
जलन्धर सिटी (पंजाब) (अन्तरक)

2. श्रीमती अमृत कौर, पत्नी श्री पाल सिंह (2) श्री हरमंजीत  
सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह, निवासी जैड-13/ए, राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला जिसका नं० 6ई है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली  
में 1104.9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना हुआ है,  
30/100 वें भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात् 15/100वां  
भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-7

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-5

उत्तर : लॉन

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-5-1976

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1175/76-77—अतः

मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-6 का 15-1/2/100 हिस्सा है तथा जो  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर नाथ शूर, सुपुत्र श्री बरकत राम शूर, निवासी  
192 आदर्श नगर, जलन्धर सिटी (पंजाब) (अन्तरक)

2. श्रीमती अमृत कौर, पत्नी एस० पाल सिंह (2) हरमंजीत  
सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह, निवासी जैड-13/ए, राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 6ई है, राजौरी गार्डन, नई  
दिल्ली में 1104.9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना  
हुआ है, जोकि 31/100- भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात्  
15-1/2/100वां भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-7

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-5

उत्तर : लॉन

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10 मई, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1176/76-77—अतः

मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ई-6 का 6/100वां हिस्सा है तथा जो राजौरी  
गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख नवम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनारसी दास शूर, सुपुत्र श्री बरकत राम शूर, मकान  
नं० 192, आदर्श नगर, जलन्धर सिटी, (पंजाब)

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृत कौर, पत्नी एस० पाल सिंह, (2) श्री  
एस० हरमंजीत सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह, निवासी जेड-13/ए,  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होधी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 6-ई है, राजौरी गार्डन, नई  
दिल्ली में 1104.9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना  
हुआ है, जोकि 12/100वां भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात्  
6/100 वां भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-7

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-5

उत्तर : लॉन

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 मई, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1177/76-77—अत  
मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० ई-6 13-1/2/100 वां भाग है जो तथा जो  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम;  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल शूर, सुपुत्र श्री बरकत राम शूर निवासी  
162, आदर्श नगर, जलन्धर सिटी (पंजाब) (अन्तरक)

2. श्रीमती अमृत कौर, पत्नी एस० पाल सिंह, (2) श्री  
हरमंजीत सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह, निवासी जैड-13ए, राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 6 ई० है, राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली में 1104.9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना  
हुआ है; 27/100वें भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात् 13-1/2  
/100 वां भाग है । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-7

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-5

उत्तर : लॉन

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 मई, 1976

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1178/76-77—अतः  
मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जी० बी० फ्लैट नं० यू० है तथा जो साउथ पटेल  
नगर मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्य-  
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किस आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुनाथ सहाय, सुपुत्र श्री जे० एम० चावला, फ्लैट  
नं० यु०, साउथ पटेल नगर मार्किट, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सूरज प्रकाश भगत, सुपुत्र श्री बल्लभ दास भगत,  
फ्लैट नं० यू०, साउथ पटेल नगर, मार्किट, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

एक सरकारी बना मकान जिसका क्षेत्रफल 133.5 वर्ग गज है,  
और नं० 'यू' है, साउथ पटेल नगर मार्किट, नई दिल्ली में है। यह  
फ्लैट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सरकारी बना फ्लैट  
पश्चिम : सरकारी बना फ्लैट  
उत्तर : रोड़  
दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1179/76-77—अतः

मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० ई-43 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरचरण सिंह सुपुत्र एस० काला सिंह, तथा श्रीमती मोहिन्द्र कौर, पत्नी एस० गुरचरण सिंह, निवासी डी-32, बाली नगर, दिल्ली, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती चूनी लाल, सुपुत्र एल० अमीन चन्द, निवासी 77, राजा गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 244.5 वर्ग गज क्षेत्रफल है, और नं० 43, ब्लाक नं० 'ई' है, बाली नगर की कालोनी, नई दिल्ली में है । यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 42

पश्चिम : प्लॉट नं० 44

उत्तर : रोड़ 30 चौड़ी

दक्षिण : लेन 15'

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 मई, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1195/76-77---अतः

मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जे-3/6 (उत्तरी भाग) है तथा जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीर सिंह चौहान, सुपुत्र श्री मोती सिंह, निवासी 170, गोपाल पार्क, दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. श्री भूषण कुमार नरुला, सुपुत्र श्री भूनी लाल नरुला, निवासी 128/30, चांद मोहल्ला, गांधी नगर, दिल्ली-31। (अन्तरिती)।

3. पी० आर० मोंगा (2) श्री के० सी० कपूर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक निवासी मकान (उत्तरी भाग) जोकि कुल क्षेत्रफल 420.625 का 227.22 वर्ग गज है, जिसका नं० जे-3/6 है, कृष्ण नगर की आबादी, गाउवली गांव, शाहदरा के इलाके में, है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० जे-3/7

पश्चिम : जायदाद नं० जे-3/5

उत्तर : जायदाद नं० जे-2/6

दक्षिण : जायदाद का बाकी बचा भाग

एस० न० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० आर०-II/  
अक्तूबर/1039(8)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 120 ब्लाक डी० है तथा जो अजय एन्क्लेव,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 17-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हजार सिंह, सुपुत्र श्री बक्षीश सिंह, तथा श्री भज्जन  
सिंह, सुपुत्र श्री हजार सिंह, निवासी मकान नं० 71, रबी नगर,  
नई दिल्ली-18 (अन्तरक)

2. सुदेश कुमार आनन्द, सुपुत्र श्री मुख्तार राज आनन्द,  
निवासी मकान नं० 979, छोटा छीप्रीवाला, चावरी बाजार,  
दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए  
जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड  
प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 120 ब्लाक नं० डी० है, खसरा  
नं० 307 है, अजय एन्क्लेव कालोनी, नजफगढ़ रोड़ पर, तिहार गांव  
के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व प्लॉट नं० डी-121 पर मकान  
पश्चिम नं० डी० 119 पर मकान  
उत्तर : 36' चौड़ी सड़क  
दक्षिण : 15' चौड़ी सड़क से

एस० सी० पारीजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री बच्चन खाँ एवं नन्हें खाँ अन्य (अन्तरक)
2. श्री राम चन्द्र वर्मा एवं अन्य (अन्तरिती)
3. मुकिरन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जून 1976

निवेश नं० 89-आर/एक्यू—अतः मुझे एफ० रहमान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 147 है तथा जो बहादुर गंज, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—156 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 147, बहादुरगंज, इलाहाबाद।

एफ० रहमान,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 5-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री गुलनाम सिंह (अन्तरक)

2. श्री रामजी लाल व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जून 1976

निर्देश न० 93-आर/अर्जन—अतः, मुझे, फ० रहमान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 167 है तथा जो किच्छा, जिला नैनीताल में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
6-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

एक किता मकान मय जमीन सहित, जमीन का क्षेत्रफल  
3 बीघा, 7 बिस्वा मकान का क्षेत्रफल 150 वर्ग फीट के दो कमरे  
तथा 400 वर्ग फीट में टीनसेड है, जो कि किच्छा, जिला नैनीताल  
में स्थित है ।

फ० रहमान,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जून 1976

निर्देश सं० 120-एस०/अर्जन—अतः, मुझे, फ० रहमान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 532ए/43, है तथा जो चौधरी  
बेला, अलीगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्व स्वरूप कौशल (अन्तरक)
2. श्रीमती सरस्वती राठी (अन्तरिती)
3. श्री विश्व स्वरूप कौशल (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 532ए/43, जो कि चौधरी बेला, अलीगंज,  
लखनऊ में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 8-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जून 1976

निर्देश सं० 121-एस०/अर्जन—अतः, मुझे, फ० रहमान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० . . . . . है तथा जो वाग अहमद अली खां  
बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
21-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरेण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कनीज आयशा बिघवा श्री हफीजुल हसन शमसी  
व हसीबुल हसन शमसी, शमसी (लाज) फूटा दरवाजा बरेली  
(अन्तरक)

2. श्री साहू राम स्वरूप ट्रस्ट (अन्तरिती)

3. श्री साहू राम स्वरूप (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भवन मय भूमि जो कि वाग अहमद अली खां, बरेली, में  
स्थित है।

फ० रहमान,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-6-1976  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 फरवरी 1976

निर्देश नं० 78 एम/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 900, है तथा जो चन्दापुर का हाता मुट्ठी गंज इलाहाबाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में तारीख 14-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश कुमार भल्ला (अन्तरक)

2. श्री माता प्रसाद व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित्ता मकान नं० 900, जो कि मोहल्ला चन्दापुर का हाता मुट्ठी गंज इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 20-2-76  
मोहर।

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1976

निदेश नं० 1120/अर्जन/मसूरी/75-76/531—अतः मुझे  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जंग बहादुर सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह (2) श्रीमती सत्य भामा देवी पत्नी जंग बहादुर सिंह (3) तेजिन्द्र सिंह (4) सुरिन्द्र सिंह (5) जगजीत सिंह पुत्रगण जंग बहादुर सिंह नि० 37/8 ईस्ट पटेल नगर न्यू दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) श्री एस० सी० रमोला (सुरत चन्द रमोला) पुत्र स्व० ठाकुर लाल चन्द रमोला नि० 3/5, महन्त लक्ष्मण दास रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्ति दो मंजिला मकान नं० 3/  
नं० 6/3, एस्टले हाल) जिल  
48,500 रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 22-5-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मई 1976

निदेश सं० 942-ए/मेरठ/75-76/622—अतः मुझे विजय, भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश नारायण पुत्र श्री बाबू राम (2) अम्बरीश कुमार और (3) हरीश कुमार पुत्रगण प्रकाश नारायण पार्दुनर मैसर्स बाबूराम, प्रकाश नारायण, गांधी मार्ग, मेरठ शहर।

(अन्तरक)

2. पं० बृह्मनन्द शर्मा पुत्र पं० भगत राम शर्मा नि० गढ़ मुकटेश्वर तह० हापुड़ जि० मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1050 मुरब्बा गज अराजी प्लॉट नं० 6, खसरा नं० 4734 खेवट नं० 108 व 222 से सम्बन्धित करबा मेरठ, फूलबाग कालोनी सूरजकुण्ड शहर मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 57750/- में किया गया है।

विजय भार्गव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-6-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 जून 1976

निदेश नं० 474/अर्जन/कानपुर/75-76/623—अतः, मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संपत्ति अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूषमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुलाबदेवी पत्नी हरिश्चन्द्र अवस्थी निवासी ग्राम मंदरस, परगना घाटमपुर, कानपुर, वर्तमान पता 119/175, दर्शन पुर्वा, कानपुर ।

(2) सहदेव प्रसाद पुत्र रामचरण अवस्थी नि० 119/175 दर्शनपुर्वा, कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी ओम प्रकाश चौरसिया नि० 116/229, रावतपुर शहर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति म० मं० 119/175 जिसकी माप 312 वर्ग गज जो ओमनगर दर्शनपुर्वा, कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 47000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-6-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मार्च, 1976

निदेश नं० 482/अर्जन/कानपुर/75-76/290—अतः मुझे  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिस् की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तीयों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
11-156GI/76

1. सरदार पंजाब सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी 29, फण्डस  
कालौनी, स्वरूप नगर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद उमर पुत्र मुराद (2) मोहम्मद सलीम  
पुत्र बदलू (3) जब्बार पुत्र मोहम्मद उमर (4) श्रीमती बिसमिल  
पत्नी मोहम्मद उमर, 12/212, स्वरूपनगर, कानपुर  
(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 112/212 बी० स्वरूपनगर  
(बैनासाबर) कानपुर में स्थित है और जिस का हस्तान्तरण  
39,000 रु० मूल्य में किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 24-3-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1976

निदेश नं० 487 (अर्जन/कानपुर/75-76/2651—अतः मुझे एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) डा० सुरेन्द्र स्वरूप सकसेना वल्द जगदीश स्वरूप सकसेना (2) श्रीमती प्रेम मोहनी सकसेना पत्नी डा० सुरेन्द्र स्वरूप सकसेना निवासी 13/58, परमट, कानपुर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री हाजी गफूर (2) अब्दुल जब्बार वल्द स्व० हाजी गुलाब सा० 105/187 चमन गंज कानपुर। (3) खलील अहमद (4) मोहम्मद अनवर पुत्रगण स्व० हाजी बच्चा (5) शाकिर उपली पुत्र स्व० हाजी भलोले सा० 105/55, चमन गंज, कानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 128/बी/95 जो बाबपुरवा (किदवाई नगर) कानपुर, में स्थित है 90,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-2-76।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जनवरी 1976

निर्देश नं० 807-ए/अर्जन/कानपुर/75-76/2585— अतः

मुख्य विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (2) विनित कुमार अग्रवाल (3) सुनीत कुमार अग्रवाल नाबालिगान बबिलायत मां श्रीमती श्याम किशोरी पत्नी ब्रजेन्द्र कुमार अग्रवाल और (4) श्रीमती श्याम किशोरी पत्नी श्री ब्रजेन्द्र कुमार अग्रवाल साकिनान 48/189, जनरल गंज कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री गुरदिता मल पुत्र लाला राम चन्द्र (2) श्रीमती रीता मलहोत्रा पत्नी मनमोहन महलोत्रा (3) मनीष कुमार (नाबालिग) द्वारा कबिलायत पिता श्री जगत मोहन साकिनान 17/3, सिविल लाईन कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 48/220 जो जनरल गंज, कानपुर में स्थित है, 80,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 19-1-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एच० एन० सेठ 48/128, जनरल गंज, कानपुर  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1976

निदेश नं० 940/अर्जन/कानपुर/75-76/2905—अतः

मुझे विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जे० पी० गुप्ता (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी गुप्ता (3) श्रीमती मुन्नी देवी गुप्ता और (4) मास्टर अरबीन्द गुप्ता निवासी 58/45, बिरहाना रोड़ कानपुर। (अन्तरिती)

3. श्री जी० एन० सेठ, श्री एच० एन० सेठ, त्रिलोकी नाथ सेठ, अमर नाथ सेठ, और सुरेन्द्र नाथ सेठ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 7/81-बी, का 1/5 अविभाजित भाग जो खनासी लाईन्स कानपुर में स्थित है, 22,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-3-76।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० 941/अर्जन/कानपुर/75-76/2906—यतः, मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टी० एन० सेठ 48/128, जनरल गंज, कानपुर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री जे० पी० गुप्ता (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी गुप्ता (3) श्रीमती मुन्नी गुप्ता और (4) मास्टर श्रवरबिन्द गुप्ता निवासी 58/45, बिरहाना रोड, कानपुर। (अन्तरिती)

3. श्री जी० एन० सेठ श्री एच० एन० सेठ, श्री त्रिलोकी नाथ सेठ, श्रमर नाथ सेठ और सुरेन्द्र नाथ सेठ। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 7/81-बी का 1/5 अविभाजित भाग जो खलासी लाईन्स, कानपुर में स्थित है, 22,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख : 20-3-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1976

निर्देश सं० 942/अर्जन/कानपुर/75-76/2907—यतः मुझे, बिजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० एन० सेठ 48/128, जनरल गंज कानपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री जे० पी० गुप्ता (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी गुप्ता (3) श्रीमती मुन्नी गुप्ता और (4) मास्टर अरवीन्द गुप्ता, निवासी 58/45, बिरहाना रोड, कानपुर (अन्तरिती)

3. श्री जी० एन० सेठ, श्री एच० एन० सेठ, त्रिलोकी नाथ सेठ, अमर नाथ सेठ और सुरेन्द्र नाथ सेठ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 7/81-बी का 1/5 अविभाजित भाग जो खवासी बाईन्स, कानपुर में स्थित है, 22,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

बिजय भार्गवा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1976]

निर्देश सं० 943/अर्जन/कानपुर/75-76/2908—यतः, मुझे विजय भार्गवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० एन० सेठ 48/128, जनरल रोड, कानपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री जी० पी० गुप्ता, (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी गुप्ता, (3) श्रीमती मुन्नी देवी गुप्ता, और (4) मास्टर अरविन्द गुप्ता निवासी 58/45, बिरहाना रोड, कानपुर (अन्तरिती)

3. श्री जी० एन० सेठ, श्री एच० एन० सेठ, त्रिलोकी नाथ सेठ, अमर नाथ सेठ और सुरेन्द्र नाथ सेठ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 7/81-बी का 1/5 अविभाजित भाग जो खलासी लार्ड्स कानपुर में स्थित है, 22,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 990/अर्जन/कानपुर/75-76/850—यतः, मुझे, विजय भार्गवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी मालती श्रीवास्तवा केलमान्त-केपियने सी० रोड, बम्बई हाल 4/276, कैलास, नवाब गंज, कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती सुहासिनी सिंह पहिन श्री बी० पी० सिंह (2) श्री जैलेन्दु कुमार सिंह (3) श्री नन्द कुमार सिंह पुत्रगण श्री बी० पी० सिंह 7/259, स्वरना नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

अधल सम्पत्ति प्लॉट नम्बर 5, जिस का क्षेत्रफल 2420 वर्ग गज है और जो 4/276 ए०, पार्वती बागला रोड, कानपुर में स्थित है, 2,42,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 9 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 888/अर्जन/आगरा/75-76/86—यतः, मुझे,  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है, मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान  
प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—156 GI/76

1. श्री मनोहर लाल सेठ पुत्र श्री जमनु राम सेठ, हन्टले  
होस्टल महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाइन्स, आगरा  
(अन्तरक)

2. श्री विपिन चन्द पुत्र श्री खूब चन्द, 61 नहरू नगर  
आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 9 क्षेत्रफल 817 वर्ग गज  
जो सूर्य नगर, आगरा में स्थित है, 49,0200 रु० मूल्य में  
हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बी० एन० चड्ढा पुत्र श्री एम० आर० चड्ढा  
निवासी 120/286 लाजपत नगर, कानपुर। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 832/अर्जन/कानपुर/75-76/87—यतः, मुझे,  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. (1) श्री किशोर लाल (2) श्री जोगेन्द्र लाल भाटिया पुत्रगण स्व० श्री मनोहर लाल भाटिया निवासी 120/843, रंजीत नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 120/286, जो लाजपत नगर, कानपुर में स्थित है, 1,15,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद ।

अहमदाबाद, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-893(311)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कपूरिया, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 166, सब प्लॉट नं० 3, टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो शेखपुर-खानपुर, गुजारात हाई कोर्ट रोड, मेट्रो कमर्शियल सेंटर, अहमदाबाद में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एन० बी० एण्ड कं० विष्णु भुवन, कडीया कुइ नाका, रिलीफ रोड, अहमदाबाद । (अन्तरक)

2. रैन बैक्सी लैबोरेट्रीस लि० रजिस्टर्ड कार्यालय :—  
प्रोखला, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिस में ग्राउंड फ्लोर पर दुकान नं० 7, 8 तथा 9 और तहखाना में दुकान नं० 8, 9 तथा 10 शामिल हैं तथा जिस का फायनल प्लॉट नं० 166, सब प्लॉट नं० 3, पी० टी० स्कीम नं० 3 है और जो उच्च न्यायालय मार्ग पर बने मेट्रो कमर्शियल सेंटर अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कपूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद का कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू : 23-I-874(356)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 192, फायनल प्लॉट नं० 229/1,  
सब प्लॉट नं० 4, है, तथा जो शाही बाग, अहमदाबाद में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख  
17-11-1975<sup>1</sup>

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक सर्वोत्तम भाई हाथीसिंह, (2) श्री जनक  
सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह, शाहीबाग, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. प्रस्तावित नंदन बाग को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी :  
की ओर से :—

(1) श्री सोमाभाई चतुरभाई पटेल, मनुभाई नी चाल,  
जहांगीरपुरा, असारवा, अहमदाबाद।

(2) श्री जयंतीलाल सोमाभाई पटेल, असारवा सोसायटी,  
नए सिविल अस्पताल के पास, असारवा, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2426  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 192, फायनल प्लॉट नं०  
229/1, सब प्लॉट नं० 4, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा  
जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी ब्यू-23-आई०-1007(307)/1-1/  
85-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 192, फायनल प्लॉट नं० 229,  
सब प्लॉट नं० 3, टी० पी० एस० नं० 14, है, तथा जो  
शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दीपक सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह, (2) श्री जनक  
सर्वोत्तम भाई हाथीसिंह, शाही बाग, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री सोमाभाई कुबेरदास पटेल, उमीया नगर, सोसायटी,  
असारवा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 400  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 192, फायनल प्लॉट नं०  
229, सब प्लॉट नं० 3, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो  
शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ए. सी० व्यू० -23-आई०-1008 (358)/  
1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 192, फायनल प्लॉट नं० 229  
(भाग) सब प्लॉट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 14, है, तथा जो  
शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक सर्वोत्तम भाई हाथीसिंह, (2) श्री जनक  
सर्वोत्तम भाई हाथीसिंह, शाहीबाग, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री जीवाभाई अम्थाराम पटेल, उमीया नगर सोसायटी,  
असारवा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 440  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 192, फायनल प्लॉट नं०  
229(भाग) सब-प्लॉट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 14 है  
तथा जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू -23-आई-879 (386)/1-1/75-76--यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 583, सब प्लॉट नं० 1, टी० पी० एस० नं० 3, है, जो एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री नवनीतलाल साकरलाल शोधन,  
(2) श्री नंदकिशोर साकरलाल शोधन,  
(3) श्री सौरभ नवनीत लाल शोधन,  
(4) श्री हर्षे नवनीत लाल शोधन,  
(5) श्री कश्यप आनंदीभाई ठाकुर,  
(6) श्री हर्षवदन हथी सिंह शाह, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री रजनीकांत जयकिशन दास सोनी,  
(2) बकूला रजनीकान्त सोनी, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 652 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 583, सब प्लॉट नं० 1, टी० पी० एस० नं० 3, है तथा जो गांधी ग्राम रेलवे स्टेशन के पीछे, नगरी आई अस्पताल के पास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-76  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-आई०-897(408)/1-1/75-76—यत्, मुझे, जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रूपए से अधिक है  
और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 583, सब प्लॉट नं० 7,  
टी० पी० एस० नं० 3, है, तथा जो नगरी अस्पताल के पास,  
एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री नवनीतलाल साकर लाल शोधन,  
(2) श्री नंद किशोर साकर लाल शोधन,  
(3) श्री सौरभ नवनीत लाल शोधन,  
(4) श्री हर्ष नवनीतलाल शोधन,  
(5) श्री कश्यप आनंदीभाई ठाकुर,  
एलिस ब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)
2. बालकृष्ण ट्रस्ट, ट्रस्टी : श्रीमती कमलाबेन बालकृष्ण  
दोशी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 653  
वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 583, सब प्लॉट  
नं० 7, टी० पी० एस० नं० 3, है तथा जो नगरी अस्पताल  
के पास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-5-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू-23-आई०-871(409)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 81-बी० है, तथा जो थलतेजी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—156 जी आई/76

1. श्री बाई जडी विधवा श्री बेचलजी नेवलजी, (2) श्री सोमाजी बेचरजी, थलतेज गांव, तालुका : दसक्रोई, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री अनुभाई प्रेम चंद शाह, 15, मेघदूत फ्लैट्स, टाईम्स आफ इण्डिया के पीछे, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 1 14338.50 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 81-बी है तथा जो थलतेज गांव, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/626—

यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुलाब बाई पति चन्द्र कुमार कोठारी निवासी  
बजाज खाना इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमती सूर्यबाई पति पंजूलाल जैन निवासी ग्राम कसरावद  
तह० कसरावद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल (प्लॉट नं० 15 कुआर मेडली, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-4-1976

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एस्वी०/भोपाल/76-77/627—यतः, मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिवजी भाई पिता भावजी भाई पटेल निवासी नौलखा प्लॉट नं० 17 टी० एस० इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री रतनसी भाई पिता सोमजीभाई निवासी 18 नौलखा इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 17 का सामने का भाग स्कीम नं० 31 रुट नं० 6 व 7 जो कि नौलखा इन्दौर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 28 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/  
628—यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मथुरा प्रसाद आत्मज स्व० बद्री लाल अग्रवाल  
निवासी गली काजी पुरा भोपाल (अन्तरक)

2. श्री राम स्वरूप अग्रवाल आत्मज स्व० बद्री लाल जी  
अग्रवाल निवासी इतबारा रोड, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 42 घाट नं० 92 का पश्चिमी भाग जो कि इतबारा रोड भोपाल में स्थित है।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-4-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-76-77  
645—अतः मुझे, बी० के सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है, जो सतना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अनिता देवी पत्नी भारमल भट्टाचार्य ग्राम पडारा  
हुजूर रीवा (पो० आ०)

2. श्री नारायण दास पुत्र तारा भद्र 3. श्री रहदेवी दास  
पुत्र तारा भद्र

4. नवीन मोहन पुत्र श्री राम भट्टाचार्य

5. विजय बिहारी पुत्र विपुरी बिहारी

6. सुबोध कुमार पुत्र श्री राम भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कृष्ण सा मिल्स द्वारा श्री विधा सागर तनय  
राधा कृष्ण साकिन सतना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 38.214 वर्ग फुट जो कि कुनवार टांकिज  
रोड़ सतना में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 18-5-1976

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 मई 1976

सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-76-77/648/—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो लश्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कंचन माला फाल्के पति अबाजी राव उर्फ अन्ना साहब

(2) श्री उमय सिंह राव

(3) राजेन्द्र राव पुत्र श्री अबाजी राव फाल्के निवासी फाल्के का बाजार लश्कर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री बिहारी लाल

(2) श्री योगेन्द्रकुमार (अवस्थक) पुत्र श्री बिहारी लाल

(3) श्री बिहारी लाल पुत्र भगवान दास, फाल्के का बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति (प्लॉट का भाग; जोकि फाल्के का बाजार लश्कर में स्थित है जिसका निगम न० 24/908/3 है।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 25-5-76

मोहर:

प्रसूत आई० टी० एम० एस०

1. श्रीमती चट्टा कुमर बाई पत्नी श्री वीप सिंह राजपूत  
30, राधागंज, देवास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मई 1976

2. श्री ओम प्रकाश गर्ग पुत्र श्री कन्हैया लाल गर्ग  
386, एम० जी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/656—

अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

अनुसूची

नगर पालिका गृह क्रमांक 18/2, बधवाली चौकी, इन्दौर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 31-5-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रमेश चन्द्र बहेली पुत्र श्री बाबूलाल बहेली, 8 बाम्बे-  
आगरा रोड़ इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1976

2. श्री घनश्याम बहेली पुत्र श्री बाबूलाल बहेली, 8 आगरा-  
बाम्बे रोड़ इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल-76-77/657/—  
प्रतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट का भाग है, जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट का भाग क्रमांक 8 जो कि 8-बी से जाना जाता है  
आगरा-बाम्बे रोड़ इन्दौर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-5-1976  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/658/  
—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14-156 GI/76

1. श्री दया शंकर शर्मा पुत्र श्री सारंग दास जी शर्मा,  
60 बड़ा-सराफा, इन्दौर। (अन्तरक)

2. (1) श्री विनोद कुमार

(2) श्री प्रमोद कुमार

(3) श्री अशोक कुमार सभी पुत्र श्री गया शंकर शर्मा  
निवासी 576/16, एन० जी० रोड इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 158 जो कि कंचन बाग, साउथ तुकीगंज, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/611  
अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० दो मंजिला मकान विवरण नं० 26/1, 2, 3,  
जो मोहल्ला महावीरपुर बरखेड़ी नगर निगम वार्ड नं० 26  
भोपाल है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 14-11-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शीला खुराना पत्नी श्री राम लुभाया खुराना,  
निवासी आजाद पंजाब होटल, हमीदिया रोड, भोपाल।  
(अन्तरक)

2. (1) लेफ्टि० कर्नल सयद अब्दुल रहीम पुत्र स्व०  
श्री सयद अब्दुल अजीज।

(2) श्रीमती जोहरा खातून पति श्री सयद अब्दुल  
रहीम निवासी अहमदाबाद पैलेस, भोपाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

दो मंजिल मकान विवरण सं० 26/1, 2, 3, जोकि मोहल्ला  
महावीरपुरा बरखेड़ी वार्ड नं० 26 में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०एक्सी०/भोपाल/76-77/फान० 607—  
अतः, मुझे, वि० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन व मकान है, जो डोंगरगढ़ में स्थित है।  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डोंगरगढ़ में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

- अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) सेठ महादेव प्रसाद पुत्र सनेही लाल  
(ii) सेठ राधाकृष्ण पुत्र ओमकार मल  
(iii) सेठ सीताराम पुत्र लाच्छीराम  
(iv) सेठ गोवर्धनदास पुत्र रामेश्वर लाल निवासी जैन  
स्तम्भ, डोंगरगढ़ (अन्तरक)

2. सेठ हनुमान प्रसाद पुत्र जुगल किशोर अग्रवाल द्वारा मेसर्स  
श्री कृष्ण राईस एंड दाल मिल डोंगरगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मिल जिसमें मशीनें हैं बिल्डिंग के साथ जमीन भी है जो  
कि डोंगरगढ़ में स्थित है।

वि० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

1. श्री नारायण दास पुत्र गुरियामल सिधी नगापारा रायपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

2. श्री मंगल लल पुत्र गुरियामल सिधी द्वारा मैसर्स गुरु नानक टेडर्स, महारपारा रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/76-77/फ० नं० 604-अतः मुझे, बी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

111.7 शमलव का प्लॉट जोकि सुखवारिया बाजार, गुठिमारी रायपुर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 2-4-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री नारायण दास पुत्र गुरियामल सिन्धी, नगर पारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री मंगलमल पुत्र गुरियामल सिन्धी द्वारा मैसर्स गुरु नानक ट्रेडर्स महारपारा रायपुर ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

निर्देश सं० आई०ए० सी० एवबी०/भोपाल/76-77/फा० नं० 606—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

0.76 डेसीमल का प्लॉट जोकि सुखवारिया बाजार, गुधियारी, रायपुर में स्थित है ।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 2-4-1976  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/76-77/  
फा० नं० 605—प्रतः मुझे, बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है जो बेतुल में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बेतुल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 12-11-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जगरानी बाई बेबा पत्नी बदरी प्रसाद गुप्ता,  
निवासी दुर्ग फेयर डील एजेंसीज कल्पना हाउस, स्टेशन रोड  
दुर्ग।

(अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर प्रसाद पुत्र श्री जगन्नाथ गुप्ता, निवासी  
बेतुल गंज, बेतुल (मध्य प्रदेश)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जोकि गणेश बाई बेतुल गंज बेतुल में  
स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए०सी० एम्बी०/भोपाल/76-77/का० नं०  
608—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-75  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री मंगीलाल पुत्र बोदरजी  
(ii) श्री शिव नारायण पुत्र बोदरजी  
(iii) श्रीमती गोदावरी वाई बेवा पत्नि बोदरजी  
कुलमी निवासी ग्राम खजराना, इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. श्री जगदीश पुत्र नन्वलाल जी अवाले निवासी-37  
हाथीपाला रोड, इन्दौर। श्री चन्दू लाल पुत्र मूलचन्द्र जी  
निवासी-337 जवाहर मार्ग इन्दौर द्वारा समता-गृह निर्माण  
सहकारी समिति, 41, सविन्द नगर कनाडिया मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रश्न :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 4.67 एकड़ जो कि खजराना ग्राम इन्दौर  
में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1976

निर्देश सं० आई० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/642-642—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जम्बुकुमार सिंह पुत्र श्री आर० वी० सेठ राजकुमारी सिंह जी कौशजीवाल इन्द्रा भवन टुकोगंज इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती उषा मेहता पत्नी श्री एस० आर० मेहता 108 तिलकपथ इन्दौर-4।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 1 कंधनबाग, साउथ टुकोगंज इन्दौर।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-5-1976

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/639—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी वं० प्लॉट नं० 8 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—156GI/76

1. लेफ्टी० कर्नल श्री मुकुन्द पुत्र श्री आतमा राम जी अतले निवासी मकान नं० 41 मानिके चौक इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) पीताम्बर (2) श्री वतुंभुज पुत्र श्री शिरमल जी पगरानी निवासी 75 विधानपुरी इन्दौर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 8 विधानपुरी कालौनी इन्दौर म० प्र०।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 10-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एवबी/भोपाल/76-77/643—अतः, मुझे बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रतिभा शशन पत्नी श्री चिरंजीत लाल शशन निवासी रवीन्द्रनाथ टेगोर मार्ग भकान नं० 151, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री राम प्रसाद जी सूद निवासी इन्टर नेशनल स्टील फाउन्ड्री इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-5-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/641---

अतः, मुझे वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 72 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मीनाक्षी आर० मेनन, 72 बलम्भ नगर, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. श्री टी० शंकरन कुट्टी, 205 वी० टी० रोड कलकत्ता नं० 700035।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 72 बलम्भ नगर, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-5-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/640—

अतः, मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 121-अ है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कौशल्या बाई पत्नी श्री अर्जुन दाम 121 अ बैराठी कालानी नं० 2 इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री हीरालाल कुन्दनलालगुरुनाथी 41/3 तोपखाना इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

**अनुसूची**

मकान नं० 121-अ, बैराठी कालानी नं० 2 इन्दौर।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-5-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जून 1976

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/1543/75-76--यतः, मुझे  
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 30/100 भाग प्लॉट नं० 17-सी, करतार  
सिंह सराभा नगर है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1975  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरप्रीत कौर, पत्नी श्री जसवन्त सिंह, निवासी  
किला राय पुर तहसील और जिला लुधियाना (अन्तरक)
2. श्री दर्शन सिंह खटड़ा, पुत्र श्री मल सिंह खटड़ा, निवासी  
319, डाक्टर शाम सिंह रोड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्त धरी के  
पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

सं० 30/100 भाग प्लॉट नं० 17-सी जो कि करतार सिंह  
सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 126—मिन

खाता नं० 206/267,

जमाबन्दी 1964-65।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के किलेख नं० 5300 अक्टूबर  
1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में  
लिखा है)।

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जून 1976

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/1544/75-76—यतः, मुझे ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 40/100 भाग प्लॉट नं० 17-सी, करतार सिंह सराभा नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसवन्त सिंह, पुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी लधड़ा तहसील समराला, जिला लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह खटड़ा, पुत्र श्री मल सिंह खटड़ा, 319—डाक्टर शाम सिंह रोड़, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40/100 भाग प्लॉट नं० 17-सी, जो कि करतार सिंह सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 126—मिन,

खाता नं० 206/267,

जमाबन्दी 1964-65,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 5313 अक्तूबर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जून 1976

निर्देश सं० लुधियाना/सी/1545/75-76—यतः, मुझे, ग० प० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30/100 भाग प्लॉट नं० 17-सी, करतार सिंह सराभा नगर है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती हरप्रीत कौर, पत्नी श्री जसवन्त सिंह, निवासी किला राय पुर, तहसील समराला, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह खट्वा, पुत्र श्री मल सिंह खट्वा, 319, डाक्टर शाम सिंह रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

30/100 भाग प्लॉट नं० 17-सी, जो कि करतार सिंह सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 126—मिन

खता नं० 206/267

जमाबन्दी 1964-65

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5348 अक्तूबर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9 बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जून 1976

निदेश सं० पटियाला/1954/75-76--यतः, मुझे, ग०  
प० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन  
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक  
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल है तथा जो गांव  
सनौर, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री अतर सिंह, निवासी गांव  
सनौर, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री

(i) ओम प्रकाश सिंह

(ii) गुरमीत सिंह

(iii) सोहन सिंह

(iv) अमरीक सिंह

(v) राम राज सिंह

पुत्र रौनक सिंह

निवासी गांव सनौर, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल जो कि गांव सनौर जिला पटियाला  
में स्थित है।

खेबट खाता नं० 467/539

खसरा नं० 59/9/8-0, 10/8-0, 11/8-0, 12/8-0।

किल्ले 4

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3227, नवम्बर  
1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में  
लिखा है।

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 5-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 26 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए०-1725/गौ०/76-77/89-99—अतः मुझे;  
एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 964 के० पि० पत्ता नं० 2  
है तथा जो जू रोड गौहाटी (आसाम) में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-75 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-156 GI/76

(1) श्री सत्यनारायण सिकारिया कैप्सी बाजार, गौहाटी।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स क्रेन लिफ्टस, सराफ बिल्डिंग, ऐ० टी०  
रोड, गौहाटी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन कि माप 2 बिघा और 15½ लेचा जो कि गांव  
जापरिगोड़ मौजा बेलटोला, शहर गौहाटी, जिला कामरूप  
(आसाम) जू रोड, गौहाटी-3 में स्थित है।

एगबर्ट सिंग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 26-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 मई, 1976

निर्देशनं० 1565:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो ग्रीन पार्क जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इक्वाल जीत सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह, 17 डिफेंस कालोनी, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री हरदेव सिंह सुपुत्र बन्ता सिंह सुपुत्र श्री वंसत सिंह निवासी समराय, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित, है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6343 अक्टूबर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 26-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 मई 1976

निर्देश नं० 1566—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री दलीप सिंह, नकोदर मोहल्ला गुजरा दाँ कोठा नजदीक बी०डी० अोज दफ्तर (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह, सुपुत्र श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री बतन सिंह, नकोदर, मोहल्ला गरीया (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1690 अक्तूबर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 28-5-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जून 1976

निदेश नं० 1568 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मकसुदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति जगीर कौर पत्नी श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री नारायण सिंह निवासी चक जिन्दा, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अग्रवाल ककर प्राईवेट लिमिटेड, एस०-147 इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6812 नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-6-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जून 1976

निदेश नं० 1569 :— अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर  
में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कैप्टन गुरदेव सिंह सुपुत्र श्री बरयाम सिंह, एन०  
डी०-85, विक्रम पुरा, जालन्धर शहर  
(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द, 192,  
न्यू जवाहर नगर, जालन्धर  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6800 नवम्बर,  
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जून 1976

निदेश नं० 1570 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसवंत सिंह सुपुत्र श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री हजार सिंह जी० ए० श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री हजार सिंह सुपुत्र श्री सुलिन्द्र सिंह निवासी जगन तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री मिथ्यू सिंह सुपुत्र श्री खेता सिंह  
2. बचन सिंह सुपुत्र श्री मिथ्यू सिंह, निवासी  
बस्ती मिथ्यू जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है 'वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6705, नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जून 1976

निर्देश नं० 1571 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश चन्दर, विजय कुमार सुपुत्र श्री पं० टी० बिहारी लाल मोहल्ला शिव नगर, इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर । (अन्तरक)

(2) जय उद्योग टरेडिंग कारपोरेशन, इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर शहर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 6648, अक्टूबर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 17-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जून 1976

निदेश नं० 1572 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, नवम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कैप्टन गुरुदेव सिंह सुपुत्र श्री वरयाम सिंह एन० डी० 85 विक्रम पुरा, जालन्धर शहर जी० ए० श्री लखजीत सिंह पुरेवाल, करोलबाग, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री करतार चन्द सुपुत्र श्री विशान दास, 192, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर शहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6799 नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 जून, 1976

निर्देश सं० 117/76-77/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे,  
पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जवली ग्राम के सं० नं० 15, 16/1, 18, 163, 164/2, 17, 22, 153 और बालूर ग्राम का सं० नं० 1 है, जो चिकमगलूरे जिल्ले के जवली और बालूर ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूडिरोरे डोक्युमेंट नं० 554 के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
17-156GI/76

1. श्री जी० एम० मोहन आग्रो प्रावेट लिमिटेड,  
लाल बाग रोड, बेंगलूर। (अन्तरक)

2. श्री के० टी० भराप, मैनेजिंग पार्टनर बालूर एस्टेट  
रत्नागिरी रोड चिकमगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

काँफी एस्टेट जो तालूक मूडिगेरे होबली बालूर के ग्राम बालूर और जवली में स्थित है।

(1) बालूर ग्राम	—सं० नं०	1-326-एकड़	ए० गुं०
			2-28
		16/1-	9-08
		18-	3-37
		163	1-00
		164/2	5-00
		17	20-38
		22	20-39
		153	1/21

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
[अर्जन रेंज धारवाड़]

तारीख : 25 जून, 1976

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th May 1976

No. A.35017/1/73-Admn.II.—On the expiry of his deputation period as Accounts Officer in the Commission's Office, the services of Shri A. K. Munshi, a permanent SAS Accountant in the office of the A.G.C.R., are replaced at the disposal of Accountant General Central Revenues, with effect from the afternoon of 12th March 1976 (A.N.).

Shri Munshi has been granted 82 day days earned leave with effect from 11th March 1976 to 31st May 1976 (both days inclusive). On the expiry of his leave Shri Munshi will report to the A.G.C.R.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secretary

for Secretary  
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND  
ADMINISTRATIVE REFORMS  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th June 1976

No. PF/A-3/67-AD.I.—Shri A. B. Mukherjee, relinquish charge of the office of Inspector of Police, CBI, GOW, Calcutta, with effect from the afternoon of 2nd March 1976 and proceeded on L.P.R. for 120 days w.e.f. 3rd March 1976 to 30th June 1976.

Shri Mukherjee will retire from Govt. service on superannuation with effect from 30th June 1976 (A.N.).

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (F)  
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110001, the 19th June 1976

No. O-II-1036/75-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi, as J.M.O. in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 6th June 1976.

2. Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi is posted to 2nd Base Hospital, C.R.P.F., Hyderabad.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 15th June, 1976

No. 450/A.—The *ad-hoc* appointments of the following Deputy Control Officers in India Security Press will be treated as regular officiating in the following order of seniority w.e.f. 3rd April 1976 and 12th April 1976 respectively.

Sr. No.	Name	Notification under which <i>ad-hoc</i> appointments made.
1.	Shri V. Srinivasan	No. 3595/A dt. 18-3-75
2.	Shri V. G. Sane	No. 149/A dt. 23-4-76

No. 451/A.—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted), Currency Note Press (including N.C.N.P.) Nasik Road as Deputy Control Officers (Class II Gazetted post) in Currency Note Press, in the

revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis w.e.f. from 1st June, 1976:—

1. Shri B. S. Bandre
2. Shri G. N. Murthy
3. Shri V. Y. Deshpande—*ad-hoc* appointment regularised w.e.f. 1-6-1976.
4. Shri N. J. Dhivare—On regular basis in the leave vacancy of Shri V. Y. Deshpande & will continue to officiate as D.C.O. on regular basis, on retirement of Shri V. Y. Deshpande w.e.f. 1-7-1976 F.N.

N. RAMAMURTHY, Sr. Dy. General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
KARNATAKA

Bangalore, the 16th June 1976

No. ESI/A4/76-77/235.—The following officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names:

- (1) Shri D. Krishna Devamoney—1-5-1976.
- (2) Shri H. V. Venkatasubbaiah—1-6-1976.

D. H. VEERAAIAH  
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 17th June 1976

No. Admn.I/167.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, has been pleased to accord proforma promotion to Shri T. S. Vaidyanathan, Section Officer, as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3-5-1976 forenoon i.e. the date from which one of his juniors, Shri V. G. Jagannathan, Section Officer has been promoted as Accounts Officer.

M. M. NARSINGHANI  
Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 19th June 1976

No. 3220/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri T. R. S. Murthy, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as Additional Finance Adviser (Joint Secretary) to the Ministry of Finance, Department of Expenditure), will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 30-6-1976 (AN).

2. Shri T. R. S. Murthy has been granted leave preparatory to retirement for 32 days from 30th May 1976 to 30th June 1976 and refused leave for 42 days from 1st July to 11th August 1976.

No. 18283/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Durga Pada Saha, Assistant Controller of Defence Accounts (Factories), will be transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 30th November 1976 (AN).

S. K. SUNDARAM  
Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

## MINISTRY OF LABOUR

## DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad, the 16th June 1976

No. 2A(2)76-Adm.I/9603.—Shri Vinod Kumar Sarin has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in this Directorate on probation for a period of two years with effect from the forenoon of 18th March, 1976.

Sd/-. ILLEGIBLE

Director-General of Mines Safety

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS

(IRON AND STEEL DIVISION)

CUSTOM HOUSE

Madras-1, the 9th May 1876

## ORDER

SUB : Cancellation of Exchange Control Purposes copies of Import Licences Nos. (1) P/S/8564545/C/XX/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-1975 issued for Rs. 15150/- for import of Tin Plate Waste/Waste from General Currency Area and (2) P/S/8564546/R/ML/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-75 issued for Rs. 15,149/- for import of Tin Plate Waste/Waste for imports under U. K. Credit. Both the import licences were issued for the period April 74/March 75 in favour of M/s. Southern Industries No. 108/3, Walker Town, Secunderabad, A.P.

No. I&S/TP/56/AP/74.75/18807.—M/s. Southern Industries, No. 108/3, Walker Town, Secunderabad, A.P. were issued two import licences Nos. (1) P/S/8564545/C/XX/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-1975 for Rs. 15,150/- for import of Tin plate Waste/Waste from General Currency Area and (2) P/S/8564546/R/ML/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-1975 for

Rs. 15,149/- for import of Tin plate waste/Waste for imports under U.K. Credit. Both the import licences were issued for the period April 74/March 75. They have applied for the issue of Duplicate Exchange Control purposes copies of the above import licences on the ground that the same has been lost or misplaced without having been registered with any Customs authority and utilised at all. In support of their contention, the applicant has filed the affidavits.

I am satisfied that the original Exchange Control Purposes copy of the Import licences Nos. (1) P/S/8564545/C/XX/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-1975 and (2) P/S/8564546/R/ML/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-1975 have been lost and direct that a Duplicate Exchange Control purposes copies of the import licences shall be issued to the applicant. The original Exchange Control purposes copies of the Import licences Nos. 1.P/S/8564545/C/XX/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-75 and (2) P/S/8564546/R/ML/55/M/39.40/19/56 dated 5-4-75 are hereby cancelled.

C. G. FERNANDEZ

Deputy Chief Controller of Imports &amp; Exports

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 17th June 1976

No. A-17011100/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Vimal Prasad Jain Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the Hdqrs. office to officiate as Assistant Inspecting Officer (Tex.) in the N.I. Circle New Delhi w.e.f. the forenoon of the 14th April 1976 until further orders.

Shri Jain relinquished the charge of the post of Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the Hdqrs. office DGS&D New Delhi on the forenoon of 14th April 1976 and assumed charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the N.I. Circle, New Delhi on 14th April 1976 (F.N.).

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Administration)

for Director General of Supplies and Disposals

## DEPARTMENT OF SUPPLY

New Delhi, the 21st June 1976

No. A-6/76(4)/58/XV—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I with effect from the date indicated against the name of each officers :—

S.No.	Name of officer	Post held	Post in which confirmed	Date from which confirmed	Remarks
1	2	3	4	5	6
	S/Shri				
1.	P. C. Roy	Dy. Director of Inspection	Asstt. Director of Inspection/ Inspecting Officer(Engg)	11-12-62	Retired on 31-7-71 (AN)
2.	K. K. Das	Director of Inspection	Do.	11-12-62	Retired on 30-4-75 (AN)
3.	R. N. Gupta	Dy. Director of Inspection	Do.	11-12-62	Retired on 14-1-69 (AN)
4.	B. Banerjee	Do.	Do.	11-12-62	Retired on 31-1-75 (AN)
5.	Ghansham N. Gidwanl	Director of Inspection	Do.	11-12-62	
6.	C.S. Rao	Inspecting Officer	Do.	11-12-62	Retired on 23-10-70 (AN)
7.	B. T. Gulrajani	Do.	Do.	11-12-62	Retired on 30-3-75 (AN)
8.	V. V. Rangnekar	Dy. Director of Inspection	Do.	11-12-62	Retired on 30-7-74 (AN)
9.	S. C. Hazra	Do.	Do.	11-12-62	Retired on 22-1-74 (AN)

1	2	3	4	5	6
10. V. B. Alekar . . . .	Inspecting Officer	Asstt. Director of Inspection/ Inspecting Officer(Engg.)	11-12-62	Retired on 6-4-70 (AN)	
11. A. N. Kampani . . . .	Dy. Director of Inspection.	Do.	11-12-62	Retired on 31-8-75 (AN)	
12. M. Sankaralingam . . . .	Do.	Do.	24-2-68		
13. S. D. Dosaj . . . .	Inspecting Officer	Do.	1-3-68	Retired on 30-4-69 (AN)	
14. S. N. Basu . . . .	Dy. Director of Inspection	Do.	15-1-69		
15. S. G. Parange . . . .	Inspecting Officer	Do.	1-3-69	Retired on 14-12-71 (AN)	
16. S. S. Thakur . . . .	Do.	Do.	15-7-69	Retired on 16-1-71 (AN)	
17. G. Sivaraman . . . .	Director of Inspection	Do.	12-9-69		
18. P. L. Kapur . . . .	Inspecting Officer	Do.	23-12-69	Retired on 21-12-72 (AN)	
19. S. C. Kapoor . . . .	Director of Inspection	Do.	23-12-69		
20. G. S. Sarkar . . . .	Inspecting Officer	Do.	23-12-69	Retired on 19-9-72 (AN)	
21. B. S. Bakshi . . . .	Do.	Do.	23-12-69	Retired on 9-12-70 (AN)	
22. G. Balakrishnan . . . .	Dy. Director of Inspection	Do.	23-12-69		
23. S. B. Dutta . . . .	Inspecting Officer	Do.	23-12-69	Retired on 31-5-70	
24. R. S. Arora . . . .	Dy. Director of Inspection	Do.	23-12-69		
25. R. N. Dhingra . . . .	Inspecting Officer	Do.	23-12-69	Retired on 2-1-72 (AN)	
26. H. L. Ghosh . . . .	Do.	Do.	23-12-69	Retired on 30-6-75 (AN)	
27. M. B. Prabhu . . . .	Dy. Director of Inspection	Do.	23-12-69	Retired on 31-10-75 (AN)	
28. D. B. Jain . . . .	Do.	Do.	6-4-70		
29. A. N. Chatterjee . . . .	Do.	Do.	1-6-70		
30. K. L. Garg . . . .	Do.	Do.	23-10-70		
31. S. Raghunathan . . . .	Do.	Do.	10-12-70		
32. S. Subbiah . . . .	Do.	Do.	17-1-71		
33. R. C. Gupta . . . .	Do.	Do.	10-7-71		
34. R. V. Narayanan . . . .	Do.	Do.	12-11-71		
35. G. R. Bhatia . . . .	Do.	Do.	12-11-71	(Retired on 31-1-76 (AN)	
36. G. Ramdas . . . .	Do.	Do.	12-11-71		
37. B. B. Rai . . . .	Do.	Do.	12-11-71		
38. V. S. Kirpalani . . . .	Do.	Do.	12-11-71		

SURYA PRAKASH, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-700013, the 15th June 1976

No. 264(23/9)/19A(Vol. III)/76.—The following Senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

S. No.	Name of officer	Date of appointment
1.	Shri Bhagwan Singh . . . .	1-4-76 (FN)
2.	Shri Chering Wangdus . . . .	2-4-76 (FN)

No. 2586(AV)/19A.—Shri A. Vedachalam received charge of the post of Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Directorate of Health Service, Hospital for Mental Diseases, Ranchi, in the same capacity, from the forenoon of 19-4-1976.

No. 2222(BL)/19A.—Shri Bansi Lal, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10-5-1976, until further orders.

No. 2222(CC)/19A.—Shri Chandidas Chakrabarti is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12th May, 1976, until further orders.

No. 50/66(AGR)/19B.—Shri A. Govinda Rao has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey



of India on the forenoon of 1st May, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd.

No. 2222(KVC)/19A.—Dr. K. Venkataraya Chari, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th March 1976, until further orders.

No. 2222(AKS)/19A.—Shri Ashok Kumar Srivastava is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 6th April, 1976, until further orders.

No. 2222(SMS)/19A.—Shri Shilendra Mohan Saxena, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7th May 1976, until further orders.

No. 14/72/19C.—The services of the following personnel of the Geological Survey of India are permanently transferred to the Mineral Exploration Corporation Limited with effect from 31-12-1975 (AN) in the interest of the public service in accordance with the Govt. of India's instructions-3 below F.R. 14A.

Sl. No.	Name	Designation
1.	Shri S. S. Manna . . . .	Asstt. Geologist
2.	Shri Binay Ghosh . . . .	Do.
3.	Shri A. J. Rao . . . .	Do.
4.	Shri A. Abdul Rahim . . . .	Do.
5.	Shri I. M. Nautiyal . . . .	Do.
6.	Shri T. Kurian . . . .	Driller
7.	Shri P. R. Dutta Roy . . . .	Do.
8.	Shri N. J. Nath . . . .	Do.
9.	Shri B. K. Sen . . . .	Do.
10.	Shri M. Kameswaran . . . .	Do.
11.	Shri C. Zachariah . . . .	Do.
12.	Shri D. P. Deshmukh . . . .	Do.
13.	Shri J. A. K. Tareen . . . .	Do.
14.	Shri N. Ramkrishnan . . . .	Do.
15.	Shri K. M. George . . . .	Do.
16.	Shri B. K. Sahu . . . .	Shift Boss
17.	Shri A. Srinivasan . . . .	Do.
18.	Shri G. S. Poddar . . . .	Do.
19.	Shri P. R. Chowdhuri . . . .	Do.
20.	Shri M. C. Ojha . . . .	Do.
21.	Shri T. D. K. Gopal . . . .	Do.
22.	Shri C. S. Jaiswal . . . .	Do.
23.	Shri M. G. Sharma . . . .	Asstt. Chemist
24.	Shri S. B. Akolkar . . . .	Do.
25.	Shri V. P. N. Sinha . . . .	Do.
26.	Shri S. P. Singh . . . .	Do.
27.	Shri J. V. Aphale . . . .	Do.
28.	Shri D. Vaidyanathan . . . .	Do.
29.	Shri S. D. Ved . . . .	Do.
30.	Shri S. K. Sastry . . . .	Do.
31.	Shri N. S. Negi . . . .	Officer Surveyor
32.	Shri A. S. Gahir . . . .	Artist
33.	Shri V. K. Mulay . . . .	Administrative Officer
34.	Shri K. G. Ramchandran . . . .	Asstt. Adm. Officer.

The 21st June 1976

No. 2222(JMP)/19A.—Shri Jyotindra Mohan Prasad, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11th May 1976, until further orders.

No. 50/66/19B.—Shri D. K. Jai has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 17th May, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 2222(RS)/19A.—Shri Rupagosai Sinha is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th April, 1976, until further orders.

No. 2222(ASK)/19A.—Shri Abdul Sattar Khan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th May, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN

Director General  
Geological Survey of India

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th June 1976

No. A-31014(7)/73-Estt.A.—The following Officers are confirmed in the post of Mineral Officer (Int.) in the Indian Bureau of mines with effect from the dates shown against each :

*Name and Date of Confirmation :*

1. Shri G. S. Nagaraj—2-8-73.
2. Shri U. B. Krishna Murthy—2-8-73.
3. Shri B. N. Nataraja—15-11-75.

No. A-13013(21/73-Estt.A.—Shri V. P. Malik is confirmed in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from 1st February, 1975.

No. A.31013(21)/73-Estt.A.—The following Officers are confirmed in the post of Assistant Mining Engineer in Indian Bureau of Mines, with effect from 15-11-75 :

1. Shri R. Radhakrishna
2. Shri B. K. Ananthanarayana
3. Shri C. Aswathnarayan
4. Shri K. S. Krishnamurthy
5. Shri D. K. Ramchandra Rao.
6. Shri K. P. Rao.

No. A-31014(1)/75-Estt.A.—Shri A. R. Kashav is confirmed in the post of Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 15th Nov, 1975.

D. N. BHARGAVA

Controller

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

##### INDIAN MUSEUM

Calcutta-700016, the 28th May 1976

No. 4-125/76/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, hereby appoints Shri Ranjan Deka to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey, on a temporary basis with effect from the forenoon of 15th May 1976 and until further orders.

N. R. AICH  
Junior Administrative Officer

## SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 19th June 1976

No. C-5097/707.—Shri B. S. Thiagaraj, Surveyor Sel. Grade is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200

with effect from 22nd May 1976 (FN) and posted to No. 46 Party (CC), Survey of India, Jabalpur.

K. L. KHOSLA  
Colonel  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

## UNIVERSITY OF DELHI

Delhi, the 17th June 1976

No. I.A./73-74/14013.—The Annual Accounts of the University of Delhi for 1973-74 alongwith the Audit Report thereon are hereby published for information as required under Section 39(ii) of Delhi University Act, 1922 (Act VIII of 1922).

K. N. THUSU  
Registrar

Statement No. 1

*Balance Sheet of the University of Delhi as on 31-3-1974*

31-3-1973	ASSETS	31-3-1974
Rs.		Rs.
3,13,23,883	1. Buildings . . . . .	3,44,56,531
—	2. Land . . . . .	83,152
60,60,611	3. Furniture and Equipment . . . . .	78,39,066
59,81,034	4. Science Apparatus . . . . .	61,31,334
1,09,62,227	5. Books and Periodicals . . . . .	1,32,38,376
53,388	6. Sports Materials & Trophies . . . . .	53,388
	7. Gifts/Donations	
	(a) Ford Foundation	
67,72,060	{ (i) Furniture & Equipment . . . . .	1,83,36,056
	{ (ii) Books . . . . .	17,95,409
7,62,031	(b) Scientific Equipment imported under & 12 Million Indian Higher Edu. Loan . . . . .	7,62,031
	(c) Other Agencies	
27,98,874	{ (i) Furniture & Equipment . . . . .	21,26,851
	{ (ii) Books . . . . .	3,87,634
	8. Accrued Receipts	
2,48,208	(a) Fees from Students . . . . .	2,65,507
8,359	(b) Computer Centre 1620/II . . . . .	34,006
1,64,831	(c) Licence Fee Dividend etc. . . . .	1,85,334
10,00,000	9. (a) Maintenance Grant Investment Account . . . . .	—
11,938	(b) Accrued Interest on Investment . . . . .	—
94,40,850	10. (a) Provident Fund Investment Account . . . . .	2,22,00,299
3,19,289	(b) Accrued Interest on Investment . . . . .	3,59,411
8,88,000	11. Depreciation Reserve Fund Investment Account . . . . .	9,13,000
25,000	12. Publication Fund Investment Account . . . . .	51,000
30,000	13. Vice-Chancellor's Students Fund Investment Account . . . . .	34,500
21,500	14. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Investment Account . . . . .	21,500
5,15,000	15. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Investment Account . . . . .	5,15,000
4,95,000	16. Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Investment Account . . . . .	5,31,768
6,77,100	17. Sir Shankar Lal Endowment Fund Investment Account . . . . .	6,97,100
1,03,000	18. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Investment Account . . . . .	1,03,000
9,48,290	19. Other Endowment Funds Investment Account . . . . .	10,10,337
60,000	20. Science Caution Money Investment Account . . . . .	85,000
30,000	21. Library Deposit Investment Account . . . . .	3,00,000
—	22. Miscellaneous Account—Computer Centre 360/44 Investment Account . . . . .	15,00,000
9,53,579	23. Accrued Receipts—Computer Centre 360/44 . . . . .	4,95,992
	24. Advances	
16,750	(a) Permanent Advance . . . . .	27,750
8,11,828	(b) Other Advances . . . . .	3,94,778
2,34,864	(b) Conveyance Loan . . . . .	2,51,922

31-3-1973	ASSETS	31-3-1974
Rs.		Rs.
	25. <i>Cash</i>	
64,13,084	(a) Cash at Banks . . . . .	24,68,820
	(b) Cash at First National City Bank, New York out of Ford Foundation, Grant (\$ 62,464.39) . . . . .	4,68,483
1,99,222	26. <i>Sundry Debtors</i>	
7,68,613	(a) University Press Account to Maintenance Grant Account . . . . .	7,68,613
99,150	(b) University Press Account to Miscellaneous Account . . . . .	99,150
—	(c) Grant to be received from the University Grants Commission in respect of payment of Pension & Gratuity . . . . .	6,37,005
—	(d) Royalty due from Publisher. . . . .	23,165
11,11,97,563		11,96,52,268

Certified that the Grants received by the University have been utilized for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Sd./-  
Dy. Finance Officer  
University of Delhi

Sd./-  
Internal Audit Officer  
University of Delhi,  
Delhi.

Sd./-  
Finance Officer  
University of Delhi.

Sd./-  
Treasurer  
University of Delhi.

UNIVERSITY OF DELHI  
*Balance Sheet of the University of Delhi as on 31-3-1974*

31-3-1973	LIABILITIES	31-3-1974
Rs.		Rs.
5,31,61,201	1. Grants . . . . .	5,99,95,153
	2. Gifts/Donations	
1,89,71,282	(a) Ford Foundation . . . . .	2,05,99,948
7,62,031	(b) Scientific equipment imported under \$ 12 Million Indian Higher Education Loan . . . . .	7,62,031
27,98,874	(c) Other Agencies . . . . .	25,14,485
57,50,838	3. Excess of Income over Expenditure . . . . .	15,09,304
1,98,50,919	4. { (a) Provident Fund Account . . . . . (b) Contributory Provident Fund Account . . . . . (c) General Provident Fund Account . . . . . } . . . . .	2,26,12,794
3,26,202	(d) Contributory Provident Fund Account refundable to University Grants Commission. . . . .	5,37,758
2,23,341	(e) Interest Account . . . . .	3,40,162
11,95,396	5. Depreciation Reserve Fund Account . . . . .	9,18,128
57	6. Professorship Fund Account . . . . .	651
46,749	7. Publication Fund Account . . . . .	55,083
30,541	8. Vice-Chancellor's Students Fund Account . . . . .	34,633
24,659	9. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Account . . . . .	23,073
5,55,460	10. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account . . . . .	5,24,926
5,26,547	11. Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Account . . . . .	5,37,273
7,01,719	12. Sir Shankar Lal Endowment Fund Account . . . . .	7,14,024
1,14,513	13. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account. . . . .	1,07,991
10,68,768	14. Other Endowment Funds Accounts . . . . .	11,49,395
5,28,378	15. Deposit Account of Science Caution Money and Library Deposit . . . . .	6,20,600
2,03,763	16. Deposit Account of Contractor's Security . . . . .	1,68,006
12,08,779	17. Deposit Account of Scholarships . . . . .	12,76,014
3,95,405	18. Deposit Account of Research Schemes . . . . .	5,90,671
37,577	19. Deposit Account of Prizes & Endowments . . . . .	—
1,92,154	20. Other Deposit Accounts . . . . .	5,28,493
16,40,940	21. Computer Centre 360/44 . . . . .	26,45,150
2,74,800	22. Conveyance Loan Fund Account . . . . .	2,75,925
4,06,000	23. Suspense Account . . . . .	4,06,598
2,00,665	24. Accrued Payments . . . . .	2,03,999
11,11,97,563		11,96,52,268

Certified that the Grants received have been utilized for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Note : Balance Sheet of the Delhi University Press as on 31-3-1974 is appended.

Sd./-  
Dy. Finance Officer  
University of Delhi

Sd./-  
Internal Audit Officer  
University of Delhi  
Delhi.

Sd./-  
Finance Officer  
University of Delhi.

Sd./-  
Treasurer  
University of Delhi.

## AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing Accounts and the Balance Sheet of the University of Delhi and obtained all the information and explanations that I have required and subject to observations in the Audit Report appended, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and the Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the University according to the best of my information and explanations given to me and as shown by books of the University of Delhi, Delhi.

NEW DELHI  
Dated 15th November 1975

## UNIVERSITY OF DELHI

## Notes on Accounts

Sd/-  
(Harbans Lal)  
Addl. Accountant General

## 1. Item No. 7 (a) under Assets

The closing balance as on 31-3-1973 has been split up as under :—

	Rs.
(i) Furniture & Equipment . . . . .	1,69,76,651
(ii) Books . . . . .	17,95,409
Closing Balance as on 31-3-1973 . . . . .	1,87,72,060

## 2. Item No. 7 (c) under Assets and Item No. 2(c)

## Under Liabilities

The opening Balance as on 1-4-1973 has been corrected as under :—

Closing Balance under 'Other Agencies' . . . . .	27,98,874
Less : Books exhibited separately . . . . .	3,53,949
Closing Balance 'Furniture & Equipment as on 31-3-1973 . . . . .	24,44,925
Less : (i) Gifts from Ford Foundation exhibition both under Ford Foundation and under Other Agencies in the Balance as on 31-3-1973. . . . .	3,68,693
(ii) Gifts from \$ 12 Million Higher Education loan exhibited both under \$ 12 Million Higher education loan & other Agencies in the Balance Sheet as on 31-3-1973. . . . .	20,76,232
Corrected Opening Balance as on 1-4-1973 . . . . .	23,854
	20,52,378

## 3. Item No. 8 (a) under Assets and Item No. 3 under Liabilities

The Opening Balance as on 1-4-1973 has been corrected as under :—

Closing Balance under (a) fees from students . . . . .	2,48,208
Less : Ph.D. arrears for the year 1972-73 shown in excess in the Balance Sheet as on 31-3-1973 . . . . .	9,648
Corrected Opening Balance as on 1-4-1973. . . . .	2,38,560

## 4. Item No. 20 under Liabilities and Item No. 26 (c) under Assets of the Balance Sheet as on 31-3-1974.

Expenditure incurred by the University towards payment of Pension and Gratuity, hitherto included under liabilities vide item No. 20 'Other Deposit Account' has now been correctly exhibited under Assets vide Item No. 26 (c) 'Grants to be received from the University Grants Commission for payment of Pension & Gratuity'. Consequently the Opening Balance as on 1-4-1973 under this head has been corrected as under :—

Closing Balance as on 31-3-1973 . . . . .	1,92,154
Add : Expenditure towards payment of Pension and Gratuity now exhibited as Assets in the Balance Sheet vide Item No. 26(c) . . . . .	3,49,407
Corrected Opening Balance as on 1-4-1973. . . . .	5,41,561

Statement No. 2

## UNIVERSITY OF DELHI

## Income and Expenditure Account for the year 1973-74

INCOME				EXPENDITURE			
I. Maintenance Grant Account				I. Maintenance Grant Account			
	Rs.	Ps.			Rs.	Ps.	
1. Grants . . . . .	1,39,28,886-00			1. General Administration			
Less : Capitalized Expenditure . . . . .	23,31,763-24	1,15,97,122-76		(i) Pay & Allowances . . . . .		30,78,840-23	
2. Fees from Students . . . . .	63,60,976-49			(ii) Other Charges . . . . .	51,75,258-01		
Less : Realisation of previous years . . . . .	43,561-00	63,17,415-49		Less : accrued of last year since discharged during 1973-74 . . . . .	39,405-59		
3. Licence fee Dividend etc. . . . .	2,90,573-86			Add : accrued during the year 1973-74 . . . . .	21,639-49	51,57,491-91	
Less : Realisation of previous years . . . . .	41,358-75	2,49,215-11		2. Faculty of Arts & Social Sciences			
4. Library Receipts . . . . .		67,319-36		(i) Pay & Allowances . . . . .		36,59,366-65	
5. Special Receipts . . . . .		6,000-00		(ii) Other charges . . . . .	3,39,321-60		
6. Miscellaneous Receipts . . . . .	4,10,902-00			Less : accrued of Last year since discharged during the year 1973-74 . . . . .	14,437-03		
Less : (i) Realization of accrued Interest . . . . .	11,938-33			Add : accrued during the year 1973-74 . . . . .	14,859-82	3,39,744-39	
(ii) Realization of accrued receipts of Computer Centre 1620/II-Model . . . . .	7,841-86	3,91,121-81					

INCOME		EXPENDITURE		Rs. Ps.	Rs. Ps.
7. Accrued Receipts for the year 1973-74		(i) Pay & allowances			28,85,735-49
(i) Fees from Students	Rs. Ps. 70,508-00	(ii) Other Charges		4,88,269-08	
(ii) Computer Centre 1620, II	33,488-94				
(iii) Licence fee Dividend etc.	61,861-81				
		Rs. Ps. 1,65,858-75	Less : accrued of last year since discharged during the year 1973-74	90,676-98	
Total—		1,87,94,053-38	Add: accrued during the year 1973-74	78,602-08	4,76,194-18
			4. Faculty of Law		
			(i) Pay & Allowances		5,41,646-25
			(ii) Other Charges	24,133-22	
			Less : accrued of last year since discharged during the year 1973-74	4,511-69	19,621-53
			5. Faculty of Music & Fine Arts		
			(i) Pay & Allowances		3,01,362-82
			6. Faculty of Mathematics		
			(i) Pay and Allowances		2,42,043-01
			(ii) Other Charges	11,310-75	
			Less: accrued of last year since discharged during the year 1973-74	585-00	10,725-75
			7. Faculty of Medical Sciences and Technology		
			(i) Pay & Allowances		61,066-17
			(ii) Other Charges	62,024-47	
			Less: accrued of last year since discharged during the year 1973-74	346-38	61,678-09
			8. Faculty of Management Studies		
			(i) Pay & Allowances		2,12,960-06
			(ii) Other charges	50,522-04	
			Add: accrued during the year 1973-74	49,233-00	99,755-04
			9. South Delhi Campus		
			(i) Pay & Allowances		2,41,429-45
			(ii) Other charges		3,24,588-47
			10. University Library		
			(i) Pay & Allowances		5,53,430-62
			(ii) Other charges	1,14,441-54	
			Less: accrued of last year since discharged during the year 1973-74	1,473-68	
			Add: accrued during the year 1973-74	330-00	1,13,297-86
			11. W.U.S. Health Centre		
			(i) Pay and Allowances		2,18,957-66
			(ii) Other Charges	2,89,453-11	
			Less: accrued of last year since discharged during the year 1973-74	487-20	
			Add: accrued during the year 1973-74	1,533-38	2,90,519-29
			12. Gandhi Bhawan		
			(i) Pay & Allowances		10,425-22
			(ii) Other Charges	841-76	
			Less : accrued of last year since discharged during the year 1973-74	21-48	
			Add: accrued during the year 1973-74	25-63	845-91

## EXPENDITURE

	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
13. Proctor's Office				
(i) Pay and Allowances			8,999-84	
(ii) Other charges			447-39	
14. Hindi Medium Implementation Board				
(i) Pay and Allowances			2,600-80	
(ii) Other Charges			159-03	
15. Athletic Association				
(i) Pay and Allowances			68,845-49	
16. Students Union				
(i) Pay and Allowances			12,638-81	
(ii) Other Charges			8,032-17	
17. Scholarships and Exhibition			2,50,995-25	
18. Grants				
(i) University Purposes	2,03,630-31			
(ii) Academic purposes	59,432-40		2,63,062-71	
19. Works, Maintenance and Repairs				
(i) Pay and Allowances			5,07,044-87	
(ii) Other Charges	13,81,031-98			
Less : accrued of last year since discharged during the year 1973-74		48,720-00		
Add: accrued during the year 1973-74	37,755-35		13,70,067-33	
20. Printing and Binding done through University Press			4,85,360-11	
21. Miscellaneous			8,16,072-20	
22. Golden Jubilee celebration				
(i) Other Charges			39,463-81	
23. Special Allotment out of accumulated savings (Faculty of Arts & Social Sciences)				
(i) Architect fee			18,200-00	
24. On-account payment against arrears				
(i) Pay and Allowances			1,53,684-00	
Total--I			2,29,07,399-86	

## II. Plan Development Account

Grants	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
(a) Fourth Plan Schemes	24,55,888-88			
(b) Outside IV Plan Schemes	26,24,606-98			
(c) Centres of Advanced Study & Research	13,07,182-63			
Total a-c	63,87,678-49			
(d) Less: Capitalized Items	19,04,105-51	44,83,572-98		
(2) Departmental Receipts				
(a) Fees from Students		5,88,534-82		
(3) Miscellaneous		90,328-04		
Total-II		51,62,435-84		
Total I & II		2,39,56,489-12		

Excess of Expenditure over the Income

42-31,885-67

2,81,88,374-79

## II. Plan Development Account

	Rs.	Ps.
1. Fourth Plan Schemes		
(i) Pay and Allowances	17,88,546-40	
(ii) Other Charges	36,413-14	
2. Outside Fourth Plan Schemes		
(i) Pay and Allowances	14,08,982-31	
(ii) Other Charges	5,24,249-00	
3. Centres of Advanced Study & Research		
(i) Pay and Allowances	12,16,181-98	
(ii) Other Charges	2,97,913-15	
4. Miscellaneous Schemes		
(i) Other Charges	8,688-95	
Total-II	52,80,974-93	
Total I & II	2,81,88,374-79	

Statement No. 3

UNIVERSITY OF DELHI  
Abstract of Receipts and Payments—1973-74

Sr. No.	Name of Account	Receipts	Payments
		Rs. Ps.	Rs. Ps.
<b>I. MAIN ACCOUNT</b>			
1.	Maintenance Grant Account	2,40,67,665-42	2,72,46,829-38
2.	Plan Development Account	97,22,253-37	1,03,17,229-77
3.	Miscellaneous Account	1,51,29,717-32	1,54,12,314-20
	Total-I	4,89,19,636-11	5,29,76,373-35
<b>II. OTHER ACCOUNTS</b>			
1.	(i) Provident Fund Account	48,83,809-57	48,35,521-75
	(ii) Contributory Provident Fund Account	33,95,032-31	35,01,324-29
	(iii) General Provident Fund Account	3,87,368-53	2,50,240-44
	(iv) C.P.F. account refundable to University Grants Commission	2,11,556-50	—
2.	Depreciation Reserve Fund Account	7,14,362-02	10,16,630-62
3.	Professorship Fund Account	594-37	—
4.	Publication Fund Account	22,870-85	40,537-30
5.	Vice-Chancellor Students Fund A/c.	31,967-04	32,375-00
6.	Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarships Fund Account	239-32	1,825-00
7.	Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account	4,605-88	35,140-00
8.	Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Account	12,687-99	38,730-30
9.	Sir Shankar Lal Endowment Fund A/c.	54,511-68	62,206-75
10.	Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account	28,571-27	35,093-78
11.	Other Endowments Fund Accounts	99,091-10	80,510-17
12.	Science Caution Money Account	23,836-51	46,243-95
13.	Conveyance Loan Fund Account	1,38,843-30	1,54,775-58
14.	Library Deposits Account	3,76,155-68	3,49,455-00
15.	C.S.I.R. Scholarships Account	11,36,758-22	11,42,682-69
16.	U. G. C. Scholarships Account	4,61,236-11	2,48,331-88
	Total-II	1,19,84,098-25	1,18,71,624-50
	Total I & II	6,09,03,734-36	6,48,47,997-85

Statement No. 4

UNIVERSITY OF DELHI  
Cash Balance as on 31-3-1974 (as per Cash Books)

Sr. No.	Name of Account	Rs. Ps.
<b>I. MAIN ACCOUNT</b>		
1.	(i) Maintenance Grant Account	4,65,651-04
	(ii) South Delhi Campus	74,834-84
2.	Plan Development Account	10,466-05
3.	Miscellaneous Account	2,88,335-34
	Total I	8,39,287-27
<b>II. OTHER ACCOUNTS</b>		
1.	(i) Provident Fund Account	1,73,889-76
	(ii) Contributory Provident Fund Account	1,09,308-50
	(iii) General Provident Fund Account	1,10,047-31
	(iv) C.P.F. Account refunded to University Grants Commission	5,37,758-22
2.	Depreciation Reserve Fund Account	5,127-88
3.	Professorship Fund Account	651-37
4.	Publication Fund Account	4,082-78
5.	Vice-Chancellor Students Fund Account	133-12
6.	Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Account	1,573-00
7.	Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account	9,925-70
8.	Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Account	5,504-69
9.	Sir Shankar Lal Endowment Fund Account	16,923-77
10.	Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account	4,991-06
11.	Other Endowments Funds Accounts	1,39,058-79
12.	Science Caution Money Account	15,946-29
13.	Conveyance Loan Fund Account	24,003-61
14.	Library Deposits Accounts	26,700-68
15.	C.S.I.R. Scholarships Account	1,78,977-26
16.	U.G.C. Scholarships Account	2,64,929-21
	Total—II	16,29,533-00
	Total I & II	24,68,820-27

## DELHI UNIVERSITY PRESS

Balance Sheet as on 31-3-1974

As on 31-3-1973	Assets	As on 31-3-1974
Rs.		Rs.
1,96,343	Machinery, furniture & equipment	96,838
2,00,434	Composing material	82,829
8,56,301	Accrued Receipts	5,25,246
80,992	Stock in Hand	84,677
5,700	Work in progress and not billed for	26,417
500	Permanent Advance	500
39,090	Cash at Bank	44,885
3,25,940	Loss	5,95,038
980	Festival Advance	1,460
17,06,280		14,57,890
<i>Liabilities</i>		
1,62,442	(i) UGC special grant for purchase of Press	1,62,442
2,25,979	(ii) Grant out of Block Grant	2,25,979
<i>Sundry Creditors</i>		
99,150	(i) Miscellaneous Account	99,150
7,68,613	(ii) General Fund Account	7,68,613
	(iii) Advance received for work to be done	050
	(iv) Receipts relating to other departments	1,529
4,50,000	(v) Loan from Misc. Account	2,00,000
96	(vi) Deduction from salary bills (deposit account)	127
17,06,280		14,57,890

Sd/-  
Manager  
Delhi University Press  
Delhi-7

Sd/-  
Internal Audit Officer  
University of Delhi  
Delhi-7

Sd/-  
Finance Officer  
University of Delhi,  
Delhi-7

Sd/-  
Treasurer  
University of Delhi,

## UNIVERSITY OF DELHI

## Notes on Accounts :

1. Consequent on the decision of the Executive Council to charge depreciation on permanent assets of the Press to the Profit & Loss Accounts of the Press w.e.f. 1973-74, the closing balances under Machinery, furniture & equipment and composing material exhibited in the Balance Sheet as on 31-3-1973 have since been corrected so as to represent the depreciated value of the permanent assets as on 1-4-1973 :

- (a) Machinery, furniture & equipment . . . . . Rs. 98,543  
(b) Composing material . . . . . Rs. 90,272

2. The difference between the balances of the permanent assets exhibited in the Balance-sheet as on 31-3-1973 and since corrected as on 1-4-1973 vide note 1 above amounting to Rs. 2,07,962 has been added to the cumulative loss exhibited in the Balance-sheet as on 31-3-1973.

3. Value of bills relating to the previous years since cancelled and reduced during 1973-74 amounting to Rs. 74,909 has been added to the cumulative loss exhibited in the Balance-sheet as on 31-3-1973 and correspondingly reduced from the value of accrued receipts exhibited in the balance-sheet as on 31-3-73.

4. Out of the accrued receipts of Rs. 8,56,301 exhibited in the Balance-sheet as on 31-3-1973, an amount of Rs. 4,55,393 was realised during the year 1973-74. An amount of Rs. 74,909 was reduced vide Note 3 above. Out of the remaining amount of Rs. 3,25,999; records amounting to Rs. 2,19,910 are stated to be not available and is under the consideration of the Press Advisory Committee and efforts are being made to realise the balance amount of Rs. 1,06,089.



Statement No. 6

## PROFIT AND LOSS A/C OF UNIVERSITY PRESS FOR THE YEAR 1973-74

Opening Stock as on 1-4-1973

	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.		Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
1. Paper Material	74,679	83			By printing & binding (amount billed for)	5,24,590	95		
2. Binding Material	6,312	05			Sale of Waster Paper Cutting	12,587	23		
Work in progress	5,700	00	86,691	88	Total Receipts			5,37,178	18
EXPENSES :									
Pay and allowance	3,70,699	51			Work in progress and not billed for.	—		26,417	20
P.F. Contributions	23,638	58	4,08,486	99					
E.S.I. Contributions.	14,148	90			STOCK IN HAND				
MATERIALS :					(i) Paper	75,103	70		
Paper	84,106	75	99,324	06	(ii) Binding	9,572	79	84,676	49
Binding	15,217	31							
OTHER CHARGES :									
Contingency	17,285	22							
Rent, Rates & Taxes	4,628	65							
Postage	80	95	21,994	82					
			6,16,497	75					
Depreciation									
Machinery, Furniture and equipment	7,168	00							
Composing Materials	10,833	00	18,001	00					
Profit			6,34,498	75					
			13,773	12					
			6,48,271	87	Total			6,48,271	87

Sd/-  
Manager  
Delhi University PressSd/-  
Internal Audit Officer  
University of Delhi,  
Delhi-7.Sd/-  
Finance Officer  
University of Delhi,  
Delhi-7.Sd/-  
Treasurer  
University of Delhi,  
Delhi-7.

Statement No. 7

## UNIVERSITY OF DELHI

## Abstract of Receipts and Payments 1973-74

## Receipts

	Rs.	Ps.
1. Press Receipts	7,93,373	87
2. Miscellaneous Receipts	1,528	77
3. Deduction from Salary Bills	31	01
	7,94,933	65

## Payments

	Rs.	Ps.
1. Expenses	4,08,486	99
2. Materials	99,324	06
3. Other Charges	21,994	82
4. Permanent Assets	8,852	82
5. Repayment of Loans	2,50,000	00
6. Festival Advance	480	00
	7,89,138	69

Sd/-  
Deputy Finance Officer,  
University of Delhi,  
Delhi-7Sd/-  
Internal Audit Officer,  
University of Delhi,  
Delhi-7Sd/-  
Finance Officer,  
University of Delhi,  
Delhi-7Sd/-  
Treasurer,  
University of Delhi,  
Delhi-7

Statement No. 8

## UNIVERSITY OF DELHI

## Cash Balance as on 31-3-1974 (As per Cash Book)

	Rs.	Ps.
University Press Account	44,884	91

Deputy Finance Officer,  
University of Delhi,  
Delhi-7Internal Audit Officer,  
University of Delhi,  
Delhi-7Finance Officer,  
University of Delhi,  
Delhi-7Treasurer,  
University of Delhi,  
Delhi-7

*Audit Report on the University of Delhi for 1973-74.*1. *Unsold publications*

The University set up in 1963-64 a Directorate of University Book Production for translation and publication of standard books in Hindi to facilitate switch over of the medium of instruction from English to Hindi. The expenditure of the Directorate during the period 1963-64 to 1973-74 was Rs. 15.50 lakhs. The Directorate completed translation of 58 titles upto March 1974, out of which 17 titles were published at a cost of Rs. 2.41 lakhs. Out of 47,000 copies brought out upto March 1974 of the sale value of Rs. 6.10 lakhs, 31,550 copies of a sale value of Rs. 4.20 lakhs remained unsold (April 1975).

2. *Depreciation Reserve Fund.*

The University set up a Depreciation Reserve Fund in 1958 and fed it by appropriations from grants received from the University Grants Commission. The accumulated balance in the Fund as on 31st March, 1974 was Rs. 9.18 lakhs. The rules of the Fund approved by the University Grants Commission provided that the Fund may be utilised for special repairs, renewals, replacement of assets and any other special purpose that may be determined by the Executive Council. The University spent Rs. 5.12 lakhs out of the Fund during 1972-73 and 1973-74 for replacing a bungalow by constructing a new administrative building without obtaining the prior approval of the University Grants Commission for incurring the expenditure which is not in the nature of renewal/replacement expenditure.

3. *Advances*

Rs. 1.15 lakhs advanced by the University to its various departments for meeting contingent and travel expenses remains un-adjusted (August 1975) in 121 cases as per yearwise break-up given below :—

Year	No. of cases	Amount
(in lakhs of rupees)		
1965-71	50	0.23
1971-72	12	0.07
1972-73	17	0.16
1973-74	42	0.69
	121	1.15

4. *Bank Reconciliation*

(i) Credits of Rs. 6.87 lakhs relating to General Fund, Plan Development and Miscellaneous accounts on account of deposits made in the bank were not afforded by the bank. These included Rs. 0.21 lakh deposited upto March 1970. The balance of Rs. 6.66 lakhs related to period 1970-71 to 1973-74.

(ii) Wrong debits and credits of Rs. 2.17 lakhs and Rs. 9.98 lakhs respectively were afforded by the bank to the General Fund, Plan Development and Miscellaneous accounts. Out of wrong credits of Rs. 9.98 lakhs, Rs. 0.11 lakh related to the period upto March 1970 and balance of Rs. 9.87 lakhs related to the period 1970-71 to 1973-74. Wrong debits of Rs. 2.17 lakhs pertained to the period 1970-71 to 1973-74.

The University stated (April 1975) that it had "enormous difficulty in doing bank reconciliation work promptly and regularly as the State Bank of India has not been sending promptly the bank statements". The University also stated that "delay in respect of bank statements was also reported to the Secretary and Treasurer of the local Head Office of the State Bank of India in December 1974".

*Audit Certificate*

I have examined the foregoing Accounts and the Balance Sheet of the University of Delhi and obtained all the information and explanations that I have required and subject to observations in the Audit Report appended, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and the Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true

and fair view of the state of affairs of the University according to the best of my information and explanations given to me and as shown by books of the University of Delhi, Delhi.

HARBANS LAL  
Addl. Accountant General

New Delhi.

Dated 15th November, 1975

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 15th June 1976

No. A-12026/3/75-Est.I.—Consequent on his repatriation to his parent department, Shri K. Rajagopalan, Accounts Officer, Films Division, Bombay, relinquished charge on the 7th June, 1976 (F.N.).

2. Shri V. R. Peswani, Officiating Superintendent, Films Division, Bombay has been appointed to officiate as Accounts Officer in the same office from the 7th June, 1976 (FN) until further orders.

M. K. JAIN  
Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi, the 16th June 1976

No. A.31014/3/75-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint the following Officers substantively to the grade of Senior Artist in this Directorate with effect from the 1st June, 1976 :—

1. Shri Pukhraj Bahadur
2. Shri J. K. Pathak
3. Shri D. T. Jagtap
4. Shri C. K. Parameswaran
5. Shri B. K. Pal Chowdhury
6. Shri Gopal Krishan Guglani
7. Shri N. K. P. Muthu Koya.

A. N. CHHIBBER  
Section Officer  
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th June 1976

No. A. 22012/22/76-CHS.I—Consequent on their transfer, the following C.H.S. Officers relinquished/assumed charge of their posts in the Willingdon/Safdarjang Hospitals with effect from the dates shown against each :—

Name and category of the post.	Relinquished charge of the post of.	Assumed charge of the post.
1. Dr. (Kum.) Prabha Mohan, G.D.O. Grade II ad-hoc	J.M.O. in the Safdarjang Hospital New Delhi on the afternoon of the 21st April, 1976.	J.M.O. in the Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi on the forenoon of the 22nd April, 1976.
2. Dr. M.K. Dey, G.D.O. Grade II of the CHS.	J.M.O. in the Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi on the forenoon of the 22nd April, 1976.	J.M.O. in the Safdarjang Hospital, New Delhi on the forenoon of the 22nd April, 1976.

R. N. SINHA, Director of Administration & Vigilance.

New Delhi, the 18th June 1976

No. A.12022/3/76(HQ)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Kapur, Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services to the post of Deputy Director General (Stores) in the same Directorate with effect from the forenoon of 22nd May 1976 on an *ad hoc* basis and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Deputy Director General (Stores), Shri P. C. Kapur relinquished charge of the post of Asstt. Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 22nd May 1976.

No. A. 12024/2/76(SJH)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Inderjit Singh to the post of Dentist Maxillofacial (Prosthodontist), Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of 31st March, 1976, on an *ad hoc* basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Dentist Maxillofacial (Prosthodontist), Safdarjung Hospital, New Delhi, Dr. Inderjit Singh relinquished charge of the post of Dental Surgeon, in the same Hospital on the forenoon of 31st March, 1976.

The 19th June 1976

No. 6-4(MKB)/Leave/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Krishna Basra to the post of Librarian Grade I in the Dte. General of Health Services, New Delhi, with effect from the forenoon of the 10th May, 1976 to the 3rd July, 1976, *vice* Shri M. K. Bhatt on leave.

No. 13-3/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Inderjit Singh in a substantive capacity to the permanent post of Dentist at the Safdarjung Hospital, New Delhi w.e.f. the 14th September, 1973.

The 27th June 1976

No. 6-32/75-DC.—On attaining the age of superannuation Dr. D. Ghosh, relinquished charge of the post of Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta on the afternoon of the 31st January, 1976.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 18th June 1976

Ref. No. 5/1/76/Estt.II/1339.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Anant Kashinath Katre, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 4th March 1976 (FN) to 30th April 1976 (AN).

S. KRISHNAMURTHY  
Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 10th June 1976

Ref. No. HWP/Estt/I/S-25/3576.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appointed Shri Shivputra Revappa Shidiyali, officiating Assistant Accountant of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project w.e.f. January 16, 1976 until further orders. This supersedes this office notification No. HWP/Estt/I/S-25/1014 dated February 17, 1976.

The 14th June 1976

Ref. No. HWP/Estt/I/T-1/3655.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vijay Gajanan Tamhane a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of the Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Baroda) w.e.f. April 23, 1976 (FN) until further orders *vice* Shri C. R. Valia Assistant Accounts Officer, repatriated to TAPS.

The 19th June 1976

No. 05032/76/3804.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Baldevbhai Haribhai Patel, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY  
Senior Administrative Officer

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 9th June 1976

No. 18(63)/76-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri Sadananda Bhandary, a temporary Supervisor, as Scientific Officer/Engineer SB in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976 until further orders.

K. BALAKRISHNAN  
Administrative Officer

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 8th June 1976

No. DPS/A/11013/65/75/Est.7650.—In continuation of this Directorate notification of even number dated March 17, 1976, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoint Smt. B. Shakuntala, a permanent S.R.A.S., Senior Auditor in the Indian Audit Department on deputation to this Directorate as a temporary Assistant Accounts Officer in the Madras Regional Accounts Unit as a temporary Accounts Officer-II in the same Directorate for a further period ending July 20, 1976 (AN) or till such time a regular person is appointed to the said post, whichever is earlier.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th June 1976

No. E(I)04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Dutta, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 21st May 1976 to 17th August 1976.

Shri A. K. Dutta, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05132.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Banerjee, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 21st May 1976 to 17th August 1976.

Shri Banerjee, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th June 1976

No. A-32013/16/75-E(H).—The President is pleased to appoint Shri H. B. Singh, Deputy Director, Air Safety, in the Civil Aviation Department as Director of Aircraft Inspection, Kanpur with effect from the 17th May 1976 and until further orders.

T. S. SRINIVASAN  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 21st June 1976

No. A.32013/5/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. H. Khan, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Gaya to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis with effect from the 21st May 1976 and until further orders, and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta-52.

No. A. 32014/2/75-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants as Assistant Technical Officer in the Aeronautical Communication organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against each :—

S.No.	Name	Date from which appointed	Station to posted.
1.	Shri V. S. Rajgopalan	1-5-76 (FN)	A.C.S. Madras
2.	Shri V. Krishnamurthy	1-5-76(AN)	C.A.T.C., Allahabad.
3.	Shri P. C. Kapoor	22-5-76 (FN)	ACS, Delhi Airport, New Delhi.
4.	Shri R. Srinivasan	27-5-76(FN)	A.C.S., Calcutta.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director (Administration)

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 8th June 1976

C. No. II (7) 5-ET/75/5455—The following Superintendent of Central Excise, Group "B" Gazetted post of Patna Central Excise and Customs Collectorate have retired from service on Superannuation with effect from date and hour indicated against each.

S. No.	Name	Date of Superannuation
1.	Shri B. Thakur	30-4-76(A.N.)
2.	Shri Brijnandan Pd.	30-4-76(A.N.)

H. N. SAHU,  
Collector, Central Excise Patna

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 16th June 1976

No. 27-EE/G(5)69-EC.II.—Shri O. N. Goyal, formerly executive Engineer (Elect.) P.W.D. Elect. Division No. III, Delhi Admin., New Delhi, expired on 5-5-1976.

P. S. PARWANI  
Dy. Director of Admin.

#### SOUTH CENTRAL RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Secunderabad, the 9th March 1976

No. P(Gaz)185/Accounts.—The following Officers of the Indian Railway Accounts Service of this Railway are con-

firmed in Junior Scale of that service with effect from the dates indicated against each :—

- (1) Shri N. M. MURUMU (expired on 8-5-75) from 24-10-1968.
- (2) Shri S. PARTHASARATHY from 06-07-1972.
- (3) Smt. GEETHA THOOPAL from 11-07-1973.

K. S. RAJAN  
General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

##### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Venkateswara Tiles Private Limited*

Hyderabad-1, the 15th June 1976

No. 1254/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Venkateswara Tiles Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN  
Registrar of Companies  
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Rati Finance Private Limited*

Delhi, the 17th June 1976

No. 3669-10275.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rati Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Anmol Private Limited*

The 19th June 1976

No. 2419-10474.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Anmol Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

M. M. S. JAIN  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi, & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Assam Supply Private Limited*

Shillong, the 18th June 1976

No. 683/560/1437.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Assam Supply Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHTHA  
Registrar of Companies  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

Coimbatore, the 18th June 1976

No. 3139/Liqn/S.247(4)/76.—Whereas “The Utilities (India) Limited” (In Liqn.) having its registered office at “114/F.6, Nadar Buildings Trichy Road, Coimbatore is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statement of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of 247 of the Indian Companies Act, 1943 notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of “The Utilities India Limited” will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

Madras, the 18th June 1976

No. 5141/Liqn/5-560(4)/76.—Whereas “Towerlines Private Limited” having its registered office at No. 299, N.S.C. Bose Road, Madras-1 is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statement of

accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of “Towerlines Private Limited” will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA  
Additional Registrar of Companies  
Tamil Nadu

---

DIRECTORATE OF O&M SERVICES  
(INCOME-TAX)

New Delhi, the 27th March 1976

F. No. 9/302/76-DOMS/1770.—Consequent on his transfer from deputation as Director of Investigation, Monopolies & Restrictive Trade Practices Commission, New Delhi, Shri R. D. Saxena I.R.S. (Income-tax) assumed the charge of the office of the Deputy Director, in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi, on the forenoon of 27th March, 1976.

H. D. BAHL  
Director of Organisation &  
Management Services (I.T.)  
New Delhi

FORM ITNS—

(1) Shri Bandi Sobhanachalam,  
S/o Sitambaram, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th June 1976

Ref. No. Acq.File No. 341 J. No. KR.193/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. Nos. 32/1 to 32/5 situated at Digavalli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 15-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- S/Shri
- (2) 1. Kethe Ramachandrayya  
2. K. Venkatanarasayya  
3. K. Krishnayya  
4. K. Seetharamayya  
5. K. Madhavarao  
S/o Abbulayya, Digavalli village, Nuzvid Taluk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2049/75 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid during the fortnight ended on 15-10-1975.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 30-6-76

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, SMT. K. G. D. M. P. AYURVED  
HOSPITAL BLDG., NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 14th June 1976

Ref. No. AR-I/1399-7/Oct 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 4/1634 of Lyculla Division situated at Plot No. 81 of West Agripada Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 13-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) S/Shri Asgeraly B. Bakar, (2) Gulam K. Noon (3) Abdullah A. Bakar & (4) Ebrahim Mohamed-husain.

(Transferor)

- (2) Noon Bakar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

- (3) Shri Shavak Cooper & (2) Shri Sundaram Shefty.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT the vacant leasehold piece or parcel of land or ground, being Plot No. 81 of the West Agripada Estate, formerly of the Trustees for the Improvement of the City of Bombay and now of the Municipal Corporation of Greater Bombay, together with the messuages, tenements, and dwelling houses standing thereon situate, lying and being at Motlibai Street, in the Registration District and Sub District of Bombay, containing by admeasurement 1046 sq. yards equivalent to 874.56 sq. metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 3527 (part), Cadastral Survey No. 4/1634 of Byculla—Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under E Ward No. 4116 (2), Old Street No. 81 and present Street No. 28, which said premises were known as "GHURA VILLA" and bounded as follows, that is to say, on or towards the NORTH-EAST by Plot No. 83 of the said Estate, on or towards the NORTH-EAST by Motlibai Street, on or towards the SOUTH-WEST by Plot No. 79 of the said Estate and on or towards the NORTH-WEST by the land of the Board laid out as a service passage/and forming part of the land bearing New Survey No. 3527.

V. R. AMIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-6-76.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AYURVED HOSPITAL BLDG.,  
5TH FLOOR, NETAJI SUBHAS ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 1st July 1976

Ref. No. ARI/1387-6/Oct.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1228 of Mandvi Division situated at Tawa Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tulsidas Kilachand; Ramdas Kilachand; Ambalal Kilachand and Chinubhai Kilachand,  
(Transferor)
- (2) Shri Chhotalal Jamnadas Shah & Gunvantrai Jamnadas Shah.  
(Transferee)
- (3) 1. M/s. Hindustan Supply & Co.  
2. Manubhai Gokaldas  
3. Divanchand Nikimal  
4. Tayab Ali Ebrahimji  
5. Javeri Brothers  
6. Javeri Brothers  
7. Nikunj Enterprise  
8. Abasbhai Mohammed Hussain,  
9. Shums Trading Company.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of the—perpetual Fazandari Tenor with the messuage, tenement of dwelling house standing thereon, situate, lying and being Coppersmith Row or Tawa Lane in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 300 sq. yards or thereabouts equal to 256.35 sq. metres or thereabouts and—registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New No. 2700 New Survey No. 11342 and Cadastral Survey No. 1228 of Mandvi Division and in the Books of the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under B Ward Nos. 931-932 and Street Nos. 4-8 and 8A and bounded as follows : that is on or towards the East by property of Haji Hasan Dada towards the West partly by the property of one Javeri, partly by the property of Soni—Jethalal and partly by the property of Umarigar on or towards the North by a Gully and on or towards the South by Tawa Lane.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-7-76

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Krishna P. Divekar & Smt. Shailaja K. Divekar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Ramniklal C. Kothari, Kantilal C. Kothari & Champaklal H. Kothari.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, AYURVED HOSPITAL BLDG.,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY(3) S/Shri Jamnadas Davidas; Kantilal Laxmi Tabakkar; Keshav Narayan Gandhi; Shakharam Ravji & M/s. Bachharaj & Company.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400002, the 30th June 1976

Ref. No. ARI/1400-8/Oct.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 304 of Malabar &amp; Cumballa Hill Division situated at north side of Walkeshwar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred—under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground situate lying and being at Chowpatty on the North side of Walkeshwar Road, in the City and Island and Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 1228 Metres (1469 square yards) or thereabouts together with the messuage tenements or dwelling house standing thereon registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 12, 323 and others New No. 2121 and others Old Survey No. 12, New Survey No. 7297 and Cadastral Survey No. 904 of Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under D Ward No. 2479 formerly street No. 407 and new Street No. 34 and bounded on the North-West and South West by the property of the Trustees of Dadyseth Charity Trust on or towards the North-East by plot No. 2 agreed to be leased to Bomanji Rustomji Contractor and Rattanji Rustomji Contractor and or towards the South-West by Walkeshwar Road which and Plot of land is known as Plot No. 1 of the Dadyseth Charity Estate Land.

V. R. AMIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 30-6-76.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jayant Dwarkadas Sanghvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswati Narayan Menon.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP AYURVED  
HOSPITAL BLDG., NEAR CHARNI ROAD STATION  
BOMBAY

Bombay-2, the 15th May 1976

Ref. No. AR-II/2055/3976/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Plot No. 5/2, Sub Plot No. B-1 Part situated at Vile Parle (West) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL the piece or parcel of want land or ground situate in the Village of Juhu Vile Parle Andheri Taluka District Bombay Suburban Registration sub-District and District of Bombay City and Suburban Bandra admeasuring 1127.5 squares yards equivalent to 937 square metres or thereabouts bearing sub-plot No. B-1 Part or Plot No. 5/2 in Juhu Vile Parle development scheme and bounded as follows that is to say on or towards the East by Plot No. B-2 on or towards the West by 60 ft. wide road on or towards the North by plot No. S-1 and on or towards the South by 100 ft. wide road and bearing part of Survey No. 70 of Juhu Village and/or 287 of Vile Parle C.T.S. no. not obtained.

M. J. MATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15th May 1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
AYURVED NEAR CHARNI ROAD STATION CHARNI  
ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 10th May 1976

Ref. No. AR-II2065/4051/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S.F/748, Plot No. 267 T.P.S. III situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 1-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Edward Peter D'Abreo,  
(2) Shri Rufus Standi Slaus D'Abreo  
(3) Ralph Ignatius D'Abreo.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohamed Usman Mansoori.  
(Transferee)
- (3) (1) M/s. Oosman Kassan & Co.  
(2) Mr. P. Muthu Nadar.  
(3) Mr. G. Munshilal  
(4) M/s. K. L. Malhotra Bros.  
(5) Dr. N. K. Malpani.  
(6) Mr. C. J. Shah.  
(7) Mr. R. L. Doctor.  
(8) Mrs. Sultana M.A. Merchant.  
(9) Mrs. Nafisa B. Mehboobali.  
(10) Mr. J. A. Nagachar.  
(11) Mr. P. M. Lalani.  
(12) Mrs. Dolly S. Irani.  
(13) M/s. Oosman Kassan & Co.  
(14) Mrs. Aminabai Usman.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate at Linking Road, Bandra admeasuring 700 sq. yds. together with the building and other structures standing thereon bearing C.T.S. No. F/748, plot No. 267, Town Planning Scheme III, Bandra, village Danda, formerly District Bombay suburban now registration District Bombay City and Suburbs and bounded as follows :—West : Linking Road, Bandra East : plot No. 258, North : Plot No. 268, and South : Plot No. 266 of Town Planning Scheme III, Bandra, and assessed by the Bombay Municipal Corporation under H Ward No. 5359 Town Planning Scheme III Bandra.

M. J. MATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date : 10th May 1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt Tarabai Tulsidas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Andheri Nav Bahar Co-operative Hsg. So. Ltd.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Unauthorised occupants,  
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP AYURVED  
HOSPITAL BLDG., NEAR CHARNI ROAD STATION  
BOMBAY(4) Shri Vijay M. Udeshi.  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).

Bombay-2, the 15th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-II/2063/4054/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 218 H. No. 6, C.T.S. No. 663 Sheet No. 16 situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 30-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situated lying and being at Vile Parle, Taluka Andheri, within the former Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban bearing Survey No. 218, Hissa No. 6 admeasuring 484 squares yards or 404.685 square metres or thereabouts and assessed at 0.57 p and bearing C.T.S. No. 663, Sheet No. 16.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

M. J. MATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15th May 1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, SMT. K. G. M. P. AYURVED  
HOSPITAL BLDG., NETAJI SUBHASH  
ROAD, CHARNI ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 14th May 1976

Ref. No. AR/III/878/Oct.75.—Whereas, I, R. G. NERURKAR, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 350, Hissa No. 4 situated at Malad (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 9-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

20—156GI/76

(1) (1) Shri Munilal Mehra, (2) Shri Krishan Parshad Mehra, (3) Shri Davakrishan Mehra, (4) Shri Manoharlal, (5) Shri Narottam Das, (6) Shri Gautam Budh, 336A Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferor)

(3) Mrs. Jayamangala B. Joshi, A-6 Utkarsha, Sikkana-gar, Bombay-4.

(Transferee)

(3) (1) M/s. Rubber House, (2) S. N. Pai, (3) V. U. Borkar, (4) Lalansing, (5) Jethalal Girjashanker, some unauthorised occupants in tin shed & back struc-ture.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same mean-ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of non-agricultural land or ground and tenanted houses standing thereon situate lying and being at Vivekanand Road, Malad (West), Bombay-64, in the Regis-tration Sub-District of Bandra, District of Bombay and Sub-urban and bearing Survey No. 350 Hissa No. 4 of Malad, together with the House No. 46 originally, and subsequently bearing No. 81 of Bungalow Nos. 180-81 and presently bearing Municipal Assessment P. Ward No. 5469 and House No. 66, Municipal P. Ward No. 5664 and House No. 66/1 and Muni-cipal P. Ward No. 5465 and House No. 66/2 and admeasuring about nine hundred square meters bearing C.T.S. No. 639 and 638/1 to 7 Malad.

R. G. NERURKAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 14th May 1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, SMT. K. G. M. P. AYURVED  
HOSPITAL BLDG., NETAJI SUBHASH  
ROAD, CHARNI ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 14th May 1976

Ref. No. AR/III/879/Oct.75.—Whereas, I, Shri R. C. NERURKAR, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 180 & 254 situated at Eksar, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub Registrar's Office, Bombay on 8-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaivant Pandurang Velkar,  
No. 1 Bund Garden Road,  
Poona-1.

(2) Shri Anant P. Velkar,  
46, Bhulabhai Desai Road,  
Bombay-26.

(3) Smt. Sarla Shripad Zaoba,  
2, Rammandir Road,  
Vile Parle East,  
Bombay-57.

(4) Smt. Sushila M. Velkar,  
46 F, Bhulabhai Desai Road,  
Bombay-26.

(5) Shri Shripad M. Velkar,  
46 F, Bhulabhai Desai Road,  
Bombay.

(6) Smt. Pramila Sharad Dhurandhar,  
Linking Road,  
Khar, Bombay.

(7) Smt. Shaila Kano Dhurandar,  
"Shangrila",  
Floor,  
Charmical Road,  
Off Peddar Road,  
Bombay-26.

(Transferor)

(2) Smt. Manorama J. Jani,  
Neel Kamal Daulat Nagar,  
Borivli, Bombay-92.

(Transferee)

- (3) 1. H. R. Shah.  
 2. D. Udayram.  
 3. N. R. Shah.  
 4. A. L. Salot.  
 5. P. L. Vora.  
 6. H. N. Dhami.  
 7. R. A. Doshi.  
 8. V. Khishi.  
 9. S. L. Kotak.  
 10. S. Devjibhai.  
 11. N. S. Manek.  
 12. S. G. Shah.  
 13. S. K. Shah.  
 14. S. S. Shah.  
 15. A. C. Mehta.  
 16. B. V. Shah.  
 17. T. R. Kulkarni.  
 18. B. S. Deshpande.  
 19. P. P. Shah.  
 20. I. C. Vora.  
 21. C. G. Shah.  
 22. B. M. Jadav.  
 23. R. H. Hooly.  
 24. S. Ratanlal.  
 25. B. T. Ahirwal.  
 26. S. M. Pitle.  
 27. S. S. Pathak.  
 28. M. S. Ganpati.  
 29. S. G. Shah.  
 30. M. R. Shah.  
 31. J. B. Bhandarkar.  
 32. Trikamdas S. Samani.  
 33. R. K. Doshi.  
 34. H. Bhichand.  
 35. M. M. Borkar.  
 36. H. D. Dave.  
 37. B. V. Gandhi.  
 37-A S. Y. Shetty.  
 37-B L. V. Hangal.  
 37-C Darji N. Lallubhai.  
 38. Tikamdas Narayan.

(Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situate lying and being on the West side of the said Swami Vivekanand Road, At Eksar Borivli, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, containing by admeasurement 4325 square Yards i.e., 3633 Square Metres or thereabouts (before set-back) bearing Survey Nos. 180 and 254 of Eksar Borivli, together with the Vendors Old Bungalow near the centre of Survey No. 254, bearing Municipal 'R' Ward No. 6566 (4) Swami Vivekanand Road and the Privy thereof (but excluding all the said remaining structures belonging to the said statutory tenant Borivli Building Material Supply Co.) and bounded as follows that is to say on or towards the EAST by the said Swami Vivekanand Road, and on or towards the WEST and NORTH by the Western Railway and on or towards the SOUTH by the Property known as "Laxminarain Kutir."

R. G. NERURKAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-III, Bombay

(4) Smt. Manorama J. Jani.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Date : 14th May, 1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,  
5TH FLOOR, ROOM NO. 524, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY

Bombay-400 002, the 15th June 1976

No. Acqn.Range-IV/A.P.223/76-77.—Whereas, I  
G. A. JAMES, the Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Original Survey No. 300 Plot Nos. 13 & 14 and Revision Sur-  
vey No. 1929 described under Survey No. 300 H. Nos. 2 & 2  
(Pt) situated at Village Kole Kalyan,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer at  
Bombay on 31-10-1975  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Jivanlal C. Barot,  
47, Jyoti Sadan, Sitladevi Temple Road, Mahim,  
Bombay-400-016.  
(Transferor)
- (2) M/s Star Builders, a Partnership firm consisting of  
1. Shri Rasiklal R. Patel,  
2. Shri Pravinchandra H. Patel, and  
3. Shri Vithalbhair H. Patel  
as partners having its Registered Office at Rehman  
Buildings, Vir Nariman Road, Fort,  
Bombay-400 001.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Dhirajchandra L. Brahmabhat, and  
2. Smt Umadevi Bhavanishankar Babulker,  
both C/o Shri Jivanlal C. Barot,  
47, Jyoti Sadan, Sitladevi Temple Road, Mahim,  
Bombay-400-016.  
(Persons who the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land and ground lying and be-  
ing at Mouje Kole Kalyan in the Registration Sub-District  
and District Bombay City and Bombay Suburban and contain-  
ing by admeasurement 1420.91 square yards equal to 1188.50  
square metres being part of 3060 square yards equal to  
2559 square metres or thereabouts but according to the re-  
cord of rights 24½ gunthas and described in the records of the  
Collector of Bombay Under Original Survey No. 300 Plot  
No. 14, area 38½ gunthas and survey No. 300 plot No. 13,  
area ½ Guntha and now according to Revision Survey No.  
1929 is described under Survey No. 300 and Hissa No. 2 area  
35 gunthas and Kheraba 6½ gunthas and which said piece of  
land is described under S. No. 300, H. No. 2 (Part) area  
24½ gunthas and bounded on the East by S. No. 311, H. No.  
22, on the West by S. No. 312, H. No. 3 and Survey No. 311  
and H. No. 31 and land on the South by S. No. 300, H. No.  
2(Pt), being property of Maharashtra Housing Board and on  
the North by S. No. 311, H. No. 10 and 9 and Hissa No.  
1(Pt) and H. No. 3 and which 1021 Sq. metres forms a part  
of land bearing City Survey No. 4851 (Pt).

G. A. JAMES,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-6-1976  
Scal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,  
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,  
5TH FLOOR ROOM NO. 524, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY

Bombay-40002, the 15th June 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/A.P.224/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14(Pt) of S. No. 85, CST 100 situated at Village Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) I. Shri Henry Everist Vincent Fernandes, Gold Cornet, 1st Floor, 6, Gamadia Road, Bombay-400 026.
  1. Shri Rasiklal Worah,
  2. Shri Shivalal Worah as a Karta of Hindu undivided Family of Shri Shivalal Worah,
  3. Shri Harsukhrail Worah as a Karta of Hindu Undivided Family of Shri Harsukhrail Worah,
  4. Shri Chandrakant Worah as a Karta of Hindu Undivided Family of Shri Chandrakant Worah,
  5. Smt. Kamini Devendrakumar Worah,
  6. Shri Devendrakumar Worah as a Karta of Hindu Undivided Family of Shri Devendrakumar Worah,
  7. Smt. Shobha Shivalal Worah,
  8. Smt. Janakgauri Harsukhrail Worah,
  9. Smt. Vasanti Chandrakant Worah,
  10. Shri Kiranchandra Worah,
  11. Shri Madhukar Worah, all of Calcutta, Dhanbad and Rajkot Inhabitants and carrying on business as partnership in the firm name and style of Chandrakant & Brothers at Jawahar Road, Opp : UCO Bank, Rajkot-360 001, (Gujarat).

(Transferor)

- (2) Good Shepherd Convent (Bombay), Society, 4, Bungalows Road, Versova, Andheri, Bombay-400 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Versova in Andheri Taluka (formerly South Salsette/Taluka) District Bombay Suburban and Registration Sub-District Bandra (in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban) part of Plot No. 14 of Survey No. 85, C.T.S. No. 100, admeasuring 6690 sq. yds (i.e. 5693.71 sq. metres) or thereabouts, together with structures and buildings standing thereon known as 'Meher Villa' and now said to be known as 'Sarita' and bounded as follows : that to say, on or towards the North by a public passage, on or towards the South by a road known as Karani Road, on or towards the East by plot No. 14 (Part) of Survey No. 85, Versova and on or towards the West by Plot No. 14 (Part) of Survey No. 85 and assessed to the Municipal Rates and Taxes under K-Ward No. 7200(1) 7, Versova Cross Road.

G. A. JAMES,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-6-76.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Danabhai Khimji Patel
2. Shri Kanji Danabhai Patel
4. Shri Bhogilal Danabhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V

AYURVEDIC COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH  
ROAD, BOMBAY

Bombay-400 002, the 28th. June 1976

Ref. No. ARV/477/1/75-76.—Whereas, I. V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 20 TPS.III situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) The Kailas Kiran No. 2 Co-op. Housing Soc. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of land or ground situate lying being at Ghatkopar in Greater Bombay in the Registration District Bombay Suburban, Sub-District Bandra and now in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban being Plot No. 20 of the TPS.III, Ghatkopar admeasuring 1782 square yards (equivalent to 1475 square metres) bearing CTS No. 5958 and Municipal N Ward No. 85 Street No. 185 and bounded as follows; that is to say on nor towards the North by TPS Road., on or Towards the South by Plot No. 17, on or towards the East by Plot No. 21, on or Towards the West by Plot No. 19.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 28-6-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V  
AYURVEDIC COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH  
ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 23rd June 1976

Ref. No. AR.V/481/5/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 19/2 pt, 52/18 pt, 21 pt situated at Mohilli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dharampal Mehra  
2. Shri Vedprakash Mehra  
3. Shri Devprakash Mehra

(Transferor)

- (2) M/s. Rajesh Dyg. & Blg. Works Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground together with the messuages, tenements, buildings and structures standing thereon, situate, laying and being at Village Mohilli in the Registration sub-district of Bandra District Bombay Suburban containing by admeasuring 13260 sq. yards (equivalent to 11086 sq. metres or hereabouts including the land admeasuring 7275 sq. yards and comprised in the Indenture of lease dated 16th October, 1961) and the portion of the Nallah admeasuring 245 sq. yds. (equivalent to 204.84 sq. metres) and bearing the following survey Nos. & Hissa Nos.

Survey No.	Hissa No.
19	2 Part
52	18 part, 21 part.
61	3 part, 4 part.

and bearing City Survey No. 684/2, 685/G, 686, 687 and 679/1 of City Survey Sheets Nos. 20 and 27 Mohilli Village, and bounded as follows, that is to say : On or towards the North by the property of Smt. Kailashwati Mehra and others bearing Survey No. 52, Hissa Nos. 21 part S. No. 19, H. No. 2 part and S. No. 61, H. No. 3 part, On or towards the South by the property bearing S. No. 52 Hissa Nos. 18 part, 21 part and 23, on or towards the East by Nallah and beyond that the property of Subhash Silk Mills Pvt. Ltd. and on or towards the West by the property bearing No. 52 Hissa No. 17

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 23-6-76

Seal :

FORM ITNS—

- (2) 1. Shri Subhash Mehra  
2. Shri Pradeep Mehra  
3. Shri Rajesh Mehra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rajesh Dyg. Blg. Works Pvt. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIC COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH  
ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 24th June 1976

Ref. No. AR.V/482/6/75-76.—Whereas, I.

V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay  
being the competent authority under section 269 B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

S. No. 18/2 part, 52/18, 21 part & 28 pt. situated at Mohili  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Bombay on 11-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground with the mes-  
sage tenements or buildings standing thereon situate lying  
and being at Mohilli Kurla Andheri Road, in the Registration Sub  
District of Bandra District Bombay Suburban admeasurement  
7275 Square Yards (i.e. 6083 square metres) or thereabouts  
and bearing Survey No. 19 Hissa No. 2 (part) and Survey  
No. 52 Hissa Nos. 18, 21 (part) and 28 (part) and bound-  
ed as follows : that is to say on or towards the East by Sur-  
vey No. 52 Hissa No. 21 (part) Survey No. 19 Hissa No. 2  
(part) on or towards the West by Survey No. 52 Hissa No. 17  
on or towards the North by a passage and on or towards the  
South by Survey No. 52 Hissa No. 23 (part).

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 24-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Rupa Surendrakumar Dalmia

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE-V

AYURVEDIC COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 25th June 1976

No. AR.V/491/15/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 43, 54, 59, & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

21—156GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT PIECE or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 & 66 situate, lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1052.9 square feet equivalent to 97.83 square metres or thereabouts and shown bounded by black and red-coloured boundary lines on the Plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say, On or towards the North by a strip of un-built land forming part of land bearing Plat Nos. 53, 54, 59 & 66; On or towards the South by a similar strip of un-built land forming part of plot No. 53 54, 59 & 66; On or towards the West by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft; On or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft.

V. R. AMIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 23-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V  
AYURVEDIC COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH  
ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400-002, the 29th June 1976

Ref. No. ARV/506/30/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Mohili (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Atlone Jerome Gomes  
2. Mary David D'Souza  
3. Anjeline Clement Pereira

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vijaykumar Anantrai Valia  
2. Shri Durga Ramesh Parikh  
3. Shri Hemant Anantrai Valia  
4. Shri Shailesh Anantrai Valia  
5. Shri Deepak Anantrai Valia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or pieces of Agricultural land situated at Village Mohili off Kurla Andheri Road, Taluka Kurla in the Registration Sub-District of Badra District Bombay suburban now in Greater Bombay containing by admeasurement 1906 sq. yds. equivalent to 1593.6 sq. metres, bearing S. No. 9, H. No. 7 (part).

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 29-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Herbert sons Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Bright Brothers Private Limited.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASHI ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 29th June 1976

Ref. No. AR. V/509/33/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 112 (Part) situated at Hariali Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 21-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of Non-Agricultural land situate at Village Hariali, admeasuring 26761 sq. metres (32005 sq. yards) and formerly bearing Survey No. 62, Plot No. 1 (Part), Survey No. 8 (part), Survey No. 9, Survey No. 56A (part), Survey No. 66, Hissa No. 1 (part), Survey No. 66 Hissa No. 3 (part) and now bearing C.S. No. 112 (part) Village Hariali and bounded as follows :

North : by the property of Government of India.

South : partly by the property of Surjee Vallabhdas & Co. and partly by the property of India Tube and Metal Engineering Co. and partly by the property of Herbertson Ltd.

East : By the Central Railway Line.

West : Partly by the Agra Road, partly by the property of Herbertsons Ltd., partly by the property of Bai Waghi Damodar Fakir Kceni partly by the property of India Tube & Metal Engineering Co. Ltd.

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 29-6-1976  
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Savitribai Gajanan Chemburkar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hariram Chhabildas Punjabi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay-400 002, the 1st July 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. V/514/38/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 64, Hissa No. 1, C.S. No. 316, 316/1 situated at Wadhavali, Chembur

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate lying and being at Village Wadhavali in Greater Bombay, in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 5929 sq. yds. i.e. 4957.48 sq. mts. or thereabouts and bearing Survey No. 64, Hissa No. 1 and City Survey No. 316, 316/1, 316/2, 316/3, 314, 314/1, 314/3. and assessed by Bombay Municipal Corporation under Ward bearing No. M. 2097(3).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 1-7-1976

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Minerva Dealers Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Archana Surendra Dalmia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V

AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 25th June 1976

Ref. No. AR. V/518/42/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of lands bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situated at Village Nahur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2105.8 square feet equivalent to 195.65 square metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the Plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say, On or towards the North by strip of unbuilt land forming part of the land bearing Plot No. 53, 54, 59 and 66; On or towards the south by strip of unbuilt land forming part of the land bearing Plot No. 53, 54, 59 and 66, On or towards the west by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. On or towards the East by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft.

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 25-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Rekha Dalmia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V

AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 25th June 1976

Ref. No. AR. V/519/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 53, 54, 59 and 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying and bearing at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2105.8 square feet equivalent to 195.65 square metres or thereabouts and shown bounded by black and red-coloured boundary lines on the Plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say, On or towards the NORTH by strip of unbuilt land forming part of land bearing plot No. 53, 54, 59 and 66 On towards the South by a similar strip of unbuilt land forming part of land bearing No. 53, 54, 59 and 66; On or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1067.37, 2162, 2154 sq. ft. respectively : On or towards the East by portion of the said structure admeasuring 2105.8 sq. ft.

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 25-6-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sulochanadevi Vijaykumar Garodia.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Messrs Bonafide Builders.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-400002Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 002, the 24th June 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. AR. V/522B/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. S. No. 249 H. No. 3(Pt) 1/3rd plot No. 47 situated at  
Garodia Nagar Scheme

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908)

in the office of the Registering Officer  
at Bombay on 29-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT one third Plot No. 47 of Garodia Nagar  
Scheme situate lying and being at Ghatkopar Registration  
Sub-District and District of Bombay City and Bombay  
Suburban bearing City Survey No. 195 (part) containing  
by admeasuring 707 square yards equivalent to 593.88  
square metres forming part of Survey No. 249 Hissa No. 4  
with hutments standing thereon.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

V. R. AMIN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 24-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sulochanadevi Vijaykumar Garodia.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs Bonafide Builders.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 24th June 1976

Ref. No. AR. V/522C/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 249 II. No. 3(Pt) 1/3rd plot No. 47 situated at Garodia Nagar Scheme (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 29-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

ALL THAT one third Plot No. 47 of Garodia Nagar Scheme situate lying and being at Ghatkopar Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing City Survey No. 195 (part) containing by admeasuring 707 square yards equivalent to 591.14 square metres forming part of Survey No. 249 Hissa No. 4 with hutments standing thereon.

V. R. AMIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 24-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) (1) Shri Ramaswamy Nadar s/o Arunachala Nadar, Ac 72-73 Ammansannadhi, Madurai-1.  
 (2) Shri Shanmuga Nadar, s/o Chidambara Nadar Srivaikundam T. K. Tuticorin Kaspa, Tirunelveli District.

(Transferor)

- (2) Smt. G. Anthoniammal, W/o. Shri V. George, 34/484, Pazhavangadi Street, Fort, Trivandrum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1976

Ref. No. VIII/17/2/Nov/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Vadiveeswaram village, Nagercoil, S. No. 902 and 903 R. S. No. M 7/17/1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-II, Nagercoil 4433/75 on November 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the said Act, in respect of any income arising from (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dry land measuring 2 acres and 84 cents in Survey No. 902 and 903 R.S. No. M7/17/1 at Vadiveeswaran village, Nagercoil.

R. RAMANATHAN,  
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—156 G1/76

Date : 26th May 1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri Ramaswamy Nadar, S/o Arunachala Nadan, Ac./72-73, Ammansannadhi, Madurai-I.
- (2) Shri Shanmuga Nadar, s/o Chidambara Nadar, Srivaikundam T. K. Tuticorin Kaspas, Tirunelveli District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

- (2) Shri V. George, s/o Varuvel Nadar, 34/484, Pazhavaigadi Street, Fort, Trivandrum.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 26th May 1976

Ref. No. VIII/17/3/Nov/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Vadiveeswaran village, Nagercoil (S. No. 901A and 901 B) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-II, Nagercoil on November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dry land measuring 2 acres and 36 cents in S. No. 901A and 901B at Vadiveeswaran Village, Nagercoil.

R. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26th May 1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th June 1976

Ref. No. 76/OCT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Periakrishnapuram village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valappadi (Doc. No. 2634/75) on October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ardhanari Mudaliar and his wife, Shri Manickam, son of Ardhanari Mudaliar, Periakrishnapuram, Athur taluk, and Smt. Anbuselvi w/o. Balasubramania Mudaliar, Kaveri Road, Verrappanchatram, Erode.

(Transferor)

(2) Smt. Angammal, w/o Thangavel Chettiar, Pachampalayam village, Bhavani taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at Periakrishnapuram village, Athur taluk, Salem district with the following extent:

A—C		
Survey No. 147/5	0-48	} Half of this measuring 2.95½ acres.
Survey No. 147/10	0-51	
Survey No. 147/12	0-58	
Survey No. 147/13	0-27	
Survey No. 147/4	0-07	
Survey No. 140/3	0-95	
Survey No. 132/1	3-05	
Survey No. 147/2	0-07½	
Survey No. 147/11	6-64	
Survey No. 132/3	0-30	
Survey No. 147/9	0-03-2/3	

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 19th June 1976

Ref. No. 77/OCT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4.14—1/6 acres situated at Periakrishnapuram, Salem district,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Valappadi (Doc. No. 2633/75) on October 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ardhanari Mudaliar and his wife, Shri Manickam, son of Ardhanari Mudaliar, Periakrishnapuram, Athur taluk, and Smt. Anbuselvi w/o. Balasubramania Mudaliar, Kaveri Road, Verrappanchatram, Erode.

(Transferor)

(2) Shri Karuppu Chettiar s/o Arumugam Chettiar, Periakrishnapuram, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at Periakrishnapuram village, Athur taluk, Salem district with the following extent :

A—C		
Survey No.	Area	
Survey No. 147/5	0-48	Half of his measuring 2.95½ acres
Survey No. 147/10	0-51	
Survey No. 147/12	0-58	
Survey No. 147/13	0-27	
Survey No. 147/4	0-07	
Survey No. 140/3	0-95	
Survey No. 132/1	3-05	
Survey No. 147/2	0-07½	
Survey No. 147/2	0-11½	
Survey No. 147/3	0-64	
Survey No. 147/11	0-02	
Survey No. 147/9	0.03-2/3	
Survey No. 132/3	0-30	

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-6-1976

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 31st May, 1976

Ref. No. 28/Dec./75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. situated at Surapalli Village, Jalagandapuram, Salem in S. No. 23/1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Jalagandapuram, Doc. No. 1850/75 on December, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Thammanna Chettiar and  
(2) Minor son Thirumalai Venkatesan,  
(3) Madhavaraj, s/o Thammanna Chettiar,  
Kuppampatti P.O. Surapalli Village,  
Omalar T. K., Salem District.

(Transferor)

- (2) Shri A. Selvaraj, s/o J. N. Ardhanari Chettiar,  
Jalagandapuram P.O., Surapalli Village, Mettur T.K.  
Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 27 cents in S. No. 23/1 at Surapalli village, Jalagandapuram, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 31st May, 1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 31st May 1976

Ref. No. 29/Dec./75.—Whereas, I. G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Surapalli village, Jalagandapuram, Salem in S. No. 23/2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Jalagandapuram, Doc. No. 1867/75 on December, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri T. V. Kullappa Chettiar, s/o T. Venkappa Chettiar,  
(2) Shri Thiruvengadam,  
(3) Shri Varadharajan,  
(4) Shri Navakkottinarayanan (S. No. 2 to 4 sons of T. V. Kullappa Chettiar, Kuppampatti, Surapalli village, Omalur T. K. Salem District.  
(Transferor)

(2) Shri A. Selvaraj, s/o J. N. Arthanari Chettiar, Jalagandapuram P.O., Surapalli village, Mettur T. K., Salem District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 26 cents in S. No. 23/2 at Surapalli village, Jalagandapuram, Salem.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 31st May, 1976

Seal :

FORM ITNS— —

(1) Smt. Zeenath Bibi w/o late S. Gulam Mohamed  
No. 3, Seera Sahib St., Dharapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. S. A. Ameer Ali s/o Shri Ahamed Ibrahim  
Rowther, Margampatti village, Palani Taluk  
Madurai District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 23rd June, 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a period  
of 30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. F. 2785.—Whereas, I. S. RAJARATNAM,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-  
after referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. TS No. 430/1, TS No. 431 and TS No. 426/1 Seera  
Sahib St., Dharapuram Town  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Dharapuram (Doc. No. 2591/75 on 28-10-1975.  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Half share in land and building bearing Door Nos. 2 and  
2A, Seera Sahib St., Dharapuram Town. (T.S. No. 430/1,  
T.S. No. 431 and T.S. No. 426/1).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 23-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Zeenath Bibi w/o late Shri Gulam Mohamed  
No. 3. Seera Sahib St., Dharapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri M. Gulamohaideen s/o Shri Mohamed Meera  
Rowther, No. 7, Sultani St., Dharapuram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd June, 1976

(a) by any of the aforesaid persons within the period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. F. 2785.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 430/1, TS No. 431 and TS No. 426/1 Seera Sahib St., Dharapuram Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. No. 2592/75 on 28-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Half share in land and building bearing Door Nos. 2 and 2A, Seera Sahib St., Dharapuram Town. (T.S. No. 430/1, T.S. No. 431 and T.S. No. 326/1).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Raj Rani Kumar  
w/o Shri P. L. Kumar  
r/o 20, Pusa Road, New Delhi-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th June 1976

No. IAC/Acq-I/SRII/1006/Nov-I(8)/75-76.—Whereas, I, C.V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. M-48 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 12-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the Said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

23—156GI/76

(2) Om Parkash Chandra Jain  
s/o Shri Asharfi Lal Jain and Master Anil Kumar Jain under the guardianship of his father  
Shri Khem Chand Jain  
c/o M/s Asharfi Lal Khem Chand Jain Sarar Patel Chauraha, Behind (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that is single storeyed commercial building constructed on plot No. 48 Block No. M (Shop) Greater Kailash No. 1 New Delhi-48 with all the land underneath and around it measuring 196 sq. yards and bounded as under :—

East : Commercial building No. M-47  
West : Commercial building No. M-48  
North Road  
South : Service Road.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 30-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Maharajkumar Jadev Singh Ju Ss/o of His Highness Maharajadhiraj Jayendra Singh Ju of Charkheri (U.P.) and
2. Maharajkumar Jayveer Singh son of His Highness Maharajadhiraj Jayendra Singh acting through his guardians His Highness Maharajadhiraj Jayendra Singh Ju and Her Highness Maharani Jayati Devi of Charkheri.

(Transferor)

- (2) Messrs Fancy Dyeing and Printing Works having its registered office at Commerce House, 2 Ganesh Chandra Avenue Calcutta-13 through its partners Shri Mahadev Narain Sadh son of Shri Hargovind Narain Sadh, Shri Rui Kumar Sadh son of Shri Pandraj Sadh, Shri Sahadev Narain Sadh son of Shri Hargovind Narain Sadh, Smt. Roopkalabai wife of Shri Hargovind Narain Sadh and Smt Gomabai wife of Shri Pandraj Sadh, acting through their legally constituted attorney Shri Mahadev Narain Sadh son of Shri Hargovind Narain Sadh partner of the said firm and r/o B-102, Defence Colony New Delhi-110024.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1976

No. IAC/Acq/SR-III/1070/Jan-II(1)/75-76.—Whereas, I, C.V. GUPTE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30 situated at Nathu Ram Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 17-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All rights, tenements, hereditaments, easements, appurtenances, fitting and fixtures, belonging and including the gardens, building and improvements thereon in the free-hold premises situated at No. 30, Nathu Ram Friends Colony, Mathura Road, New Delhi, in the territory of Delhi and measuring 2140 sq yds. and is bounded as under :—

East : Service Road

North : House No. 30-A

West : Main Road of the Friends Colony (Mathura Road)

South : House Nos. 31 &amp; 31/1.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 24-6-1976

Seal :

FORM ITNS—————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1976

No. IAC/Acq.I/SR-III/1071/Jan-II(2)/75-76.—Whereas, I,  
C.V. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-37, Kailash Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ved Kumari Bhayana w/o Dr. J. N. Bhayana r/o 411, Longmeadow Road, Buffalo, New York 14226, U.S.A. through her General Attorney Shri S. K. Bhayana s/o Late Sh. J. N. Bhayana r/o P-47, N.D.S.E.-I, New Delhi at present B-9, Mayfair Gardens New Delhi.

(Transferor)

(2) Sarvshri Chander Deep and Chander Prakash Ss/o L. Bhagwan Dass r/o 190, Gali Batashan, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed building on a free-hold plot of land measuring 311 sq. yds (along with the said land), bearing No. K-37, situated at Kailash Colony, New Delhi and bounded as under :—

West : Plot No. K-37/A.  
East : Plot No. K-38-A  
North : Road  
South : Plot No. K-34

C. V. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 24-6-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1976

No. IAC/Acq.I/SRIII/1018/Nov.II(12)/75-76.—

Whereas J. C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.S-484, situated at Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 22-11-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income for any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-  
tion (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Limited.  
40-F, Connaught Place, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) C. B. Pai s/o Sh. Gunapai  
r/o E-26, Kalindi Colony, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the Vendor into and  
upon that piece and parcel of land being Plot No. 484 Block  
No. S measuring 550 sq. yards in the residential colony known  
as Greater Kailash-II, situated at village Bahapur in the Union  
Territory of Delhi bounded as under :—East : S. Lane  
North : Plot No. S/482  
West : Road  
South : RoadC. V. GUPTE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.Date : 25-6-1976  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 10th May 1976

No. IAC/Acq.II/1174/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/100th share in E-6 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Satyawati w/o Shri Chuni Lal  
2. Sh. Bal Krishna Shoor s/o Sh. Chuni Lal  
r/o 251, Islamabad, Jullundur City. (Pb)  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Amrit Kaur w/o Shri Pal Singh  
2. Sh. Harmanjit Singh s/o S. Pal Singh  
r/o 7-13/A, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided one half share of 30/100th share i.e. 15/100th share in a single storied building on a free-hold plot of land bearing plot No. 6 in Block E measuring 1104.9 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

North : Lawn  
South : Road  
East : Plot No. E-7  
West : Plot No. E-5

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 10-5-1976  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Amar Nath Shoor s/o Sh. Barkat Ram Shoor  
r/o 192 Adarsh Nagar, Jullundur City (Pb)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Smt. Amrit Kaur w/o S. Pal Singh  
(2) Sh. Harmanjit Singh s/o S. Pal Singh  
r/o Z-13/A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later,

New Delhi, the 10th May 1976

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

No. IAC/Acq-II/1175/76-77.—Whereas, I. S. N. L.  
AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. 15½/100th share in E-6 situated at Rajouri Garden,  
New Delhi

(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at  
Delhi in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act', shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided one half share of 31/100th share i.e. 15½/100th  
share in a single storeyed building built on a free-hold plot  
of land bearing Plot No. 6 in Block E measuring 1104.0 sq  
yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, New  
Delhi, and bounded as under :

North : Lawn  
East : Plot No. E-7  
South : Road  
West : Plot No. E-5.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons  
namely :—

Date : 10-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Banarsi Dass Shoor s/o Sh. Barkat Ram Shoor r/o H. No. 192, Adarsh Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Amrit Kaur w/o S. Pal Singh 2. S. Sarmanjit Singh s/o Sh. P. Singh r/o Z-13/A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
NEW DELHI (110001)

New Delhi, the 10th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 12/100th share i.e. 6/100th share in a single storied building built on a free-hold plot of land measuring 1104.9 sq. yards bearing plot No. 6 in Block E situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi & bounded asunder :

North : Lawn  
South : Road  
East : Plot No. E-7  
West : Plot No. E-5

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Manohar Lal Shoor s/o Shri Barkat Ram Shoor  
r/o 162, Adarsh Nagar, Jullundur City.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Anrit Kaur w/o S. Pal Singh 2. Sh. Har-  
manjit Singh s/o S. Pal Singh r/o Z-13/A, Rajouri  
Garden, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4-14A, ASAF ALI ROAD,  
New Delhi-1(110001)

New Delhi, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1177/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13½/100th share in E-6 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided one half share of 27/100th share i.e. 13½/100th share in a single storied building built on a free-hold plot of land measuring 1104.9 sq. yds. bearing Plot No. 6 in Block E situated at Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

North : Lawn.  
East : Plot No. E-7.  
South : Road.  
West : Plot No. E-5.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Raghu Nath Sahai s/o Sh. J. M. Chawla Flat  
No. U. South Patel Nagar Market, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (2) Shri Suraj Parkash Bhagat s/o Shri Valabh Dass  
Bhagat, r/o Flat No. U South Patel Nagar Market,  
New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1178/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing G.B. Flat No. U situated at South Patel Nagar Market, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, November 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely:—

24-156GI/76

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Government Built Flat bearing No. U South Patel Nagar Market, New Delhi constructed on a plot of hand measuring 133.5 sq. yd and bounded as under:—

North : Road.  
East : Government Built Flat.  
South : Road.  
West : Government Built Flat.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 10-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, DELHI/NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/Acq/ii/1179/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-43, situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh s/o S. Kala Singh, and 2. Smt. Mohinder Kaur w/o S. Gurcharan Singh r/o D-32, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chuni Lal s/o L. Amin Chand r/o 77 Raja Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing Plot No. 43 in Block E measuring 244.5 sq. yds situated in the colony known as Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road 30 wide.  
East : Plot No. 42.  
South : Lane 15 ft.  
West : Plot No. 44.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 10-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 23rd June 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1195/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/6 (Northern Portion) situated at Krishan Nagar, Sahadara, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bir Singh Chouhan, S/o Sh. Moti Singh r/o 170, Gopal Park, Delhi-51.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhushan Kumar Narula, S/o Sh. Chuni Lal Narula, 128/30, Chand Mohalla, Gandhi Nagar, Delhi-31.  
(Transferee)
- (3) Shri P. R. Monga  
2. Shri K. C. Kapoor.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential house towards back portion (Northern portion) of property No. J-3/6 measuring 227.22 sq. yds. out of entire area 420.625 sq. yds situated in Abadi Krishan Nagar, Village Ghaundli, Illaqa Shahadara, Delhi-51 and bounded as under:—

East: Property No. J-3/7.  
West: Property No. J-3/5.  
North: Property No. J-2/6.  
South: Remaining portion of property.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 23-6-1976

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 22nd June 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Oct/1039(8)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 120 Block-D situated at Ajay Enclave, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-10-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Hazara Singh s/o Shri Bakshish Singh and Shri Bhajan Singh s/o Shri Hazara Singh r/o House No. 71, Ravi Nagar, New Delhi-18.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar Anand s/o Shri Mulk Raj Anand r/o H. No. 979, Chhotta Chhipiwara, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storey house, built on a free-hold plot of land bearing Plot No. 120, in Block-D, measuring 200 sq. yds. part of Khasra No. 307, situated in the colony known as Ajay Enclave on Najafgarh Road, area of village Tihar Delhi State, Delhi, within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

North : Road 36 ft. wide.

South : Service lane 15 ft. wide.

East : House on Plot No. D-121.

West : House on Plot No. D-119.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-6-1976

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Bachhu &amp; Nanpu &amp; others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chandra Verma &amp; others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th June 1976

Ref. No. 89-R/Acq.—Whereas, I, F. Rehman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 147, situated at Bahadurganj, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 1-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 147, Bahadurganj, Allahabad.

F. REHMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gulnam Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramji Lal &amp; others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th June 1976

Ref. No. 93-R/Acq.—Whereas, I, F. Rehman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 167, situated at Kichha, Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 6-10-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house with plot measuring 3 Bigha, 7 Biswa of plot and 2 rooms of 150 sq. ft. & one tin shed in 400 sq. ft. which is situated in Kichha Distt. Nainital.

F. RAHMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 15-6-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Vishnu Swarup Kaushal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswati Rathi.

(Transferee)

(3) Shri Vishnu Swarup Kaushal.

[Person(s) in occupation of the property]  
 [Person(s) whom the undersigned, knows  
 to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th June 1976

Ref. No. 120-5/Acq.—Whereas, I, F. Rahman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 532 A/43, situated at Chaudhry Tola, Lucknow,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 532 A/43, which is situated at Chaudhary Tola, Aliganj, Lucknow.

F. RAHMAN,  
 Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-6-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kaniz Aysha widow of Shri Hafizul Hasan Shamshi & Hasiul Hasan Shamshi, Shamshi Lodge  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(2) Shri Sahu Ramswarup.

(Transferee)

(3) Shri Sahu Ram Swarup.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 3rd June 1976

Ref. No. 121-5/Acq.—Whereas, I, F. Rahman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Bagh Ahmad Ali Khan, Bareilly, Bareilly:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 21-11-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land situated in Bagh Ahmad Ali Khan Bareilly,

F. RAHMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 3-6-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Kumar Bhalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mata Prasad &amp; others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 20th February 1976

Ref. No. 78M/Acquisition.—Whereas, 1, BISHAMBAR NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 900, situated at Chandapur-ka-hata, Muthi-ganj, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 14-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25— 156GI/76

A house property bearing No. 900, situated at Mohalla Chanda-pur-ka-hata, Muthi Ganj, Allahabad.

BISHAMBIHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1976

Ref. No. 1120/Acq/Massorie/75-76/531.—Whereas, I,  
VIJAY BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dehradun on 26-11-1975,for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—

- (1) Shri Jang Bahadur Singh s/o Nand Singh, 2. Smt.  
Satya Bhama Devi w/o Jang Bahadur Singh, 3.  
Tejinder Singh, 4. Surinder Singh, 5. Jagjit Singh.  
All sons of Jang Bahadur Singh, Residents of 37/8,  
East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri S. C. Ramola (Burat Chand Ramola) s/o Late.  
Thakur Lal Chand Ramola, r/o 3/5, Mahant Lax-  
man Das Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storey house bear-  
ing No. 3/5, Mahant Laxman Das Road (old No. 6/3, Astley  
Hall), Distt. Dehradun, transferred for an apparent considera-  
tion of Rs. 48,500/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-5-76.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 21st May 1976

Ref. No. 942-A/Meerut/75-76/622.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakash Narain s/o Sri Babu Ram 2. Sri Ambrish Kumar and 4. Harish Kumar sons of Prakash Narain Partner M/s Babu Ram Prakash Narain, Gandhi Marg, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Pt. Brahmanand Sharma s/o Pt. Bhagat Ram Sharma r/o Garh Mukteshwar Teh Hapur Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. Plot No. 6 measuring 1050 sq. yds. situated at Phool Bagh Colony Suraj Kund Kasba Meerut, Meerut City transferred for an apparent consideration for Rs. 57,750/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-6-76  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shrimati Gulab Devi w/o Sri Harish Chand Awasthi  
r/o Vill. Madres Parg. Ghatampur Distt. Kanpur  
present Address 119/175 Omnagar Darshanpurwa,  
Kanpur. 2. Sri Sahdev Pd. s/o Sri Ram Charan  
Awasthi r/o 119/175 Darshanpurwa, Kanpur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Kasturi Devi w/o Sri Om Prakash Chaurasia  
r/o 116/229 Rawatpur City, Kanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 21st June 1976

Ref. No. 474/Acq/Kanpur/75-76/623.—Whereas, I,  
Vijay Bhargava,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at Kanpur on 24-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 119/175 measuring 312 sq. yds.  
situated at Omnagar Darshanpurwa, Kanpur, transferred for  
apparent consideration for Rs. 47,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-6-1976

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sardar Punjab Singh son of Hari Singh, Resident of 29, Friends Colony, Swaroop Nagar, Kanpur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Mohd. Umar s/o Murad 2. Mohd. Salim Son of Badlu, 3. Jabbar s/o Mohd. Umar, and 4. Smt. Bismil Wife of Mohd. Umar, 112/212-B Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 24th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 112/212-B, Swaroop Nagar (Benajhabar) Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 24-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 23rd February 1976

Ref. No. 487/Acq/Kanpur/75-76/2651.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 14-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Dr. Surendra Swaroop Saxena s/o Jagdish Swaroop Saxena, 2. Smt. Prem Mohini Saxena, wife of Surendra Swaroop Saxena, Resident of 13/58, Parmat, Kanpur. (Transferor)

(2) 1. Shri Hazi Gafoor 2. Abdul Zabbar sons of late Hazi Gulab, r/o 105/187, Chamanganj, Kanpur, 3. Khaleel Ahmad, 4. M-hd. Anwar Sons of Late Hazi Bachcha, and 5. Shakir Ali son of Late Hazi Bhalole r/o 105/55, Chamanganj, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 128/B-95, situated at Babupurwa (Kidwai Nagar) Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-2-1976

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th January 1976

Ref. No. 807-A/Acq/Kanpur/75-76/2585.—Whereas, I,  
**VIJAY BHARGAVA**,being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43  
of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Kanpur on 27-11-75.for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Brijendra Kumar Agrawal, 2. Vinit Kumar  
Agrawal, 3. Sunit Kumar Agrawal (Minor) U/G of  
his mother Smt. Shyam Kishori w/o Brijendra Kumar  
Agrawal, and 4. Smt. Shyam Kishori w/o Brijendra  
Kumar Agrawal, All Residents of 48/189, General-  
ganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gurdittamal s/o Lala Ram Chander, 2.  
Smt. Rita Mehrotra w/o Manmohan Mehrotra, and  
3. Manish Kumar (Minor) through natural Father  
and Guardian Sri Jagat Mohan, all Resident of  
17/3, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective person, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property No. 48/  
220, Generalganj, Kanpur, transferred for an apparent con-  
sideration of Rs. 80,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-1-1976

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri H. N. Seth, 48/128, Generalganj, Kanpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. M. J. P. Gupta, 2. Smt. Laxmi Devi Gupta, 3. Smt. Munni Gupta, and 4. Master Arvind Gupta, r/o 58/45, Birhana Road, Kanpur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) G. N. Seth, H. N. Sethi, Trilokinath Seth, Amar Nath Seth and Surendra Nath Seth.  
[Persons in occupation of the property]OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 20th March 1976

F. No. 940/Acq/Kanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Khalasi Lines, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/5th undivided portion of Plot No. 7/81-B, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 22000/-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. N. Seth, 48/128, Generalganj, Kanpur.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Mr. J. P. Gupta, 2. Smt. Laxmi Devi Gupta,  
3. Smt. Munni Gupta, and 4. Master Arvind Gupta,  
R/o 58/45, Birhana Road, Kanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR(3) Shri G. N. Seth, H. N. Seth, Trilokinath Seth, Amar  
Nath Seth and Surendra Nath Seth.

[Persons interested in the property]

Kanpur, the 20th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

F. No. 941/Acq/Kanpur/75-76.—Whereas, I,  
VIJAY BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per schedule situated at Khalasi Lines, Kanpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering officer at  
Kanpur, on 10-12-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per-  
cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice on  
the respective persons, whichever period expires  
later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from  
the date of the publication of this notice in  
the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA, of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property, consisting of 1/5th undivided portion  
of Plot No. 7/81-B, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for  
an apparent consideration of Rs. 22000/-.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

26—156 GI/76

Date 20-3-1976

Seal

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri A. N. Seth, 48/128, Ganeralganj, Kanpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. J. P. Gupta, 2. Smt. Laxmi Devi Gupta, 3. Smt. Munni Gupta, and 4. Master Arvind Gupta, R/o 58/45, Birhana Road, Kanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR(3) Shri G. N. Seth, H. N. Seth, Trilokinath Seth, Amar Nath Seth and Surendra Nath Seth.  
[Persons interested in the property]

Kanpur, the 20th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

F. No. 942/Acq/Kanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 'H', No. As per schedule situated at Khalasi Lines, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/5th undivided portion of Plo No. 7/81-B, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri G. N. Seth, 48/128, Generalganj, Kanpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. J. P. Gupta, 2. Smt. Laxmi Devi Gupta, 3. Smt. Munni Gupta, and 4. Master Arvind Gupta, R/o 58/45, Birhana Road, Kanpur.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR(3) G. N. Seth, H. N. Seth, Trilokinath Seth, Amar Nath Seth and Surendra Nath Seth.  
(Persons interested in the property).

Kanpur, the 20th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. F. No. 943/Acq/Kanpur/75-76/2908.—Whereas, I, V. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Khalasi Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/5th undivided portion of Plot No. 7/81-B, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 22000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kumari Malti Srivastava, Belmant—Napien C. Road, Bombay. Present 4/276, Kailash, Nawabchand, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th April 1976

Ref. No. 990/Acq/Kanpur/75-76/85.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Smt. Suhasini Singh W/o Sri B. P. Singh, 2. Shailendra Kumar Singh, and 3. Nand Kumar Singh, sons of B. P. Singh, 7/259, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Plot No. 5, measuring 2420 sq. yds. situated at 4/276-A, Parbat Bagla Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,42,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13th April, 1976.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Manohar Lal Seth son of Shri Jammuram Seth, Hantley Hostel, Mahatma Gandhi Marg, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bipin Chand son of Shri Khoob Chand, 61, Nehru Nagar, Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th April 1976

Ref. No. 888/Acq/Agra/75-76/86.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 1-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 9, measuring 817 sq. yds. situated at Surya Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 49,020/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9th April, 1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri B. N. Chaddha son of Shri M. R. Chaddha, resident of 120/286, Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 9th April 1976

Ref. No. 832/Acq/Kanpur/75-76/87.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Kishore Lal, 2. Shri Jogendra Lal Bhatia, son of late Sri Manohar Lal Bhatia, R/o 120/843, Ranjit Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property No. 120/286, Lajpat Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,15,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9th April, 1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) En Vee & Co., Bishnu Bhuvan, Kadia Kui Naka,  
Relief Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd., Regd. Office :  
Okhla, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-893 (311)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 166, Sub-Plot No. 3, T.P.S. No. 3 situated at Shaikhpur Khanpur, Gujarat High Court Road, Metro Commercial Centre, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property consisting of shop Nos. 7, 8 and 9 on the ground floor and 8, 9 and 10 in the cellar, bearing F.P. No. 166, Sub-Plot No. 3, T.P.S. No. 3 and situated at High Court Road, Metro Commercial Centre, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 1-4-76.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-874(356)/1-1/75-76.—Whereas, I J. KATHURIA; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 192 Final Plot No. 229/1, Sub-Plot No. 4, TPS No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Deepak Sarvottambhai Hathisingh,  
(2) Shri Janak Sarvottambhai Hathisingh, Shahibaug, Ahmedabad.  
(Transferor)

- (2) Proposed Nandanbaug Co-op. Housing Society, through its promoters :—  
(1) Shri Somabhai Chaturbhai Patel, Manubhaini Chawl, Jahangir Para, Asarwa, Ahmedabad.  
(2) Shri Jayantilal Somabhai Patel, Asarwa Society, Near New Civil Hospital, Asarwa, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2426 sq. yards bearing Survey No. 192. Final Plot No. 229/1, Sub-Plot No. 4, of TPS No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-5-1976.  
Seal ;

## FORM ITNS—

- (1) Shri Deepak Sarvottambhai Hathisingh,  
 (2) Shri Janak Sarvottambhai Hathisingh, Shahibaug,  
 Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR,  
 AHMEDABAD-380009.

- (3) Shri Somabhai Kuberdas Patel, Umlyanagar Society,  
 Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1007 (357)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 192, Final Plot No. 229, Sub-Plot No. 3 of TPS No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing S. No. 192, Final Plot No. 229, Sub-Plot No. 3 of TPS No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

27—156GI/76

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax  
 Acquisition Range-I,  
 Ahmedabad.

Date : 17-5-1976,

Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1008(358)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 192, Final Plot No. 229 Part, Sub-Plot No. 2 TPS No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deepak Sarvottambhai Hathisingh, 2. Shri Janak Sarvottambhai Hathisingh, Shahibaug, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Shri Jivabhai Amtharam Patel, Umiyanagar Society, Asarwa, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 440 sq. yards bearing Survey No. 192, Final Plot No. 229 Part, Sub-Plot No. 2. of TPS No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-5-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-879(386)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. Plot No. 583, Sub-Plot No. 1, TPS No. 3 situated at Ellis Bridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Navnitlal Sakarlal Shodhan, 2. Shri Nandkishore Sakarlal Shodhan, 3. Shri Saurabh Navnitlal Shodhan, 4. Shri Harsh Navnitlal Shodhan, 5. Shri Kashyap Anandibhai Thakur, 6. Shri Harshavadan Hathisingh Shah, Ellisbridge, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Rajnikant Jaikishandas Soni, 2. Bakula Rajnikant Soni, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 652 sq. yards bearing F.P. No. 583, Sub-Plot No. 1, TPS No. 3 and situated behind Gandhigram Railway Station and near Nagri Eye Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-5-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 26th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-897(408)/1-1/75-76.—Whereas, I J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 583, S.P. No. 7 of TPS 3 situated Near Nagri Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Navnitlal Sakarlal Shodhan, 2. Shri Nandkishore Sakarlal Shodhan, 3. Shri Saurabh Navnitlal Shodhan, 4. Shri Harsh Navnitlal Shodhan, 5. Shri Kashyap Annandi Thakor, Ellis Bridge, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Balkrishna Trust, Trustee: Smt. Kamlaben Balkrishna Doshi, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 653 sq. yards bearing Final Plot No. 583, Sub-Plot No. 7 of TPS No. 3 situated near Nagri Hospital, Ellis Bridge, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 26-5-1976  
Seal :



FORM ITNS—

(1) 1. Bai Jodi, widow of Becharji Gedalji, 2. Shri Somaji Becharji, Village Thaltej, Tal. Daskot, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 26th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-871(409)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Survey No. 81-B situated at Thaltej, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Anubhai Premchand Shah, 15, Maghdoodh Flats, Behind Times of India, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 14338.50 sq. yards bearing S. No. 81-B, situated at Thaltej village, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 26-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt Gulab Bai W/o Shri Chander Kumar Kothari  
R/o Bajajkhana, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Suraj Bai W/o Shri Panculalji Jain R/o Gram  
Kasrawad, Tq. Kasrawad, West Nimar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/626.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15, Kuwar Mandi, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-11-75 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal Plot No. 15 Kuwar Mandli, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shivjibhai S/o Bhavjibhai Patel R/o Navalakha  
Plot No. 17 T.S. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ratanjibhai S/o Sh. Somojibhai R/o 18 Nava-  
lakha, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BHOPAL.

Bhopal, the 28th April, 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/627.—Whereas I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17 Scheme No. 31 Route No. 6 &amp; 7 (Petha-wala Scheme) Navalkha, Indore, in situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 17 Front portion Scheme No. 31 Route No. 6 &amp; 7 situated at Navlakha Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mathura Prasad S/o Late Shri Badrilal Agarwal,  
R/o Kashipura, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ramswaroop Agarwal S/o Late Shri Badrilal,  
R/o Itwara Road, Bhopal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BHOPAL

Bhopal, the 28th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/628.—Whereas, I, V. K.  
**SINHA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 12, Ward No. 12 West Portion is situated at Itwara Road, Bhopal, situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House No. 12, Ward No. 12 West Portion situated at Itwara Road, Bhopal.

V. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 19th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 38.214 Sft. Satna Kunwar Talkies Road, Satna situated at Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—156 GI/76

- (1) 1. Smt. Anima Devi W/o Charchand Bhattacharya, Village : Padara, Huzur, Rewa (PO)
2. Shri Narayandas S/o Tarachand
3. Devidas S/o Tarachand
4. Nabin Mohan S/o Ram Bhattacharya
5. Vijay Bihari S/o Vipuri Bichan
6. Subodh Kumar S/o Ram Bhattacharya
7. Prabodh Kumar S/o Shri Ram Bhattacharya.

(Transferor)

- (2) M/s Krishna Saw Mills, Satna Kanwar Talkies Road, Satna.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 38.214 Sft., Satna Kunwar Talkies Road, Satna.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 19-5-76

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th May 1976

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/648.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property (part of a plot) situated at Phalke-ka-Bazar, Lashkar Nigam No. 24/908/3, Freehold (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 20-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kanchammala Phalke W/o Awaji Rao Urf Anna Sahab self, 2. Shri Umasingh Rao, 3. Shri Rajender Rao S/o Shri Awaji Rao Phalke, R/o Phalke-ka-Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakumar S/o Beharilal, 2. Shri Yogendra-Kumar (Minor) S/o Beharilal, 3. Shri Beharilal S/o Bhagwandas, Phalke-ka-Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property (part of a plot) situated at Phalke-ka-Bazar, Lashkar Nigam No. 24/908/3, Lashkar.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-5-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Chandrakumar, Bai W/o Shri Deep Singh  
Rajput, 30, Radhaganj, Dewas.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Omprakash Garg S/o Shri Kanhaiyalal Garg,  
386, M. G. Road, Indore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st May 1976

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/656.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal House No. 18/2, Badwali Chouki, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 18/2, Badwali Chouki, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 29th May 1976

Ref. No. IAC[ACQ]BPL/76-77/657—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

portion of plot No. 8 named as 8-B, Bombay Agra Road, Indore, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 2-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Rameshchandra Baheti S/o Shri Babulal Baheti, 8, Bombay-Agra Road, Indore, M.P. (Transferor)

(2) Shri Ghanshyam Baheti, S/o Babulal Baheti, 8, Bombay-Agra Road, Indore-M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of plot No. 8 named as 8-B, Bombay Agra Road, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 29-5-76.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 29th May 1976

Ref. No. IAC|ACQ|BPL|76-77|658—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Free-hold plot No. 158 situated at Kanchanbagh, South Tukoganj, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Dayashankar Sharma S/o Shri Sarandasji Sharma 60, Bada Sarafa, Indore.

(Transferor)

(2) (i) Shri Vinodkumar, (ii) Shri Pramod Kumar and (iii) Shri Ashok Kumar, all sons of Shri Gaya-shankar Sharma, R/o 576/16, M. G. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold plot No. 158 situated at Kanchanbagh, South Tukoganj, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 29-5-76  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sheela Khurana W/o Shri Ram Lubhaya Khurana R/o Azad Punjab Hotel, Hamidia Road, (Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Lt/Col. Sayed Abdul Rahim S/o Late Shri Sayed Abdul Aziz, (2) Smt. Zohra Khatoon W/o Shri Sayed Abdul Rahim R/o Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL.

Bhopal, the 7th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/611.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Double storeyed house bearing No. 26/1, 2, 3 situated at Mohalla Mahavirpura, Berkhedi, Nagar Nigam Ward No. 26, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14-11-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house bearing No. 26/1, 2, 3 situated at Mohalla Mahavirpura, Berkhedi, Nagar Nigam Ward, No. 26, Bhopal.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-4-76.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Seth Mahadeo Prasad S/o Sanchilal, 2. Seth Radha Kishan S/o Onkarmal, 3. Seth Sitaram S/o Lachchiram, 4. Seth Goverdhandas S/o Rameshwarlal, near Jai Stambh, Dongargarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Seth Hanumanprasad S/o Jugal Kishore Agrawal, C/o M/s Shri Krishna Rice and Dall Mill, Dongargarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC|ACQ|BPL|76-77|607.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One mill consisting of machinery building and vacant land situated in Dongargarh situated at Dongargarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dongargarh on 28-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One mill consisting of machinery building and vacant land situated in Dongargarh.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-4-76.

Seal :

## FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Narayandas S/o Ghuriamal Sindhi Nagar Para,  
Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/604.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1.11 decimal of plot at Shukwaria Bazar, Gudhiyari, Raipur situated at Raipur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 9-11-75

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) Shri Mangalmal S/o Ghuriamal Sindhi, C/o M/s. Gurunank Traders, Naharpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1.11 decimal of plot at Shukwaria Bazar, Gudhiyari, Raipur.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-4-76.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Narayandas S/o Ghuriamal Sindhi, Nagar Para, Raipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangalmal S/o Ghuriamal Sindhi, C/o M/s Gurunanak Traders, Naharpara, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BHOPAL

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/606.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

0.76 decimal of plot at Shukwaria Bazar, Gudhiyari, Raipur situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 10-11-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

29—156 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

0.76 decimal of plot at Shukwaria Bazar, Gudhiyari, Raipur.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-4-76.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagrani Pai Wd/o Badri Prasad Gupta, R/o Durg Fair Deal Agencies, Kalppana House, Station Road, Durg.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/605.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

a house property situated in Ganesh Ward, Betul Ganj, Betul (Gupta Niwas), situated at Betul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Betul on 12-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Rameshwar Prasad S/o Jagannath Gupta, R/o Betul Ganj, Betul, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated in Ganesh Ward, Betul Ganj, Betul (Gupta Niwas).

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-4-76.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Mangilal S/o Bodarji 2, Shri Shivrarn S/o Bodarji, Smt. Godawaribai Wd/o Bodarji, Kulmi R/o Vill. Khajrana, Teh. & Distt. Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Jagdish S/o Nandlal Awale, R/o 37 Hathipala Road Indore. Shri Chandulal S/o Moolchandji R/o 337 Jawahar Marg, Indore C/o Samata Grah Nirman Sahakari Samiti, 41, Savind Nagar, Kanadiya Road, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

## BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/608.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural land of 4.67 acres at village Khajrana, Teh. & Distt. Indore situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 9-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land of 4.67 acres at Village Khajrana, Teh. & Distt. Indore.

V. K. SINHA.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-4-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jambukumarsingh S/o Shri R. B. Seth Rajkumarsingh ji Kesliwal, Indra Bhawan, Tukoganj, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Mehta W/o Dr. S. R. Mehta, 108, Tilak Path, Indore-4 (MP).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th May 1976

Ref. No. IAC[ACQ[BPL]76-77/642.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot No. 1, Kanchan Bagh, South Tukoganj, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 19-11-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 1, Kanchan Bagh, South Tukoganj, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11th May 1976.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Lt. Col. Shri Mukund S/o Shri Atmaramji Athle R/o House No. 41, Manik Chowk, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Pitambar 2. Shri Chatirabhuj S/o Shri Sirumalji Pagarani R/o 45, Vishnupuri, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

## BHOPAL

Bhopal, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/639.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Plot No. 8, Vishnupuri Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 17th November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open Plot No. 8, Vishnupuri Colony, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dae : 10th May, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Pratibha Sasan W/o Shri Chiranjitlal Sasan  
R/o Ravindra Nath Tagore Marg, House No. 151,  
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Virendra Kumar Sood S/o Shri Ramprasadj  
Sood R/o International Steel Foundry, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 11th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/643.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4, Inderpuri Colony, Indore

situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4, Inderpuri Colony, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11th May 1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Meenakshy R. Menon, 72, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Shankaran Kutti, 205, B. T. Road, Calcutta No. 700035.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 11th May 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/641.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 72 Vallabh Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. 72, Vallabh Nagar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11th May 1976.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Smt. Kaushaliya Bai W/o Shri Arjundasji, 121-A, Bairathi Colony No. 2, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hiralal Kundanlal Gurnani, 41/3, Topkhana, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/640.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 121-A, Bairathi Colony No. 2, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 121-A, Bairathi Colony No. 2, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10th May, 1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 5th June 1976

No. IDH/C/1543/75-76.—Whereas, I,  
G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
30/100 share in Plot No. 17-C Kartar Singh Sarabha Nagar,  
situated at Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ludhiana in October, 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

30—156GI/76

(1) Smt. Harpreet Kaur, w/o,  
Shri Jaswant Singh,  
Resident of Kila Raipur,  
Tehsil and District Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh Khattri, s/o  
Shri Mal Singh Khattri,  
R/o 319, Dr. Sham Singh Road,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

30/100 share in Plot No. 17-C, situated at Kartar Singh  
Sarabha Nagar, Ludhiana.  
Khasra No. 126-Min,  
Khata No. 206/267,  
Jamabandi 1964-1965.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5300  
of October, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 5-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th June 1976

No. LDH/C/1544/75-76.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/100 share in Plot No. 17-C Kartar Singh Sarabha Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaswant Singh, S/o Shri Dalip Singh,  
R/o Ladhraan, Tehsil Samrala,  
District Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh Khattri, s/o  
Shri Mal Singh Khattri,  
319, Dr. Sham Singh Road,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

40/100 share in Plot No. 17-C, situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

Khasra No. 126-Min,  
Khata No. 206/267,  
Jamabandi 1964-1965.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5313 of October, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 5-6-1976

Seal:

## FORM ITNS

(1) Smt. Harpreet Kaur, w/o  
Shri Jaswant Singh,  
R/o Kila Raipur, Tehsil Samrala,  
District Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

(2) Shri Darshan Singh Khattri, s/o  
Shri Mal Singh Khattri,  
319 Dr. Sham Singh Road,  
Ludhiana.

(Transferee)

Chandigarh, the 5th June 1976

No. LDH/C/1545/75-76.—Whereas, I,  
G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
30/100 share in Plot No. 17-C Kartar Singh Sarabha Nagar,  
situated at Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ludhiana in October, 1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act  
or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

30/100 share in Plot No. 17-C, situated at Kartar Singh  
Sarabha Nagar, Ludhiana.

Khasra No. 126-Min,  
Khata No. 206/267,  
Jamabandi 1964-1965.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5348  
of October, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 5-6-1976  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 5th June 1976

No. PTA/1954/75-76—Whereas, I,  
G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 268B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Land measuring 32 kanals,  
situated at Village Sanaur, District Patiala,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Patiala in November, 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Paramjit Singh, s/o  
Shri Attar Singh,  
R/o Village Sanaur, District Patiala.

(Transferor)

(2) Sarvshri  
Om Parkash Singh,  
Gurmit Singh,  
Sohan Singh  
Amrik Singh,  
Ram Raj Singh,  
Ss/o Raunak Singh,  
R/o Village Sanuar, District Patiala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of the notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals situated at Village Sanuar,  
District Patiala.  
Khewat Khata No. 467/539,  
Khasra No. 59/9/8-0, 10/8-0, 11/8-0, 12/8-0.  
Kitte 4.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3227 of  
November, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 5-6-1976

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Satya Narayan Sikaria, Fancy Bazar, Gauhati  
(Transferor)(2) M/s Crane Lifts, Saraf Building, AT Road, Gauhati.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 26th April 1976

No. A-125/Gau/76-77/89-99.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 964, K.P. Patta No. 2 situated at Zoo Road, Gauhati, (Assam) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha 15½ Leches (Fifteen and half leches) of Village, Japarigong Beltola, Town Gauhati District Kamrup Assam. Situated at Zoo Road, Gauhati-3.

EGBERT SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Shillong

Date : 26-4-1976  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th May 1976

No. 1565.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Green Park Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Oct. 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Iqbal Jit Singh S/o Sh. Pritam Singh,  
R/o 17-Defence colony, Jullundur.

(2) Shri Hardev Singh S/o Sh. Banta Singh  
S/o Sh. Basant Singh,  
R/o V. and P.O. Samrai, Jullundur.

\* (3) As per Sr. No. 2 above  
[Person in occupation of the property]

\* (4) Any other person interested in that property.  
[Persons whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in regd. deed No. 6343 of October, 1975 of registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date 26-5-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th May 1976

No. AP/1566.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Oct. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Singh s/o  
Shri Dalip Singh, Nakodar.  
Moh. Gujranda Kotha near BDO's Office  
(Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh s/o Kartar Singh  
S/o Batan Singh, Nakodar, Moh. Garian.  
(Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above  
[Person in occupation of the property]
- \*(4) Any other person interested in that property.  
[Persons whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1690 of October, 1975 of S. R. Nakodar.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date 28-5-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th June 1976

Ref. No. 1568.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jagir Kaur w/o Sh. Sohan Singh  
S/o Shri Narain Singh,  
R/o Chak Zindan, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Kukar P. Ltd.  
S-147, Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

\*(3) As per Sr. No. 2 above  
[Person in occupation of the property]

\*(4) Any other person interested in that property.  
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6812/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th June 1976

Ref. No. AP-1569.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

31—156 GI/76

- (1) Capt. Gurdev Singh S/o  
Shri Waryam Singh,  
N.D. 85, Bikram Pura, Jullundur City. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar S/o Shri Gian Chand,  
192, New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6800/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16th June 1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th June 1976

No. AP-1570.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jaswant Singh S/o Shri Bhagat Singh  
S/o Hazara Singh,  
G.A. to S. Bhagat Singh S/o Hazara Singh  
S/o Sunder Singh  
R/o V. Jagan Teh. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) 1. Mithu Singh S/o  
Sh. Kheta Singh  
2. Shri Bachan Singh S/o Mithu Singh  
R/o Basti Mithu, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in that property.  
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 6705/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th June 1976

No. AP-1571.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on Oct. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Suresh Chander, Vijay Kumar  
Ss/o Sh. Bihari Lal,  
R/o Mohalla Shiv Nagar, Industrial Area, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Jai Udyog Trading Corp. Industrial Area,  
Jullundur City.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in that property.  
[Persons whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6648/ October, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date 17-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th June 1976

No. AP-1572.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule  
situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Capt. Gurdev Singh S/o Waryam Singh,  
N.D. 85 Bikram Pura, Jullundur City.  
GA to Lakhjit Singh Purewal, Karol Bagh, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Kartar Chand S/o Sh. Bishan Dass,  
192, New Jawahar Nagar,  
Jullundur City.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in that property.  
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6799/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-6-1976  
Seal :